हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पीएम मोदी की पहली मप्र यात्रा

भोपाल के जंबूरी मैदान अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती पर 'महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन' में पीएम ने किया 'नारी शक्ति' को नमन

आतंकियों ने नारीशक्ति को चुनौती दी, यही उनका काल बना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्यप्रदेश की राजधानी में शनिवार को देवी अहिल्याबाई होलकर की 300 वीं जयंती के अवसर पर महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन में पीएम नरेंद्र मोदी ने नारी शक्ति को नमन करते हुए कहा कि पहलगाम में आतंकियों ने नारीशक्ति को चुनौती दी, यही उनके लिए काल बन गया। भारत संस्कृति और संस्कारों का देश है। और ये सिंदूर हमारी परंपराओं में नारीशक्ति का प्रतीक है। रामभक्ति में रंगे हुनमानजी भी सिंदूर को ही धारण किए हैं। शक्ति पूजा में सिंदूर अर्पण करते हैं। यही सिंदूर अब भारत के शौर्य का प्रतीक बना है। पहलगाम में आतंकियों ने सिर्फ भारतियों का ही खून नहीं बहाया, उन्होंने हमारी संस्कृति पर भी प्रहार किया। उन्होंने हमारे समाज को बांटने की कोशिश की है। सबसे बड़ी बात आतंकियों ने भारत की नारी शक्ति को चुनौती दी है। ये चुनौती आतंकियों और उनके आकाओं के लिए काल बना गई है। अब भारत ▶▶ शेष पेज 7 पर

3 करोड़ बहनों को लखपति बहनें बनाने का संकल्प लिया है। अब तक डेढ़ करोड़ बहनें तो बन चुकी हैं

हमारी सरकार की हर बड़ी योजना के केंद्र में मातृशक्ति ही

पीएम ने कहा कि हमारी सरकार लोकमाता के मूल्यों पर चलकर काम कर रही है। हमारी सरकार की हर बड़ी योजना के केंद्र में महिलाएं हैं। गरीबों के लिए 4 करोड़ से अधिक बने हैं। उनमें ज्यादातर की मालकिन महिलाएं हैं। कई तो ऐसी बहनें हैं, जिनके नाम पर पहली बार कोई संपत्ति हुई है। हमारी सरकार आज घर-घर में जल पहुंचा रही है। ताकि महिलाओं को दिक्कत न हो, बेटियां पढ़ सकें। बिजली, एलपीजी जैसी सुविधाएं भी हमारी सरकार ने पहुंचाई। माता-बहनों के सम्मान का एक प्रयास है। इससे गांव की बहनों की अनेक मुश्किलें कम हुई हैं। पहले के समय में महिलाएं अपनी बीमारियों को छिपाने पर मजबूर थीं। अस्पताल जाने से बचती थीं। ▶▶ शेष पेज 7 पर

लोकमाता ने गवर्नेंस का उत्तम मॉडल अपनाया

लोकमाता अहिल्याबाई ने प्रभुसेवा और जनसेवा, इसे कभी अलग नहीं माना, कहते हैं वे हमेशा शिवलिंग साथ लेकर चलती थीं। चुनौती पूर्ण कालखंड में, कोई कल्पना कर सकता है, कांटों से भरा ताज पहनने जैसा काम। लेकिन माता ने अपने राज्य की समृद्धि को नई दिशा दी, गरीबों को सक्षम बनाने का काम किया। वे देश की विरासत थीं। जब देश की मंदिरों, तीर्थस्थलों पर हमले हो रहे थे, उन्होंने उन्हें संवारने का बीड़ा उठाया। हमारे तीर्थों का पुनर्निमाण किया और ये मेरा सौभाग्य है, जिस काशी में लोकमाता अहिल्या में विकास के इतने काम किया, उसी काशी ने मुझे भी सेवा का अवसर दिया। आप काशी विश्वनाथ के दर्शन करने जाएंगे, वहां आपको देवी अहिल्या ▶▶ शेष पेज 7 पर

देवी अहिल्या ने घर के 'धन' और शासन के धन का अंतर बताया: सीएम यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई ने एक आदर्श बहू और आदर्श पत्नी रहते हुए शासन चलाया। उन्होंने घर के धन और शासन के धन का अंतर बताया। उनके कार्यकाल को देखा जाए तो आज अहिल्या माता के सुशासन के आधार पर ही पूरा शासन तंत्र चल रहा है। मप्र में पिछले 500 साल के काल पर नजर डालें तो गोंडवाना की रानी दुर्गावती ने तीन बार अकबर को धूल चटाई थी। इसी प्रकार रानी अवंतीबाई ने भी मुगलों के सामने कभी भी आत्मसम्मान से समझौता नहीं किया। ग्वालियर की राजमाता सिंधिया ने भी भारतीय लोकतंत्र को मजबूत किया। प्रधानमंत्री मोदी ने इंदौर की सुमित्रा ताई को लोकसभा अध्यक्ष की जिम्मेदारी देकर प्रदेश का मान बढ़ाया। आज राष्ट्रपति भी एक महिला हैं।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

अंतरिक्ष में 7 परीक्षणों को अंजाम देंगे शुक्ला

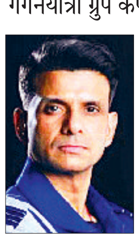

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के गगनयात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण से जुड़े प्रयोग करेंगे। 7 माइक्रोग्रैविटी प्रयोगों का चयन किया गया है। ये प्रयोग मानव स्वास्थ्य, जीव विज्ञान, मेटरियल रिसर्च, नई दवाओं के विकास और जैव प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों पर केंद्रित होंगे। मिशन 8 जून को शुरू होगा। इनमें सलाद के बीजों का अंतरिक्ष में उगाना अहम है।

विदेशी मुद्रा भंडार 692.72 अरब डॉलर पर पहुंचा

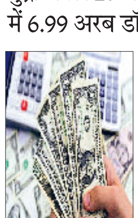

नई दिल्ली। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 23 मई को समाप्त हफ्ते में 6.99 अरब डॉलर की बड़ी वृद्धि के साथ 692.72 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो अब तक का एक नया रिकॉर्ड स्तर है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के आंकड़ों के अनुसार विदेशी मुद्रा भंडार के मुख्य घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में 4.52 अरब डॉलर की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जिससे यह बढ़कर 586.17 अरब डॉलर हो गईं। वहीं, स्वर्ण भंडार बढ़कर 83.58 अरब डॉलर तक पहुंच गया।

वापस लिया पाकिस्तान में आतंकियों के मारे जाने पर जताई गई शोक-संवेदनाओं वाला बयान

शशि थरूर की नाराजगी के बाद हुआ कोलंबिया का 'ह्दय परिवर्तन'...

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

बीते लगभग आठ दशकों से अधिक समय से सीमा-पार से लगातार जारी पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को अब किसी भी सूरत में बर्दाश्त न करने की नीति (जीरो टॉलरेंस) का सख्त संदेश भारत के सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों के मार्फत पूरी दुनिया में न केवल तेजी से पहुंच रहा है।

बल्कि अगर इस मामले में किसी को कोई गलतफहमी भी है। तो वो भी दूर हो रही है। ताजा उदाहरण कोलंबिया का है। जहां एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे कांग्रेस नेता और पूर्व विदेश राज्य मंत्री शशि थरूर द्वारा भारत की ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई को लेकर बने हुए दक्षिण अमेरिकी देश के रुख को लेकर जताई गई नाराजगी के बाद कोलंबिया की सरकार ने अपने पुराने विवादित बयान को ▶▶ शेष पेज 7 पर

थरूर बोले, अच्छी खबर है, पुराना बयान वापस

शशि थरूर ने कहा, राजधानी बोगोटा में कोलंबिया की कांग्रेस (नेशनल कांग्रेस) के प्रतिनिधिमंडल के दूसरे आयोग के अध्यक्ष एलेजांद्रो टोरो (जो हमारी विदेश मामलों की समिति के समकक्ष हैं) और प्रतिनिधिमंडल के अध्यक्ष जैमे राउल सलामांका (जो हमारे लोकसभा अध्यक्ष के समकक्ष हैं) के साथ समान रूप से सकारात्मक बैठक हुई। दोनों गणमान्य व्यक्तियों ने हमारी स्थिति को पूरी तरह से समझा और भारत के अपने आप को, अपने क्षेत्र और अपनी संप्रभुता की रक्षा करने के अधिकार के लिए मजबूत समर्थन व्यक्त किया। इन सबके बीच मेरे पास कुछ अच्छी खबर है। कोलंबिया ने अपना बयान वापस ले लिया है। जिसे लेकर पहले हमने निराशा व्यक्त की थी।

प्रतिनिधिमंडल ने मजबूती से रखा अपना पक्ष

उन्होंने कहा कि हमारे प्रतिनिधिमंडल ने अपनी बातचीत में उनके सामने आतंकवाद के मामले पर की गई कार्रवाई और भारत के मौजूदा पक्ष को मजबूती के साथ रखा। हमने उन्हें बताया कि हमें महात्मा गांधी की भूमि से होने पर गर्व है। वह हमारे राष्ट्रपिता हैं और उन्होंने हमें अहिंसा और शांति का महत्व सिखाया, भारत के स्वाधीनता संग्राम का नेतृत्व किया। यह गांधी जी ही थे जिन्होंने हमें अपनी आजादी की रक्षा करने और भयमुक्त रहने ▶▶ शेष पेज 7 पर

कोलंबियाई उप विदेश मंत्री ने दिया बयान

कोलंबिया की उप-विदेश मंत्री रोजा योलांडा विलाविसेनियो ने सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के बाद भरोसा जताते हुए कहा कि कोलंबिया अब आतंकवाद पर भारत की स्थिति को अच्छी तरह से समझता है। गलतफहमी दूर हो गई है। हमें पूरा विश्वास है कि आज हमें जो स्पष्टीकरण मिला है ▶▶ शेष पेज 7 पर

पूर्णतः वैध है ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई

गौरतलब है कि कांग्रेस नेता ने अपने पुराने बयान में कोलंबिया की सरकार के रुख के प्रति नाराजगी जताते हुए कहा था कि बोगोटा की सरकार ने पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत की रक्षात्मक कार्रवाई में पाकिस्तान में मारे गए आतंकवादियों को लेकर शोक संवेदनाएं प्रकट की थीं। जबकि आतंकवाद के पीड़ितों के प्रति कोई सहानुभूति नहीं दिखाई। थरूर ने ये भी कहा कि जो आतंकवादियों को भेजते हैं और जो उनका मुकाबला करते हैं। दोनों के बीच कोई नैतिक समानता नहीं हो सकती है। भारत केवल अपनी आत्मरक्षा के अधिकार का पालन कर रहा है। लेकिन अगर उसे लेकर कोलंबिया में कोई गलतफहमी है तो हम उसे दूर करने ही आए हैं।

थरूर के दल में 5 राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि

शशि थरूर के सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में कुल 9 सदस्य हैं। जिनमें 6 राजनीतिक दलों के सांसद और एक पूर्व राजदूत शामिल हैं। भाजपा से शशांक मणि त्रिपाठी, तेजस्वी सूर्या, भुवनेश्वर कालिता, कांग्रेस से शशि थरूर, जेएमएम से डॉ . सरफराज अहमद, एलजेपी (रामविलास) से श्रीमती सांभवी, टीडीपी से जीएम हरीश बालयोगी और शिवसेना से मिलिंद देवड़ा शामिल हैं। जबकि ▶▶ शेष पेज 7 पर

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री का 4 राफेल समेत 6 भारतीय लड़ाकू विमानों को मार गिराने का दावा पूरी तरह से गलत

ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत में उठाना पड़ा नुकसान... सेनाओं ने गलतियों को समझा और सुधारा: जनरल अनिल चौहान

- *पाकिस्तान के साथ जारी तनाव के बीच मामले पर भारत के शीर्ष सैन्य अधिकारी की पहली सार्वजनिक स्वीकारोक्ति*
- *सिंगापुर में शांगरी-ला-संवाद-2025 से इतर ब्लूमबर्ग टीवी और रॉयटर्स को दिए साक्षात्कार में बोले सीडीएस*

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने शनिवार को पहली बार सार्वजनिक रूप से यह स्वीकार किया कि 7 से 10 मई 2025 तक चले सैन्य संघर्ष की शुरुआत में भारत को हवाई नुकसान उठाना पड़ा। लेकिन पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ का यह दावा कि संघर्ष के बीच उनके देश ने भारत के चार राफेल समेत कुल 6 लड़ाकू विमानों को मार गिराया। पूरी तरह से गलत है।

यह जानकारी सीडीएस ने सिंगापुर में जारी शांगरी-ला-संवाद-2025 से इतर 'ब्लूमबर्ग टीवी' और 'रॉयटर्स' को दिए साक्षात्कार में दी। इस दौरान उन्होंने ये भी कहा कि यहां संख्या अहम नहीं है। बल्कि महत्वपूर्ण बात ये है कि उसे क्यों गिराया गया, क्या गलतियां की गईं और उसके बाद हमने क्या किया? जनरल चौहान के मुताबिक, भारत की सशस्त्र सेनाओं ने अपनी सामरिक गलतियों को समझा, उन्हें सुधारा ▶▶ शेष पेज 7 पर

नुकसान युद्ध परिदृश्य का एक हिस्सा

उल्लेखनीय है कि यह पहला मौका नहीं है जब देश के सैन्य नेतृत्व की तरफ से मामले में भारत को हवाई नुकसान होने के तथ्य को स्वीकार किया गया है। इससे पहले ऑपरेशन सिंदूर को लेकर 11 मई को नई दिल्ली में आयोजित किए गए सशस्त्र सेनाओं के वरिष्ठ अधिकारियों के एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में भारतीय वायुसेना के हवाई संचालन महानिदेशक एयर मार्शल ए.के. भारती ने भी इस बाबत पूछे गए पत्रकारों के सवालों के जवाब में कहा था कि नुकसान किसी भी युद्ध परिदृश्य का एक हिस्सा होता है। सवाल यह है क्या हमने अपना उद्देश्य प्राप्त कर लिया है? जिसका जवाब ▶▶ शेष पेज 7 पर

सांसद बृजमोहन बने एफसीआई (छत्तीसगढ़) परामर्शदात्री समिति के अध्यक्ष

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल को केंद्र सरकार की तरफ से नई और महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है उन्हें उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अंतर्गत भारतीय खाद्य निगम की छत्तीसगढ़ राज्य परामर्शदात्री समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति संसदीय कार्य मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना और पूर्व निर्धारित प्रक्रिया के तहत की गई है। यह दायित्व उन्हें तत्काल प्रभाव से सौंपा गया है। अग्रवाल ने इस दायित्व के लिए भारत सरकार, उपभोक्ता मामले मंत्रालय तथा पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा है कि, यह नियुक्ति मेरे लिए गर्व और उत्तरदायित्व दोनों का विषय है। छत्तीसगढ़ के किसानों, उपभोक्ताओं और खाद्य वितरण व्यवस्था को सशक्त एवं पारदर्शी बनाने की दिशा में हर संभव प्रयास ▶▶ शेष पेज 7 पर

कहा, कृषकों को जानकारी देने यह अभियान बहुत उपयोगी साबित होगा

चौहान ने "विकसित कृषि संकल्प अभियान" के तहत राज्यों के विधायकों से किया वर्चुअल संवाद

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण व ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने "विकसित कृषि संकल्प अभियान" के तहत शनिवार को विभिन्न राज्यों के विधायकों से वर्चुअल संवाद किया। उन्होंने कहा कि हमारा यह अभियान "विकसित कृषि संकल्प अभियान", एक सरकारी योजना नहीं बल्कि एक जन आंदोलन है। इसका उद्देश्य 29 मई से 12 जून 2025 तक 1 करोड़ से अधिक किसानों से सीधा संवाद करना है। इसका शुभारंभ पुरी, ओडिशा से हुआ और अब यह पूरे देश में किसान जागरूकता की लहर बन चुका है। चौहान ने बताया कि 2170 टीमों ने अभी तक 7368 गांवों में 4416 दौरे कर 795000 किसानों को ▶▶ शेष पेज 7 पर

आतंकियों ने की 26 निर्दोष लोगों की हत्या

पहलगाम हमले में 22 अप्रैल को पाकिस्तान के लश्कर-ए-तैयबा आतंकी संगठन के छद्म रूप द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) के आतंकवादियों ने कुल 26 निर्दोष नागरिकों को उनके परिवारजनों के सामने मौत के घाट उतार दिया था। इनमें 25 भारतीय और 1 नेपाल का नागरिक था। इसके जवाब में भारत ने आत्मरक्षा के तहत पाकिस्तान और पीओके में मौजूद कुल 9 आतंकियों ठिकानों को तबाह करने के लिए ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई की थी। 7 मई की इस कार्रवाई के बाद पाकिस्तान ने बड़ी तादाद में भारत की पश्चिमी सीमा पर मौजूद सैन्य और नागरिक इलाकों को निशाना बनाने के लिए ड्रोन और मिसाइलों से हमले किए। लेकिन पूरी मुस्तैदी से तैनात ▶▶ शेष पेज 7 पर

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान से जारी तनाव के बीच बल की अहम कवायद

अगली पीढ़ी की रक्षा प्रौद्योगिकियों का सफल परीक्षण करने में जुटी सेना

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान के साथ जारी तनाव के बीच भारतीय सेना देश के विभिन्न इलाकों में अगली पीढ़ी की रक्षा प्रौद्योगिकियों का बड़े पैमाने पर परीक्षण कर रही है। यह सभी क्षेत्र आधारित परीक्षण हैं। जो लगभग युद्ध होने जैसी परिस्थितियों यानी कृत्रिम युद्ध की स्थितियों के तहत आयोजित किए जा रहे हैं। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि परीक्षणों के दौरान अत्याधुनिक रक्षा प्रणालियों के प्रदर्शन का बारीकी से आकलन करने के उद्देश्य से इलेक्ट्रॉनिक रूप से कृत्रिम युद्ध कौशल की जानकारी को एकीकृत किया जा रहा है। वर्तमान में ये परीक्षण राजस्थान की पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज, मध्य प्रदेश की बबीना फायरिंग रेंज, उत्तराखंड के जोशीमठ से लेकर उत्तर प्रदेश के आगरा और ओडिशा के गोपालपुर में जारी हैं।

इन हथियारों की जांची गई क्षमता

मूल्यांकन के दौर से गुजर रहे प्रमुख सैन्य प्लेटफार्म में मानव-रहित हवाई प्रणालियां, यूएवी लॉन्च्ड प्रिसिजन गाइडेड म्यूनिशन, काउंटर यूएएस समाधान, मानव रहित हवाई वाहन हथियार, विशिष्ट वर्टिकल लांच ड्रोन, सटीक बहु-युद्धक सामग्री वितरण प्रणालियां, एकीकृत ड्रोन डिटेक्शन और इंटरडिक्शन सिस्टम, निम्न स्तरीय हल्के वजन वाले रडार, इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर प्लेटफार्म, वीएसएचओआरएडीएस आईआर सिस्टम, रनवे इंडिपेंडेंट रिमोटली पायलेटेड एरियल सिस्टम मुख्य हैं।

सेनाप्रमुख ने की समीक्षा

बीते 27 मई को सेनाप्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने बबीना फील्ड फायरिंग रेंज का दौरा किया था। उन्होंने वहां चल रहे कार्यक्रमों की समीक्षा की और तमाम हितधारकों के साथ बातचीत की। रक्षा प्रौद्योगिकियों के इन मूल्यांकनों के जरिए भारतीय सेना का लक्ष्य अपनी तकनीकी बढ़त को विस्तार देना, परिचालन तत्परता को बढ़ाना, रक्षा क्षमता विकास में स्वदेशी नवाचार और आत्मनिर्भरता के प्रति अपनी वचनबद्धता की पुष्टि करना है।

प्रदर्शन में शामिल रक्षा उद्योग साझेदार

इन गतिविधियों में आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत विकसित उन्नत प्रौद्योगिकियों की विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की गई है। जिसका उद्देश्य स्वदेशी क्षमता के विकास में तेजी लाना है। साथ ही ये परीक्षण सेना के परिवर्तन के दशक के रोडमैप में एक अहम कदम है और इनकी मदद से उभरती हुई युद्ध परिस्थितियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रौद्योगिकियों का तेजी से समावेशन सुनिश्चित किया जाना है। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में रक्षा उद्योग साझेदार भाग ले रहे हैं। जो सेना और घरेलू निर्माताओं के बीच बढ़ते तालमेल का प्रमाण प्रस्तुत करता है।

बारिश के बाद लोगों को भीषण गर्मी से मिली राहत

राजधानी दिल्ली में आई तेज आंधी, 40 से 70 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चलीं हवाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली में 31 मई 2025 शनिवार शाम को कई क्षेत्रों में तेज धूल भरी आंधी व बारिश के बाद लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली है। इस बारे में प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्र (आईएमडी) ने बताया कि दिल्ली के कई इलाकों में शनिवार शाम को 40 से 70 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से तेज धूल भरी हवाएं चलीं। जिसमें नजफगढ़ में हवा की गति 46 किलोमीटर प्रति घंटा, नारायणा में 41 किलोमीटर प्रति घंटा, पीतमपुरा में 31 किलोमीटर प्रति घंटा, पालम में 56 किलोमीटर प्रति घंटा और प्रगति मैदान में 48 किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की गई। आईएमडी ने बताया कि दिल्ली मं शाम 4.15 से 4.30 बजे के बीच ये हवाएं चलीं। आईएमडी का कहना है कि दिल्ली शहर के मुख्य मौसम केंद्र सफदरजंग में शाम 4.30 बजे हवा की गति 40 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच गई, तथा दोपहर 3.30 बजे से शाम 5 बजे के बीच तापमान में लगभग छह डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई। शनिवार सुबह से ही सूरज के तेवर सख्त दिखे जिसके चलते अधिकतम तापमान बढ़कर 39.7 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया, जो इस मौसम के सामान्य तापमान की श्रेणी में रहा। जबकि न्यूनतम तापमान 25.8 दर्ज हुआ जो इस मौसम के सामान्य तापमान की श्रेणी से 1.1 डिग्री नीचे रहा। दिल्ली में कहीं भी अधिकतम तापमान 40 डिग्री तक नहीं पहुंचा। दिनभर धूप रही लेकिन चार बजे के बाद मौसम ने करवट ली और तेज धूल भरी आंधी ने कई क्षेत्रों में दस्तक दी। जिसके बाद कई जगह बारिश हुई और देखते ही देखते दिल्ली का मौसम सुहाना हो गया। वहीं देर रात आठ बजे के बाद एक बार फिर राजधानी में कई जगह बारिश देखने को मिली।

आईएमडी ने पहले ही येलो अलर्ट किया था जारी

प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्र दिल्ली (आईएमडी) ने पहले ही ऐसे मौसम के लिए येलो अलर्ट जारी किया था। ताजा अनुमान व्यक्त करते हुए आईएमडी ने कहा है कि वीकेंड रविवार से लेकर अगले चार पांच दिन राजधानी में मौसम सुहाना बना रहने की संभावना है। इस दौरान आसमान पर आंशिक बादल देखे जा सकते है, कहीं कहीं बूंदाबांदी भी दर्ज होने की संभावना है। आईएमडी की माने तो इस दौरान दिल्ली में दो डिग्री तापमान में गिरावट भी राहत दे सकती है। जबकि 30-60 किमी प्रति घंटे की गति से हवाएं चलने का अनुमान है। आईएमडी का अनुमान अगर सही साबित हुआ तो तय है कि आने वाले इन दिनों में भी दिल्ली वालों को लू की मार से राहत मिलना जारी रहेगा। बता दें कि आमतौर पर भीषण गर्मी वाला माह माने जाने वाले मई में दिल्ली में इस बार भीषण गर्मी और हीटवेव यानी लू वाला एक भी दिन दर्ज नहीं किया गया, जबकि पिछली बार शहर में मई में छह दिन भीषण गर्मी पड़ी थी। बता दें कि इस बार झमाझम बारिश ने मई महीने के सभी रिकॉर्ड तोड़ते हुए सामान्य से 202 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की है। वैसे मई माह में सामान्य मासिक वर्षा 62.6 मिमी होती है, परन्तु इस वर्ष कुल वर्षा सामान्य से 202 प्रतिशत अधिक है। जिसके चलते बारिश ने गत लगभग 125 साल के पुराने रिकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया है। आईएमडी के आंकड़ों के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में एक मई से 30 मई तक 188.9 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जो अब तक का सबसे अधिक वर्षा वाला मई महीना रहा। जबकि पिछला रिकॉर्ड मई 2008 का है जब 165 मिमी वर्षा हुई थी। वहीं इसके विपरीत, मई 2024 में केवल 0.4 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो मासिक औसत से 99 प्रतिशत कम थी। इस बार मई में दिल्ली में भीषण गर्मी और हीटवेव यानी लू नहीं चली।

शीघ्र महिला सम्मान निधि देना शुरू करेगी भाजपा सरकार : सचदेवा

नई दिल्ली। भाजपा सरकार ने 2025-26 के बजट में 5100 करोड़ रूपए की राशि महिला सम्मान निधि के लिए आरक्षित की है और अब मंत्री समिति उसको लागू करने की नीति बना रही है और हम शीघ्र इसे देना शुरू करेंगे। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने शनिवार को यह बयान जारी किया। उन्होंने आम आदमी पार्टी (आप) पर निशाना साधते हुए कहा है कि आप जब सरकार में थी तब भी एक आपदा थी और आज जब विपक्ष में है तब भी आपदा है, इन्हें सत्ता में रहते महिला सम्मान निधि के नाम पर दिल्ली एवं पंजाब की महिलाओं को धोखा दिया और आज भी भ्रमित करना चाह रहे हैं।

आज महिला सम्मान निधि को लेकर केजरीवाल का आपदा दल प्रदर्शन कर रहा है, हमसे सवाल कर रहा पर इन्हीं आपदा वालों ने फरवरी 2024 में 2024-25 का बजट प्रस्तुत करते हुए दिल्ली की महिलाओं को 1000 रुपए मासिक देने की घोषणा की थी पर सत्ता सुख भोग कर चले गये पर पूरे साल में महिलाओं को नही दी। सचदेवा ने कहा है कि इसी तरह की महिला सम्मान राशि देने की घोषणा केजरीवाल की पंजाब की आपदा सरकार ने 2022 में की थी पर सत्ता के 3 साल बाद भी किसी महिला को एक रुपया नहीं दिया।

सूर्या इंडिया लिमिटेड

पंजी. कार्यालय : बी-1/एफ-12, मोहन को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, मथुरा रोड, नई दिल्ली-110044
CIN: L74899DL1985PLC019991; Tel.: +91 11 45204115; Fax: +91 11 28898016
Email: cs@haldiram.com; website: www.suryaindialtd.com

31 मार्च 2025 को समाप्त तिमाही और वित्तीय वर्ष हेतु वित्तीय परिणामों का सार
(रु. लाखों में) ईपीएस को छोड़कर

क्र. सं.	विवरण	समाप्त तिमाही 31.03.2025 अअंकेक्षित	समाप्त तिमाही 31.03.2024 अअंकेक्षित	समाप्त वर्ष 31.03.2025 अंकेक्षित	समाप्त वर्ष 31.03.2024 अंकेक्षित
1	प्रचालनों से कुल आय (शुद्ध)	125.59	107.11	546.93	454.1
2	कर, असाधारण और/अथवा असामान्य मदों से पूर्व अवधि हेतु शुद्ध लाभ /(हानि)	1401.83	1059.61	1,540.61	1,151.59
3	कर, असाधारण और/अथवा असामान्य मदों के बाद कर से पूर्व अवधि हेतु शुद्ध लाभ /(हानि)	1401.83	1059.61	1,540.61	1,151.59
4	कर के बाद और असाधारण और/अथवा असामान्य मदों के बाद अवधि हेतु शुद्ध लाभ /(हानि)	1146.3	858.44	1250.32	928.69
5	अवधि हेतु कुल व्यापक आय [अवधि हेतु निहित लाभ/(हानि) (कर के बाद) और अन्य व्यापक आय (कर के बाद)]	(463.06)	(907.23)	(356.29)	(834.66)
6	भुगतान किया गया इक्विटी शेयर कैपिटल (प्रत्यक्ष मूल्य रु. 10/- प्रत्येक के)	698.58	698.58	698.58	698.58
7	रिजर्व्स (पूर्ववर्ती वर्ष की अंकेक्षित बैलेंस शीट में दर्शाये अनुसार पुनर्मूल्यांकन रिजर्व को छोड़कर)	-	-	11,255.17	12,310.03
8	अर्जन प्रति शेयर (ईपीएस) (रु. 10 प्रत्येक के) (निरंतर और अनिरंतर प्रचालनों हेतु)				
	1. बेसिक :	16.41	12.29	17.90	13.29
	2. डायल्युटेड :	16.41	12.29	17.90	13.29

टिप्पणी :-
1. उपरोक्त सेबी (लिस्टिंग ऑब्लीगेशंस एवं घोषणा आवश्यकताएं) नियमनों, 2015, समय-समय पर संशोधित अनुसार के नियमन 33 के तहत स्टॉक एक्सचेंज के पास दायर किये गये तैमाहिक और समाप्त वर्ष के वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का एक सार है। तैमाहिक और वर्ष से तिथि तक वित्तीय परिणामों का पूर्ण प्रारूप स्टॉक एक्सचेंज वेबसाइट (www.bseindia.com) और कम्पनी की वेबसाइट (www.suryaindialtd.com) पर उपलब्ध है। इनको नीचे क्यूआर कोड स्कैन करके देखा भी जा सकता है।
2. उपरोक्त वित्तीय परिणामों की समीक्षा और अनुशंसा ऑडिट कमेटी द्वारा की गई और 29.05.2025 को आयोजित इसकी बैठक में निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित किये गये।
3. प्रचालनों से कुल आय (शुद्ध) में अन्य आय शामिल नहीं है।
4. पूर्ववर्ती तिमाही/वर्ष के आंकड़े, वर्तमान तिमाही / वर्ष ग्रुपिंग सहित अनुकूल बनाने के लिए, जहां आवश्यक समझा गया, रिग्रुपड और रिअरेंज्ड कर लिये गये हैं।

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 29.05.2025

कृते सूर्या इंडिया लिमिटेड
हस्ता/-
प्रीति अग्रवाल
प्रबंध निदेशक
डीआईएन 00011450

एमसीडी 311 ऐप का उपयोग करके नागरिक समस्याओं की करें रिपोर्ट : एमसीडी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

■ ऐप का उपयोग करके स्वच्छ, हरित और स्वस्थ शहर बनाने में निभाए भागीदारी

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) प्रशासन समय-समय पर दिल्ली के नागरिकों से अनुरोध करता रहता है कि एमसीडी 311 ऐप का उपयोग करें और नागरिक समस्याओं को यहां रिपोर्ट करें ताकि निगम समय रहते कार्यवाही कर सके। एमसीडी सभी नागरिकों से 311 मोबाइल ऐप का उपयोग करके स्वच्छ, हरित और स्वस्थ शहर बनाए रखने में सक्रिय भागीदारी करने की फिर से अपील कर रहा है कि वे आज ही प्ले स्टोर से एमसीडी 311 ऐप डाउनलोड करें और दिल्ली को एक स्वच्छ और हरा-भरा शहर बनाने के निगम के लक्ष्य को साकार करने में योगदान दें। इस ऐप के माध्यम से सभी नागरिक प्रदूषण, स्वच्छता और किसी भी अन्य नागरिक कार्य से संबंधित समस्याओं को रिपोर्ट कर सकते हैं, जिससे विभाग की संबंधित टीमों तक शीघ्रता से जानकारी पहुंचाई जा सके।

एमसीडी प्रशासन ने बताया कि निगम का यह संकल्प है कि वह दिल्ली को सभी के लिए स्वच्छ बनाने के लिए लगातार कार्य करता रहे। प्रशासन ने सभी शिकायतों के समाधान के प्रति तीव्रता और प्रतिबद्धता व्यक्त की और बताया कि दिल्ली को स्वच्छ और हरा-भरा बनाने के हमारे मिशन में नागरिकों की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। एमसीडी 311 ऐप के माध्यम से, निगम शिकायत पंजीकरण को सरल बना रहा है, और समस्याओं को सीधे संबंधित क्षेत्रों में भेज कर तेजी से जमीनी कार्रवाई सुनिश्चित कर रहा है। इस प्रयास में निगम प्राप्त शिकायतों का 3-4 दिनों के भीतर समाधान कर रहा है, जो दिल्ली के निवासियों को अच्छी सेवाएं प्रदान करने की निगम की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

दिल्ली के ट्रांसपोर्ट व्यवसायी ने कमर कसी अवैध माल ढुलाई और कर चोरी पर हुए सख्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली के प्रमुख ट्रांसपोर्ट व्यवसायियों ने एकजुट होकर यह निर्णय लिया है कि अब किसी भी प्रकार की बिना बिल या बिना ई-वे बिल की बुकिंग को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके लिए ट्रांसपोर्ट व्यवसायी ने कमर कसते हुए निर्णय लिया है कि अवैध माल ढुलाई और कर चोरी से किसी प्रकार का कोई समझौता नहीं किया जाएगा। इस बारे में ऑल इंडिया मोटर एंड गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र कपूर ने बताया कि अवैध माल ढुलाई और कर चोरी को रोकने के लिए दिल्ली में ट्रांसपोर्ट व्यवसायियों की विशेष टीमें बनेगी। यह टीमें दिल्ली के विभिन्न स्थानों पर औचक निरीक्षण करेंगी। उन्होंने बताया कि अगर टीम को कहीं भी मालवाहक वाहन में बिना बिल या अवैध माल मिलता हो तो उस पर कार्रवाई की जागए। इसके अलावा प्रतिबंधित सामान जैसे पान मसाला, गुटका, स्क्रैप, नकली विदेशी सिगरेट आदि या किसी भी रूप में जी.एस.टी. की चोरी जैसा कोई भी मामला आया तो संबंधित ट्रक को तुरंत जी.एस.टी. विभाग के कंट्रोल रूम अथवा पुलिस के हवाले कर दिया जाएगा। कपूर ने कहा कि इसके अलावा हमारी टीमें अवैध सवारी बसों पर भी कड़ी निगरानी रखेगी। जिसके तहत अगर किसी भी बस द्वारा कानून का उल्लंघन करते हुए कोई अवैध गतिविधि पाई जाती है तो उसकी सूचना तुरंत संबंधित अधिकारियों को भेजी जाएगी। उन्होंने कहा कि यह कदम न केवल ट्रांसपोर्ट सेक्टर को पारदर्शी और कानून सम्मत बनाने की दिशा में है, बल्कि उन ईमानदार ट्रांसपोर्ट व्यवसायियों को भी सशक्त व मजबूत करेगा जो नियमों का पालन करते हैं। कपूर ने कहा कि अब समय आ गया है कि हम खुद व्यवस्था सुधारें और ईमानदार व्यापारियों का साथ दें।

फॉर्च्यून इंटरनेशनल लि.

CIN : L52324DL1981PLC012033
पंजी. कार्यालय : जी-4, कम्यूनिटी सेंटर, नारायणा विहार, नई दिल्ली-110028
E- Mail ID for investors: rekha.srivastava2016@gmail.com Tel: 011-25774212-214, 25771629

31 मार्च 2025 को समाप्त तिमाही / वर्ष हेतु अंकेक्षित स्टैंडअलोन और समेकित वित्तीय परिणामों का सार
(आंकड़े लाखों में)

विवरण	स्टैंडअलोन परिणाम समाप्त तिमाही 31.03.2025 (अंकेक्षित)	स्टैंडअलोन समाप्त तिमाही 31.12.2024 (अअंकेक्षित)	स्टैंडअलोन समाप्त तिमाही 31.03.2024 (अंकेक्षित)	स्टैंडअलोन समाप्त वर्ष 31.03.2025 (अंकेक्षित)	स्टैंडअलोन समाप्त वर्ष 31.03.2024 (अंकेक्षित)	समेकित परिणाम समाप्त तिमाही 31.03.2025 (अंकेक्षित)	समेकित समाप्त तिमाही 31.12.2024 (अअंकेक्षित)	समेकित समाप्त तिमाही 31.03.2024 (अंकेक्षित)	समेकित समाप्त वर्ष 31.03.2025 (अंकेक्षित)	समेकित समाप्त वर्ष 31.03.2024 (अंकेक्षित)
प्रचालनों से कुल आय (शुद्ध)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (कर, असाधारण और/अथवा असामान्य मदों से पूर्व)	-2.04	-2.79	-3.83	79.23	73.91	-2.04	-2.79	-3.84	-10.65	-15.97
कर से पूर्व अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (असाधारण और/अथवा असामान्य मदों के बाद)	-2.04	-2.79	-3.83	79.23	73.91	-2.04	-2.79	-3.84	-10.65	-15.97
कर के बाद अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (असाधारण और/अथवा असामान्य मदों के बाद)	-1.53	-2.09	-2.87	59.29	54.78	-1.53	-2.09	-2.87	-30.59	-35.09
अवधि हेतु कुल व्यापक आय [अवधि हेतु निहित लाभ/(हानि) (कर के बाद) और अन्य व्यापक आय (कर के बाद)]	-1.53	-2.09	-2.87	59.29	54.78	58.06	63.28	195.69	426.66	502.14
भुगतान किया गया इक्विटी शेयर कैपिटल	704.00	704.00	704.00	704.00	704.00	704.00	704.00	704.00	704.00	704.00
रिजर्व्स (पूर्ववर्ती वर्ष की बैलेंस शीट में दर्शाये अनुसार पुनर्मूल्यांकन रिजर्व को छोड़कर)	-	-	-	-232.63	-291.92	-	-	-		3205.81
अर्जन प्रति शेयर (निरंतर और अनिरंतर प्रचालनों हेतु) बेसिक :	-0.02	-0.03	-0.04	0.84	0.78	0.73	0.90	2.82	5.96	7.18
डायल्युटेड :	-0.02	-0.03	-0.04	0.84	0.78	0.73	0.90	2.82	5.96	7.18

परिसम्पत्तियों और देनदारियों का अंकेक्षित विवरण

क्र. सं.	विवरण	स्टैंडअलोन 31 मार्च 2025 के अनुसार राशि लाखों में	स्टैंडअलोन 31 मार्च 2024 के अनुसार राशि लाखों में	समेकित 31 मार्च 2025 के अनुसार राशि लाखों में	समेकित 31 मार्च 2024 के अनुसार राशि लाखों में
I.	परिसम्पत्तियां				
1	गैर वर्तमान परिसम्पत्तियां				
	(ए) सम्पत्ति, प्लांट और उपकरण	-	-	-	-
	(बी) चालू कार्य पूंजी	4.29	-	4.29	
	(बी) वित्तीय परिसम्पत्तियां				
	(i) निवेश	370.31	370.31	4235.41	3868.04
	(सी) अन्य गैर-वर्तमान परिसम्पत्तियां	-	-	-	-
		374.6	**370.31**	**4239.7**	**3868.04**
2	वर्तमान परिसम्पत्तियां				
	(ए) वित्तीय परिसम्पत्तियां				
	(i) नकद एवं नकद समकक्ष	134.94	84.61	134.94	84.61
	(बी) वर्तमान कर परिसम्पत्तियां (शुद्ध)	1.99	1.14	1.99	1.14
	(सी) अन्य वर्तमान परिसम्पत्तियां	4.8	2.59	4.8	2.59
		141.73	**88.34**	**141.73**	**88.34**
	कुल	**516.33**	**458.65**	**4381.43**	**3956.38**
II.	इक्विटी और देनदारियां				
	इक्विटी				
	(ए) इक्विटी शेयर कैपिटल	704	704	704	704
	(बी) अन्य इक्विटी	-232.63	-291.92	3632.46	3205.81
	कुल इक्विटी	**471.37**	**412.08**	**4336.46**	**3909.81**
	देनदारियां				
1	गैर वर्तमान देनदारियां				
	(ए) वित्तीय देनदारियां				
	(i) उधार	43	43	43	43
		43	**43**	**43**	**43**
2	वर्तमान देनदारियां				
	(ए) वित्तीय देनदारियां				
	(i) भुगतान योग्य ट्रेड	-	-		
	(ए) एमएसई के अतिरिक्त क्रेडिटर्स को देय कुल बकाया	1.53	3.01	1.53	3.01
	(ए) अन्य वर्तमान देनदारियां	0.43	0.56	0.43	0.56
		1.96	**3.57**	**1.96**	**3.57**
	कुल	**516.33**	**458.65**	**4381.42**	**3956.38**

विस्तृत वित्तीय परिणामों हेतु ⇨ क्यूआर कोड स्कैन करें

टिप्पणी : उपरोक्त सेबी (लिस्टिंग और अन्य घोषणा आवश्यकताएं) नियमनों, 2015 के नियमन 33 के तहत स्टॉक एक्सचेंजेज के पास दायर किये गये तैमाहिक / वार्षिक वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का एक सार है। तैमाहिक/वार्षिक वित्तीय परिणामों का पूर्ण प्रारूप स्टॉक एक्सचेंज वेबसाइट http://www.bseindia.com और कम्पनी की वेबसाइट http://www.fortuneinternational.in पर भी उपलब्ध हैं।

कृते फॉर्च्यून इंटरनेशनल लि.
हस्ता/-
(निवेदन भारद्वाज)
प्रबंध निदेशक
(डीआईएन-00040191)

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 30.05.2025

लूट के प्रयास के दौरान पड़ोसी ने की थी लड़की की हत्या, गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के द्वारका इलाके में जो लड़की घर में मृत पाई गई थी, उसकी कथित हत्या पड़ोसी ने की थी और वह मादक पदार्थों के लिए पैसा जुटाने के लिए घर में लूट डालने के लिए आया था। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी अनस (23) को शुक्रवार और शनिवार की दरम्यानी रात गिरफ्तार किया गया। किशोरी (13) का शव तीन मंजिला इमारत की छत पर एक बंद कमरे में मिलने के कुछ घंटों बाद पुलिस ने यह कार्रवाई की। पुलिस उपायुक्त (द्वारका) अंकित सिंह ने कहा, ₹अनस किशोरी के परिवार को जानता था और लूट के इरादे से घर में घुसा था। जब किशोरी ने उसे देखा और शोर मचाया तो वह घबरा गया और पकड़े जाने के डर से उसने किशोरी का गला घोंट दिया और इसके बाद वह मोबाइल फोन और टैबलेट लेकर भाग गया।

भारत के विकास का मूलमंत्र है एकात्म मानववाद: अरूण कुमार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

■ 60 साल पूरे होने पर दो दिवसीय सेमिनार हुआ शुरू

भारत के उत्थान के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने एकात्म मानववाद का विचार दिया और यही भारत के विकास का मूलमंत्र है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह अरुण कुमार ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद पर अभिभाषणों के 60 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में शनिवार से नई दिल्ली के एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में दो दिवसीय सेमिनार में यह संबोधन दिया। इस मौके पर उन्होंने प्रदर्शनी का शुभारंभ भी किया। अरूण कुमार ने कहा कि भगवान ने हर राष्ट्र को एक अलग उत्तर शीट दी है इसलिए आप किसी को कॉपी करके परीक्षा पास नहीं कर सकते हैं। यहां सेमिनार के विभिन्न सत्रों को डॉ महेश चन्द्र शर्मा, केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण एवं भूपेन्द्र यादव, शिव प्रकाश, डॉ एम एस चैत्रा, डॉ सुकंदा मजूमदार और प्रफुल्ल केतकर ने संबोधित किया। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार के अंतिम सत्र की अध्यक्षता की।

अरूण कुमार एवं एकात्म मानववाद संस्था से महेश चन्द्र शर्मा आदि ने दीप प्रज्वलन किया। इसके बाद श्यामा प्रसाद मुखर्जी रिसर्च फाउंडेशन के अध्यक्ष अनिर्वाण गांगुली, पी.पी.आर.सी. के निदेशक सुमित भसीन एवं प्रभात प्रकाशन के प्रभात कुमार ने गणमान्य अतिथियों को पुष्पगुच्छ, पटका एवं स्मृतिचिंह भेंट किया। इस मौके पर सभागार में देशभर से आये बुद्धिजीवी प्रतिभागियों के साथ भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी एल संतोष, सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश, राष्ट्रीय संगठक वी. सतीश, राष्ट्रीय महामंत्री अरूण सिंह एवं तरुण चुघ, प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, सांसद आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे।

डेंगू की रिर्पोट कब जारी करेगी भाजपा, उठ रहे सवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम के विपक्ष में रहते समय भाजपा नेता मानसून सीजन आते ही सत्तादल आम आदमी पार्टी पर डेंगू, मलेरिया रिर्पोट नहीं जारी करने पर सवाल उठाते रहते थे लेकिन अब भाजपा को एक माह से अधिक का समय निगम की सत्ता में हो गया है और हर सोमवार को जारी होने वाली डेंगू, मलेरिया रिपोर्ट का अभी तक कोई अता पता नहीं है। वहीं, इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी के अध्यक्ष मुकेश गोयल का कहना है कि भाजपा ने निगम की सत्ता तो संभाल ली है लेकिन कई बार हुई बारिश से जगह-जगह होने वाले जलभराव के चलते मच्छरों की उत्पति हो गई है और डेंगू के आंकड़े भी छिपाने से इंकार नहीं किया जा सकता है। वहीं, सिविक सेंटर के गलियारों में भी डेंगू रिपोर्ट जारी नहीं होने से अब सवाल भी उठने लगे हैं।

एक होटल में सशस्त्र डकैती के आरोप में चार लोग गिरफ्तार, तीन नाबालिग हिरासत में

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिमी दिल्ली के पंजाबी बाग स्थित एक होटल में सशस्त्र डकैती करने की घटना में कथित संलिप्तता के लिए चार लोगों को गिरफ्तार किया गया और तीन नाबालिगों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान चंदन (20), शिवम (21), उपेंद्र (22), दर्पण (24) और तीन नाबालिगों के रूप में हुई है। उन्होंने 29 मई की तड़के नॉर्थ एवेन्यू रोड स्थित एक होटल से चाकू दिखाकर 50,000 रुपये नकद और दो मोबाइल फोन लूट लिए थे। पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) विचित्र वीर ने कहा, ₹आरोपियों में से एक नाबालिग पहले होटल में सफाई कर्मचारी के रूप में काम कर चुका है। डकैती की योजना बनाने के लिए, वह अपराध करने से लगभग 30 मिनट पहले 'डिलीवरी बॉय' की टी-शर्ट पहनकर और खाद्य सेवा प्रदाता कंपनी के प्रतिनिधि के रूप में टोह लेने के लिये होटल में घुसा था।₹ पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) ने बताया कि तड़के करीब चार बजे आरोपी दो मोटरसाइकिलों पर सवार होकर आए, उनमें से चार लोग होटल में घुस गए जबकि बाकी तीन बाहर निगरानी कर रहे थे।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा **82 Cr.P.C.** देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि **चाँद उर्फ हड्डी पुत्र: मुमताज, पता:** मकान नं. ए-437, शकूर पुर जेजे कॉलोनी, दिल्ली, **FIR No. 366/2022, U/s 392/397/34 IPC,** थाना: रानी बाग, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **चाँद उर्फ हड्डी** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **चाँद उर्फ हड्डी** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 366/2022, U/s 392/397/34 IPC,** थाना: रानी बाग, दिल्ली के उक्त अभियुक्त **चाँद उर्फ हड्डी** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **03.07.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
दीपक वत्स
अति. मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (उ.-प.)
कोर्ट नं. 101, पहली मंजिल,
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/6883/OD/2025
(Court Matter)

intec

SAPNE AAPKE, BHAROSA APNO KA

इंटेक कैपिटल लिमिटेड

सीआईएन: L74899DL1994PLC057410
पंजीकृत कार्यालय: 708, मंजूषा बिल्डिंग, 57 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली - 110019
टेलीफोन : +91-11-46522200/300; फैक्स : +91-1146522333 वेबसाइट: www.inteccapital.com

31 मार्च, 2025 को समाप्त तिमाही और वर्ष के लिए एकल और समेकित लेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों का सारांश
(प्रति इक्विटी शेयर डेटा को छोड़कर लाख रुपये में)

Sr. No.	Particulars	स्टैंडअलोन तिमाही समाप्त मार्च 31, 2025 लेखापरीक्षित	स्टैंडअलोन तिमाही समाप्त दिसंबर 31, 2024 अलेखापरीक्षित	स्टैंडअलोन तिमाही समाप्त मार्च 31, 2024 लेखापरीक्षित	स्टैंडअलोन वित्तीय वर्ष समाप्त मार्च 31, 2025 लेखापरीक्षित	स्टैंडअलोन वित्तीय वर्ष समाप्त मार्च 31, 2024 लेखापरीक्षित	समेकित तिमाही समाप्त मार्च 31, 2025 लेखापरीक्षित	समेकित तिमाही समाप्त दिसंबर 31, 2024 अलेखापरीक्षित	समेकित तिमाही समाप्त मार्च 31, 2024 लेखापरीक्षित	समेकित वित्तीय वर्ष समाप्त मार्च 31, 2025 लेखापरीक्षित	समेकित वित्तीय वर्ष समाप्त मार्च 31, 2024 लेखापरीक्षित
1	परिचालन से कुल आय	380.13	41.48	102.60	436.53	379.68	381.96	43.93	104.98	445.59	389.36
2	अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि) (कर से पहले, असाधारण और/या असाधारण आइटम)	371.78	(48.00)	(854.95)	124.00	(1,691.67)	368.91	(49.69)	(45.83)	115.88	(887.89)
3	अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि) कर से पहले (असाधारण और/या असाधारण आइटम के बाद)	371.78	(48.00)	(854.95)	124.00	(1,691.67)	368.91	(49.69)	(45.83)	115.88	(887.89)
4	कर के बाद अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि) (असाधारण और/या असाधारण मदों के बाद)	312.62	(63.69)	(659.37)	30.04	(1,369.10)	309.76	(65.38)	149.75	21.92	(565.32)
5	अवधि के लिए कुल व्यापक आय [कर के बाद अवधि के लिए लाभ / (हानि) और अन्य व्यापक आय (कर के बाद)]	309.71	(63.17)	(658.91)	28.70	(1,367.00)	306.85	(64.86)	150.21	20.58	(563.22)
6	चुकता इक्विटी शेयर पूंजी (अंकित मूल्य रु. 10/- प्रत्येक)	1,836.63	1,836.63	1,836.63	1,836.63	1,836.63	1,836.63	1,836.63	1,836.63	1,836.63	1,836.63
7	प्रति शेयर आय (अंकित मूल्य रु. 10/- प्रत्येक) {संचालन जारी रखने और बंद करने के लिए}	10.00	10.00	10.00	10.00	10.00	10.00	10.00	10.00	10.00	10.00
	1. मूल (रु. में):	1.70	(0.35)	(3.59)	0.16	(7.45)	1.69	(0.36)	0.81	0.12	(3.08)
	2. तनुकृत (रुपये में):	1.70	(0.35)	(3.59)	0.16	(7.45)	1.69	(0.36)	0.81	0.12	(3.08)

टिप्पणियाँ:
(1) उपरोक्त सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियमन, 2015 के विनियमन 33 के तहत स्टॉक एक्सचेंज में दाखिल किए गए गैर-लेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का एक अंश है। वित्तीय परिणामों का पूरा प्रारूप स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइट www.bseindia.com और कंपनी की वेबसाइट www.inteccapital.com पर उपलब्ध है।
(2) विस्तृत वित्तीय परिणामों और इस अर्क की लेखा परीक्षा समिति द्वारा समीक्षा की गई और सिफारिश की गई और 30 मई, 2025 को आयोजित अपनी बैठक में निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित किया गया। लेखा परीक्षकों ने हमारे वित्तीय परिणामों का लेखा परीक्षण किया है, जैसा कि सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 के विनियम 33 के तहत आवश्यक है।

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 30.05.2025

इंटेक कैपिटल लिमिटेड के लिए
हस्ताक्षरकर्ता/-
संजीव गोयल
(प्रबंध निदेशक)
डीआईएन - 00028702

Reliance
Growth is Life
Jio Mart
समय और पैसे दोनों बचाएं
Quick
Scheduled
Biscuits, Drink & Packaged Foods
Quick फ्री होम डिलीवरी
लो प्राइस गारंटी
0
ज़ीरो एक्स्ट्रा चार्जेज़
फ्लैट ₹ 100 की छूट*
आपके पहले JioMart ऑर्डर पर
न्यूनतम ₹399 की खरीदारी पर
1 जून से 2 जून तक वैध
कूपन कोड का उपयोग करें
JMNEW100
अभी JioMart पर शॉपिंग करें
प्याज 1 kg
बाजार मूल्य ₹ 30
जियोमार्ट कीमत ₹ 24
तरबूज किरन 1 युनिट
बाजार मूल्य ₹ 50
जियोमार्ट कीमत ₹ 35
लंगड़ा आम 1 kg
बाजार मूल्य ₹ 100
जियोमार्ट कीमत ₹ 49
क्वालिटी वॉल्स पार्टी पैक 700 ml (चुनिंदा प्रकार)
एमआरपी ₹ 140 या उससे अधिक
फ्लैट 50% छूट
जियोमार्ट कीमत ₹ 70 या उससे अधिक
अमूल A+ / ब्रिटानिया / डिलेक्टा / गो चीज़ स्लाइस 400 g या उससे अधिक (चुनिंदा प्रकार)
एमआरपी ₹ 350 या उससे अधिक
जियोमार्ट कीमत ₹199
बचाइए ₹ 151 या उससे अधिक
बिस्किट्स 60 g या उससे अधिक (चुनिंदा प्रकार)
एमआरपी ₹ 35 या उससे अधिक
फ्लैट 50% छूट
जियोमार्ट कीमत ₹ 17 या उससे अधिक
टाटा टी प्रीमियम चाय पत्ती 1 kg
एमआरपी ₹ 580 या उससे अधिक
बचाइए ₹180
जियोमार्ट कीमत ₹ 400 या उससे अधिक
कोल्ड ड्रिंक्स 750 ml / ज्यूसेस 600 ml (चुनिंदा प्रकार)
एमआरपी ₹ 40 या उससे अधिक
फ्लैट 25% छूट
जियोमार्ट कीमत ₹ 30 या उससे अधिक
नेचर फ्रेश रिफाइन्ड सोयाबीन तेल 840 g / फॉर्च्यून प्रीमियम कच्ची घानी सरसों का तेल 1 L
एमआरपी ₹ 180 / ₹ 195
जियोमार्ट कीमत ₹ 127/ ₹ 161
बचाइए ₹ 53 / ₹ 34
मिल्कफूड रिच देसी घी 900 ml
एमआरपी ₹ 630
जियोमार्ट कीमत ₹529
बचाइए ₹ 101
आशीर्वाद शुद्ध चक्की आटा 10 kg
एमआरपी ₹ 495
जियोमार्ट कीमत ₹441
बचाइए ₹ 54
कोलगेट / क्लोजअप / सेंसोडाइन / डाबर रेड टूथपेस्ट 200 g या उससे अधिक (चुनिंदा प्रकार)
एमआरपी ₹ 212 या उससे अधिक
न्यूनतम 33% छूट
लक्स / पियर्स / सिंथॉल / फियामा साबुन 500 g या उससे अधिक (मल्टी पैक) (चुनिंदा प्रकार)
एमआरपी ₹ 313 या उससे अधिक
न्यूनतम 33% छूट
एरियल / सर्फ एक्सेल / रिन मैटिक लिक्विड डिटर्जेन्ट 2 L या उससे अधिक / सर्फ एक्सेल ईजी वॉश डिटर्जेन्ट पाउडर 7 kg (चुनिंदा प्रकार)
एमआरपी ₹ 271 या उससे अधिक
फ्लैट 40% छूट
जियोमार्ट कीमत ₹ 162 या उससे अधिक
होम वन क्लासिक असॉर्टेड कंटेनर सेट (4 / 9 युनिट)
एमआरपी ₹ 99 या उससे अधिक
जियोमार्ट कीमत ₹ 49 या उससे अधिक
नियम तथा शर्तें लागू। ऑफर स्टॉक खत्म होने तक वैध। सभी ऑफ़र्स को सूचना दिए बिना बदला जा सकता है। प्रोडक्ट्स की दिखाई गई तस्वीरें / फोटोग्राफ्स केवल प्रतिनिधित्व के लिए हैं। सभी प्रोडक्ट्स की एमआरपी में सभी टैक्स शामिल हैं। छूट प्रतिशत को ऑफर मूल्य के लगभग प्रतिशत तक राउंड ऑफ किया गया है। चीज़ ऑफर 1 जून तक वैध है, बाकी सभी ऑफर्स 2 जून 2025 तक चुनिंदा पिन कोड्स में वैध हैं। तेल, घी और बेबी फूड पर कूपन ऑफर लागू नहीं है। कूपन ऑफर को किसी अन्य ऑफर के साथ नहीं जोड़ा जा सकता है। सभी विवाद केवल मुंबई में स्थित न्यायालयों के अनन्य क्षेत्राधिकार के अधीन हैं।

खबर संक्षेप

अपर आयुक्त जेपी यादव ने पदभार ग्रहण किया

गाजियाबाद। नवनियुक्त अपर नगर आयुक्त जेपी यादव ने कहा है कि नागरिकों को सामुदायिक सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्राथमिकता के आधार पर कार्य किया जाएगा। पीसीएस यादव ने गाजियाबाद नगर निगम के अपर नगर आयुक्त का पदभार ग्रहण कर लिया है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में उनकी टीम का हिस्सा बनकर अपने दायित्वों का पारदर्शिता के साथ करेंगे।

प्रतिनिधिमंडल ने डिप्टी स्पीकर को ज्ञापन सौंपा

फरीदाबाद। रेफरमुक्त संघर्ष समिति के प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों ने संयोजक सतीश चोपड़ा के नेतृत्व में हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डॉक्टर कृष्ण लाल मिड्ढा के जींद स्थित उनके निवास स्थान पर मुलाकात की व फरीदाबाद के सिविल अस्पताल और अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल कालेज छायंसा की समस्याओं से अवगत करवाया व मांग पत्र सौंपा।

ननि कर्मचारियों ने मंत्री गोयल को ज्ञापन सौंपा

फरीदाबाद। फरीदाबाद नगर निगम सफाई कर्मचारी यूनियन के प्रधान बलवीर सिंह के नेतृत्व में शनिवार को शहरी स्थानीय निकाय विभाग के मंत्री विपुल गोयल के निवास सेक्टर-15 में मुलाकात कर कर्मचारी की समस्याओं मांगों का ज्ञापन सौंपा। प्रधान बलवीर सिंह बालगुहेर ने मंत्री गोयल को बताया कि नगर निगम फरीदाबाद में हुए पार्षदों के चुनाव में 46 पार्षद चुनकर आए हैं।

समर कैंप में बहुत कुछ सीख रहे है बच्चेः मधुकर प्रिया

गाजियाबाद। इंदिरापुरम पब्लिक स्कूल प्रताप विहार में समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें छात्र शामिल हो रहे हैं। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि सीखना एक सतत प्रक्रिया है,जो जीवन भर चलती रहती है लेकिन बचपन में सीखने की उत्सुकता सबसे अधिक होती है। स्कूल के प्रधानाचार्य मधुकर प्रिया ने कहा कि इस समय जबकि छोटे बच्चों के स्कूल बंद हो गए हैं ।

मणिपुर के राज्यपाल वीके सिंह ने मंदिर में की पूजा अर्चना, कहा-

मेरी आत्मा भगवान दूधेश्वर के चरणों में ही विराजमान है

गाजियाबाद के लोगों के प्रेम, स्नेह और सहयोग ने इस मुकाम तक पहुंचाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

मिजोरम के राज्यपाल व पूर्व केंद्रीय मंत्री जनरल वीके सिंह ने शनिवार को यहां ऐतिहासिक पीठ भगवान दुधेश्वर नाथ में पहुंचे और पूजा अर्चना की। उन्होंने मंदिर के महंत नारायण गिरी के स्वास्थ को भी जानकारी ली। इस दौरान मंदिर में कड़े सुरक्षा बंदोबस्त किए गए। मंदिर पहुंचकर उन्होंने सिद्धपीठ श्री दूधेश्वर नाथ मठ महादेव मंदिर में भगवान दूधेश्वर की पूजा-अर्चना की व उनका अभिषेक किया। साथ ही मंदिर में विराजमान सभी देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना के बाद उन्होंने सभी सिद्ध गुरू समाधियों के आगे मत्था टेका।

मंदिर के पीठाधीश्वर श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज इन दिनों राजस्थान की धर्म यात्रा व देव दर्शन यात्रा कर रहे हैं। जनरल वी के सिंह ने उनसे फोन पर बातचीत कर उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। वीके सिंह ने कहा कि वे भले ही मिजोरम के राज्यपाल बन गए हों, मगर उनकी आत्मा आज भी भगवान दूधेश्वर नाथ के चरणों में ही विराजमान है। उनका दिल आज भी गाजियाबाद के लोगों के दिलों में ही धड़कता है। यह भगवान दूधेश्वर की कृपा, श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज का आशीर्वाद व गाजियाबाद के लोगों का प्रेम, स्नेह व सहयोग ही है, जिसने उन्हें आज इस मुकाम तक पहुंचाया है। भगवान दूधेश्वर के दर्शन-पूजन से ही हर चुनौती का सामना कर उन पर विजय प्राप्त करने की शक्ति मिलती हैं। श्रीमहंत नारायण गिरि से धर्म, आध्यात्म, भक्ति को लेकर जो चर्चा होती है, वह उन्हें समाज सेवा व देश सेवा करते हुए निरंतर आगे बढते रहने की प्रेरणा देती है। वे भगवान दूधेश्वर व गाजियाबाद को कभी भी नहीं भूल सकते हैं, क्योंकि उनकी आत्मा तो यही बसती है।

मेयर जोशी ने उद्यमियों को प्रशस्तिपत्र देकर किया सम्मानित

फरीदाबाद को इंदौर जैसा स्वच्छ-सुंदर शहर बनाने का संकल्प है मेराः मेयर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

मेयर प्रवीण बत्रा जोशी ने कहा कि मेरा मायका उद्योगपतियों और ससुराल राजनीतिक लोगों वाला है। इसलिए उद्यमियों की समस्याओं से भली भांति परिचित हूं। मेरा संकल्प है कि फरीदाबाद इंदौर जैसा स्वच्छ एवं सुंदर शहर बने इसके लिए हम सभी को मिलकर सहयोग करने की जरूरत है। इस मीटिंग में जितने भी व्यवसायी हैं सभी स्वयं में एक एक संस्थान हैं। डीएलएफ इंडस्ट्रीज सहित शहर में अतिक्रमण, अवैध निर्माण, जलभराव और गंदगी जैसी पुरानी समस्याओं के समाधान के लिए आम जनता और उधमियों के साथ समर्थन के बिना यह संभव नहीं है।

मेयर श्रीमती जोशी ने सेक्टर-21 सी स्थित पार्क प्लाजा होटल में आयोजित डीएलएफ इंडस्ट्रीज एसोसिएशन की जनरल बॉडी मीटिंग में बतौर मुख्य अतिथि अपने संबोधन में उपरोक्त विचार व्यक्त किए। डीएलएफ इंडस्ट्रीज एसोसिएशन की जनरल बॉडी मीटिंग में अध्यक्ष श्रीराम अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष जेपी मल्होत्रा, टीसी धवन, अभय बजाज, रोहित रूंगटा द्वारा मेयर प्रवीण बत्रा जोशी का बुके एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत एवं सम्मानित किया गया। इस अवसर पर एसोसिएशन प्रतिनिधिमंडल द्वारा डीएलएफ संबंधित तमाम समस्याओं के समाधान के लिए एक मांग पत्र भी सौंपा गया। मेयर प्रवीण बत्रा जोशी ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले उद्योगपतियों को प्रशस्ति पत्र देकर पुरस्कृत किया।

खास बातें

- डीएलएफ इंडस्ट्रीज एसोसिएशन की जनरल बॉडी मीटिंग संपन्न
- एसोसिएशन ने डीएलएफ संबंधित समस्याओं वाला मांग पत्र सौंपा

शहर में जलभराव एवं गंदगी जैसी समस्याओं से परेशान

डीएलएफ इंडस्ट्रीज एसोसिएशन अध्यक्ष श्रीराम अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि फरीदाबाद में सुईं से लेकर सेटेलाइट तक का सामान बनता हैं। शहर के हाईवे के दोनों तरफ इंडस्ट्री है उसके पीछे आबादी बसी हुई है। आज शहर में अतिक्रमण, अवैध निर्माण, जलभराव और गंदगी जैसी पुरानी समस्याओं से आम जनमानस के साथ उद्यमी परेशान हैं। विगत दस सालों से बहुत कार्य हुए अब इन मूलभूत समस्याओं के समाधान पर भी कार्य शुरू हो चुके हैं। इसमें तेजी लाने की जरूरत है। हमें नगर निगम और हरियाणा सरकार के साथ-साथ अपनी मेयर से बहुत उम्मीदें हैं। एसोसिएशन द्वारा तैयार भविष्य का डीएलएफ कैसा हो, विषय पर आधारित एक वीडियो मेयर प्रवीण बत्रा जोशी को प्रोजेक्ट के माध्यम से बड़ी स्क्रीन पर दिखाई गई। कार्यक्रम का मंच संचालन रोहित रूंगटा द्वारा किया गया।

बड़ी संख्या में अधिकारी उपस्थित रहे

इस अवसर पर डीएलएफ इंडस्ट्रीज एसोसिएशन अध्यक्ष श्रीराम अग्रवाल, महासचिव अभय बजाज, एमपी रूंगटा, टी सी धवन, पूर्व अध्यक्ष जे पी मल्होत्रा, उप प्रधान एमएल गोयल, अजीत चावला, विशाल मल्होत्रा, भूपेंद्र सिंह, कोषाध्यक्ष राजेश गुप्ता, संयुक्त सचिव शरद कुमार, निशांत, ललित भूंबला, चेयरमैन कोऑर्डिनेटर रोहित रूंगटा, सौरभ कोचर, सलाहकार पवन कुमार कोहली, अनिल मित्तल, अजय काक सहित डीएलएफ के उधमी काफी संख्या में उपस्थित रहे।

हिंडन नदी को निर्मल और स्वच्छ बनाने के लिए बैठक

प्रदूषित करने वालों के खिलाफ सख्त करवाई के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

मेरठ मंडल आयुक्त हृषिकेश भास्कर यशोद ने शनिवार को यहां कहा कि हिंडन नदी को प्रदूषित करने वाले लोगों व संस्थानों के खिलाफ की सख्त कारवाई की जाए। साथ ही हिंडन नदी में गिरने वाले सभी नालों को आवश्यकता अनुरूप क्रमवार तरीके से शीघ्र टैप्ड किया जाएं।

श्री यशोद रानी दुर्गावती देवी सभागार विकास भवन में हिंडन नदी को निर्मल और स्वच्छ बनाने के लिए आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने कहा सभी विभागों को सख्त कार्रवाई के निर्देश देते हुए कहा कि हिंडन नदी के किनारे जहां भी जगह उपलब्ध हो वहां पर वृहद पौधारोपण किया जाए। सभी खंड विकास अधिकारी कम से कम एक नाले पर फाइटोरेमेडियेशन का काम करना शुरू करें। उन्होंने कहा कि कि नालियों में बहने वाला अपशिष्ट सीधे हिंडन में न जाने पाए, इसके लिए उन नालियों को तालाबों से जोड़ा जाए। मंडल आयुक्त ने गांवों में बन रहे वाटर स्टेबलाइजेशन पॉण्ड, सिल्ट कैचर तथा फिल्टर चैंबर की समीक्षा की। क्षेत्रीय अधिकारी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को निर्देश दिए कि अननोटिफाइड इंडस्ट्रीज के इंडस्ट्रियल एफ्लूएंट के लिए चार्ट बनाएं। जिसमें पोल्यूटिंग इंडिकेटर और उनका समय अंतराल भी हो। उद्योग विभाग के साथ मिलकर इन इंडस्ट्रीज को ट्रेस करें तथा उनमें ईटीपी लगवा कर वाटर को ट्वीट किया जाना सुनिश्चित करें। मंडलायुक्त ने कहा कि हिंडन नदी के किनारे जिस भी विभाग की जमीन हो एवं वह खाली हो वहां पौधारोपण किया जाएं। चल रही फैक्ट्रियों से निकलने वाले वेस्ट कैमिकल, जिससे हिंडन नदी प्रदूषित हो रही है, के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएं। जिलाधिकारी दीपक मीणा, जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स, नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक, सीडीओ अभिनव गोपाल, ट्रेनी आईएएस अयान जैन सहित संबंधित विभागों के अधिकारी/प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

वाट्सएप मैसेज में अकाउंटेंट से रुपए कराए थे ट्रांसफर

मालिक बताकर कंपनी अकाउंटेंट से ठगी करने के मामले में चार आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

साइबर क्राइम साउथ थाना पुलिस ने कंपनी के खाते से ठगी मामले में दो खाताधारक सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जालसाज ने वाट्सएप मैसेज में खुद को कंपनी का मालिक बताकर अकाउंटेंट से कंपनी के खाते से अन्य खातों में रुपए ट्रांसफर कराए थे। पुलिस ने आरोपियों से तीन मोबाइल और पांच हजार रुपए नकदी बरामद की है। पुलिस मामले में आगामी कार्रवाई कर रही है।

दरअसल, बीती 27 मई को एक कंपनी के अकाउंटेंट ने साइबर क्राइम साउथ थाना पुलिस में दी शिकायत में बताया कि 19 मई को एक जालसाज ने वाट्सएप मैसेज भेजा था। जिसमें उसने खुद को कंपनी का मालिक बताया और 19 मई से 27 मई तक कंपनी के खाते से विभिन्न बैंक खातों में रुपए ट्रांसफर करने के बारे में कहा। कंपनी के अकाउंटेंट ने वाट्सएप पर आए

मैसेज पर विश्वास करते हुए कंपनी के बैंक खाते से विभिन्न बैंक खातों में रुपए ट्रांसफर कर दिए। पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज करके कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की पहचान दिल्ली के गौरव, सिद्धार्थ, जतिन शर्मा व अंकित के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी गौरव व जतिन को बीते बृहस्पतिवार को और आरोपी शिवम व अंकित को बीते शुक्रवार को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आगामी कार्रवाई करते हुए आरोपी गौरव व शिवम को अदालत में पेश करके जेल भेज दिया। जतिन व अंकित को तीन दिन के रिमांड पर लिया है। एसीपी साइबर क्राइम प्रियांशु दीवान ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ व जांच में पता चला कि ठगी गई राशि में से 29.60 लाख रुपए आरोपी गौरव के बैंक खाते में ट्रांसफर किए गए थे। आरोपी ने अपना बैंक आरोपी जतिन को बेचा था। आरोपी गौरव ने अपना बैंक खाता आरोपी जतिन को बैंक खाते में ट्रांसफर की जाने वाली राशि का दो फीसदी कमीशन के बदले में दिया और आरोपी गौरव आरोपी जतिन से पांच हजार रुपए भी ले चुका था। आरोपी जतिन ने गौरव के बैंक खाते को अपने एक अन्य साथी को बैंक खाते में आने वाली राशि के चार फीसदी कमीशन पर बेचा था। आरोपी जतिन भी अपने अन्य साथी से 25 हजार रुपए प्राप्त कर चुका था। पुलिस पूछताछ में आरोपी जतिन ने बताया कि इसने अपने दो बैंक खातों सहित पांच बैंक खाते साइबर ठगों को बेच रखे हैं। एसीपी प्रियांशु दीवान ने बताया कि मामले में ठगी गई राशि में से 32,50,301 रुपए आरोपी शिवम के बैंक खाते में ट्रांसफर किए गए थे।

सेमिनार का आयोजन किया गया

उद्योगों के सुचारू संचालन के लिए नई तकनीकी का उपयोग बहुत आवश्यक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

एनसीआर चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री गुरुग्राम द्वारा आईटी की औद्योगिक विकास में भागीदारी के संदर्भ में प्रयोग होने वाले सॉफ्टवेयर की जानकारी प्रदान करने के लिए प्रमुख सॉफ्टवेयर कंपनी माइक्रोसॉफ्ट की सहयोगी कंपनी के साथ मिलकर उद्योगों के लिए एक सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य औद्योगिक प्रतिष्ठानों को सूचना प्रौद्योगिकी के विभिन्न नई तकनीक से अवगत कराना था। एनसीआर चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री गुरुग्राम के अध्यक्ष एचपी यादव ने बताया कि उद्योगों के सुचारू संचालन के लिए नई तकनीकी का उपयोग बहुत आवश्यक हो गया है जिसमें आईटी कंपनियां महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहीं हैं। कार्यक्रम में गुरुग्राम डिवीजन के कमिश्नर आरसी बिधान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने उद्योगों को वर्तमान में हो रहे विश्व स्तर पर हमारी पहचान बनेगी तथा इससे रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। कार्यक्रम के दौरान माइक्रोसॉफ्ट की सहयोगी कंपनी टेक्टरी ने नए सॉफ्टवेयर के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा प्रतिभागियों के शंकाओं के समाधान किया। कार्यक्रम में माइक्रोसॉफ्ट के भीम सिंह, टेक्टरी से संजय राणा, एनसीआर चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के रविंदर बंसल, बी. राज सचदेवा एवं विवेक उपाध्याय के अतिरिक्त गुरुग्राम तथा निकटवर्ती क्षेत्रों के 40 से अधिक उद्योगों के लगभग 60 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

एफ मेक इंटरनेशनल फाइनैंशियल सर्विसेज लिमिटेड

CIN-L65100DL1993PLC053936

पंजीकृत कार्यालय : 908, 9वां तल, मर्केंटाइल हाउस, 15 के.जी. मार्ग, नई दिल्ली, दिल्ली–110001, भारत,
Website: www.fmecinternational.com Email:fmecinternational@gmail.com Contact: 011-49954225

31 मार्च 2025 को समाप्त तिमाही और वित्तीय वर्ष हेतु अअंकेक्षित/अंकेक्षित वित्तीय परिणामों का सार (रु. लाखों में)

विवरण	समाप्त तिमाही 31.03.2025 (अअंकेक्षित)	समाप्त तिमाही 31.03.2024 (अअंकेक्षित)	समाप्त वर्ष 31.03.2025 (अंकेक्षित)	समाप्त वर्ष 31.03.2024 (अंकेक्षित)
प्रचालनों से आय	173.91	207.19	663.58	373.39
कर से पूर्व लाभ	37.97	17.82	216.72	103.77
कर के बाद लाभ	28.33	13.27	161.85	77.60
कुल व्यापक आय (अवधि हेतु निहित लाभ तथा कर के बाद अन्य व्यापक आय)	28.33	13.27	161.85	77.60
भुगतान किया गया इक्विटी शेयर कैपिटल	28.33	13.27	161.85	77.60
पूर्ववर्ती वर्ष की बैलेंस शीट में दर्शाये अनुसार अन्य इक्विटी	-	-	889.18	889.18
अर्जन प्रति शेयर (वार्षिकृत नहीं) (प्रत्यक्ष मूल्य रु. 10/- प्रत्येक के)				
बेसिक (रु.)	0.3186	0.1492	1.8203	1.1301
डायल्यूटिड (रु.)	0.3186	0.1492	1.8203	1.1301

टिप्पणी : 1. उपरोक्त परिणामों की समीक्षा ऑडिट कमेटी द्वारा कर ली गई है और 29 मई 2025 को आयोजित इसकी बैठक में निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित किये गये। 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष हेतु वित्तीय परिणाम सेबी (लिस्टिंग ऑब्लीगेशंस एवं घोषणा आवश्यकताएं) नियमनों, 2015, संशोधित अनुसार के नियमन 33 के अनुसरण में वैधानिक अंकेक्षक द्वारा अंकेक्षण करने के अधीन किए गए हैं।

बोर्ड के आदेशानुसार एफ मेक इंटरनेशनल फाइनैंशियल सर्विसेज लिमिटेड
हस्ता/-
अपूर्व बंसल
(प्रबंध निदेशक)
निवासी : ए-708, यूनेस्को अपार्टमेंट 55, आई.पी. एक्सटेंशन, पटपड़गंज, ईस्ट, दिल्ली-110092

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 29.05.2025

अंका इंडिया लिमिटेड

पंजी. कार्यालय : 6 लीजेंड स्क्वेयर, सेक्टर-33, गुरुग्राम-122004; CIN: L74900HR1994PLC033268;
Phone no:9355511187; website: www.ankaindia.com

31 मार्च 2025 को समाप्त तिमाही और वर्ष हेतु अंकेक्षित स्टैंडअलोन एवं समेकित वित्तीय परिणामों का सार

राशि रु. लाख में

क्र. सं.	विवरण	स्टैंडअलोन: समाप्त तिमाही			समाप्त वर्ष (अंकेक्षित)	
		31- मार्च -25 अंकेक्षित	31- दिस. -24 अअंकेक्षित	31- मार्च-24 अंकेक्षित	31- मार्च -25 अंकेक्षित	31- मार्च -24 अंकेक्षित
1	प्रचालनों से कुल आय (शुद्ध)	22.58	14.07	14.25	63.91	57.34
2	अवधि हेतु शुद्ध लाभ (कर, असाधारण और/अथवा असामान्य मदों से पूर्व)	14.41	0.55	9.64	33.41	42.00
3	कर से पूर्व अवधि हेतु शुद्ध लाभ (असाधारण और/अथवा असामान्य मदों के बाद)	14.41	0.55	9.64	33.41	42.00
4	कर के बाद अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (असाधारण और/अथवा असामान्य मदों के बाद)	4.24	0.55	9.64	23.23	42.00
5	"अवधि हेतु कुल व्यापक आय [अवधि हेतु निहित लाभ/(हानि) (कर के बाद) और अन्य व्यापक आय (कर के बाद)]"	4.24	0.55	9.64	23.23	42.00
6	भुगतान किये गये इक्विटी शेयर (रु. 10/- प्रत्येक का प्रत्यक्ष मूल्य) - भारित औसत	134.71	128.41	87.55	134.71	87.55
7	भुगतान किये गये इक्विटी शेयर (रु. 10/- प्रत्येक का प्रत्यक्ष मूल्य) - डायल्यूटिव भारित औसत	134.71	128.41	214.77	134.71	214.77
8	अन्य इक्विटी	NA	NA	NA	(78.90)	(429.70)
9	अर्जन प्रति शेयर (असाधारण मदों से पूर्व) (रु. 10/- प्रत्येक का प्रत्यक्ष मूल्य)					
	बेसिक :	0.03	0.00	0.11	0.17	0.48
	डायल्युटेड :	0.03	0.00	0.04	0.17	0.20

टिप्पणी :

1. उपरोक्त परिणाम सेबी (लिस्टिंग ऑब्लीगेशंस एवं घोषणा आवश्यकताएं) नियमनों, 2015 के नियमन 33 के तहत बीएसई लि. के पास दायर किये गये 31 मार्च, 2025 को समाप्त तिमाही और वर्ष हेतु स्टैंडअलोन अंकेक्षित वित्तीय परिणामों के विवरण के विस्तृत प्रारूप का एक सार हैं। 31 मार्च, 2024 को समाप्त तिमाही और वर्ष हेतु स्टैंडअलोन अंकेक्षित वित्तीय परिणामों के विवरण का पूर्ण प्रारूप स्टॉक एक्सचेंज वेबसाइट्स (www.bseindia.com) के साथ साथ कम्पनी की वेबसाइट (www.ankaindia.com) पर उपलब्ध हैं।
2. *31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के साथ-साथ प्रस्तुत किए गए पूर्ववर्ती वर्ष हेतु स्टैंडअलोन वित्तीय परिणामों की ऑडिट कम्पनी के वैधानिक अंकेक्षकों द्वारा कर ली गई और अंकेक्षकों ने इनको क्वालिफाइड कर दिया है, क्वालिफकेशन का आधार निम्नानुसार है :-*

ए. *इनवेंटरीज राशि रु. 22,50,000/- बारह माह से अधिक के लिए बेकार पड़ी हुई है। कम्पनी ने लागू योग्य अकाउंटिंग फ्रेमवर्क [Ind AS 2- इनवेंट्रीज का मूल्यांकन] के तहत अपेक्षित अनुसार इन इनवेंट्रीज के शुद्ध उगाहीयोग्य मूल्य का मूल्यांकन नहीं किया है। पर्याप्त समर्थित दस्तावेजीकरण और ऑडिट साक्ष्य की अनुपस्थिति में, हम यह सुनिश्चित करने में सक्षम नहीं है की रिपोर्टिंग तिथि के अनुसार ऐसी इनवेंटरीज के ले जाने वाले मूल्य में कोई समायोजन आवश्यक है।*

बी. *रु. 6,99,84,393 की विकास राशि के तहत अप्रत्यक्ष परिसम्पत्तियां विकास अथवा तकनीकी के संकेतकों अथवा कमर्शियल फिजिबिलिटी में प्रदर्शनयोग्य प्रगति के बिना दो वर्ष से अधिक तक बुक्स में ले जाये गये हैं। कम्पनी ने लागू योग्य लेखा मानकों [Ind AS 38- अप्रत्यक्ष परिसम्पत्तियां और Ind AS 36 - परिसम्पत्तियों का नुकसान] के अनुसार एक नुकसान मूल्यांकन पूर्ण कर लिया है। ऐसे किसी मूल्यांकन की अनुपस्थिति में हम यह सुनिश्चित करने में अक्षम हैं कि कोई इम्पेयरमेंट हानि को पहचाना जाना आवश्यक है।*

सी. कम्पनी परिसम्पत्ति के तौर पर रु. 35.38 लाख की राशि पूर्ववर्ती वर्षों में भुगतान किए गए न्यूनतम वैकल्पिक कर की पहचान करना जारी रखे हुए है और उम्मीद करती है कि इसको भविष्य के कर भुगतानों के तहत समायोजित किया जाएगा।

बोर्ड के आदेशानुसार
कृते अंका इंडिया लिमिटेड
हस्ता/-
सुलक्षणा त्रिखा
निदेशक

दिनांक : 30.05.2025
स्थान : नई दिल्ली

आईएसटी लिमिटेड

CIN: L33301HR1976PLC008316

पंजी. कार्यालय : धारूहेड़ा इंडस्ट्रीयल कॉम्पलैक्स, दिल्ली जयपुर हाईवे नं. 8, कापड़ीवास, धारूहेड़ा, रेवाड़ी (हरियाणा)-123106
मुख्य कार्यालय : ए-23, न्यू ऑफिस कॉम्पलैक्स, द्वितीय तल, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली-110024
Phone No.: 011-41044511-14; Fax: 011-24625694; Email:istgroup.ho@gmail.com; Website: www.istindia.com

31 मार्च 2025 को समाप्त तिमाही और वर्ष हेतु वित्तीय परिणामों का सार (राशि आईएनआर लाखों में, ईपीएस को छोड़कर)

क्र. सं.	विवरण	स्टैंडअलोन: समाप्त तिमाही			स्टैंडअलोन: समाप्त वर्ष		समेकित: समाप्त तिमाही			समेकित: समाप्त वर्ष	
		31.03.2025 अंकेक्षित	31.12.2024 अअंकेक्षित	31.03.2024 अंकेक्षित	31.03.2025 अंकेक्षित	31.03.2024 अंकेक्षित	31.03.2025 अंकेक्षित	31.12.2024 अअंकेक्षित	31.03.2024 अंकेक्षित	31.03.2025 अंकेक्षित	31.03.2024 अंकेक्षित
1	कुल आय	704.25	1895.68	1443.86	6277.23	6142.00	3250.73	4165.32	4464.51	22251.80	20495.04
2	असाधारण मदों और कर से पूर्व शुद्ध लाभ	77.43	1308.69	845.69	3703.74	3936.15	2144.00	3093.39	3383.67	17731.77	16897.28
3	कर से पूर्व असाधारण मदों के बाद शुद्ध लाभ	77.43	1308.69	845.69	3703.74	3936.15	2144.00	3093.39	3383.67	17731.77	16897.28
4	कर के बाद शुद्ध लाभ	59.31	1115.96	665.12	3346.11	3105.85	1671.56	2324.53	2448.77	13960.17	12560.18
5	अवधि हेतु कुल व्यापक आय (कर का शुद्ध)	55.34	1115.95	663.67	3342.11	3105.81	797.44	3191.37	3902.92	16081.27	20298.16
6	इक्विटी शेयर कैपिटल (प्रत्यक्ष मूल्य रु. 5/- प्रति शेयर)	584.68	584.68	584.68	584.68	584.68	584.68	584.68	584.68	584.68	584.68
7	अन्य इक्विटी				27348.67	24006.56				146737.74	130656.47
8	अर्जन प्रति शेयर (प्रत्यक्ष मूल्य रु. 5/- प्रति शेयर)										
	- बेसिक (रु.)	0.51	9.57	5.70	28.69	26.63	14.37	19.98	21.11	119.96	108.04
	- डायल्यूटेड (रु.)	0.51	9.57	5.70	28.69	26.63	14.37	19.98	21.11	119.96	108.04

टिप्पणी :-

1. उपरोक्त सेबी (लिस्टिंग ओब्लीगेशंस एवं घोषणा आवश्यकताएं) नियमनों, 2015 के नियमन 33 के तहत स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई लि.) के पास दायर किये गये 31 मार्च 2025 को समाप्त तिमाही और वर्ष हेतु स्टैंडअलोन एवं समेकित वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का एक सार है। स्टैंडअलोन एवं समेकित वित्तीय परिणामों का पूर्ण प्रारूप स्टॉक एक्सचेंज वेबसाइट (www.bseindia.com) और कम्पनी की वेबसाइट www.istindia.com पर उपलब्ध हैं।

बोर्ड के आदेशानुसार
हस्ता/-
(एस.सी. जैन)
कार्यकारी निदेशक
डीआईएन : 00092079

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक: 29 मई 2025

रेखा गुप्ता ने जेएलएन स्टेडियम में सरकार के 100 दिनों के रिपोर्ट कार्ड को जनता के सामने रखा

100 दिन दिल्ली की बेहतरी के लिए नीतियां बनाने और काम करने में बिताए : सीएम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

मेरी सरकार ने 100 दिन दिल्ली की बेहतरी के लिए नीतियां बनाने और काम करने में बिताए हैं। यह बात दिल्ली सरकार के 100 दिन पूरे होने पर जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कही है। सीएम ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की मौजूदा सरकार ईमानदार शासन, जन कल्याण और संरचनात्मक सुधारों पर आधारित है। गुप्ता ने कहा कि उनके प्रशासन ने झूठे वादे करने के बजाय नीति निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने कहा कि हम झूठे वादे नहीं कर सकते। हम यमुना की सफाई और कूड़े के ढेरों को हटाने जैसे मुद्दों को हल करने के लिए ईमानदारी से काम कर रहे हैं। गुप्ता ने निजी विद्यालयों की फीस को विनियमित करने के लिए अध्यादेश लाने की अपनी योजना का भी खुलासा किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा तक सभी की पहुंच होनी चाहिए। हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि किसी भी माता-पिता पर अनुचित बोझ न पड़े। मुख्यमंत्री ने अपनी सरकार की वय वंदना योजना को सफल बताया, जिसके तहत 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के नागरिकों को 10 लाख रुपये तक की स्वास्थ्य बीमा कवरेज दी जाती है। उन्होंने कहा कि करीब 1.5 लाख पंजीकरण पहले ही पूरे हो चुके हैं। सीएम ने आम आदमी पार्टी (आप) की पिछली सरकार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि हजारों लोग बदलाव की उम्मीद में आंदोलन में शामिल हुए लेकिन जो लोग सत्ता की भूख नहीं होने का दावा करते थे, वे इसी में डूब गए। जनता का भरोसा टूट गया। दिल्ली में 27 साल बाद भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी है। गौरतलब है कि दिल्ली सरकार के कार्यकाल के 100 दिन पूरे होने पर आज जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में एक समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विशेष रूप से आमंत्रित अभिनेता अनुपम खेर से चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि सरकार के शुरुआती 100 दिन छोटे अवश्य हैं, परंतु उनमें उठाए गए जनहित के ठोस और निर्णायक कदम दिल्ली की दिशा और दशा में बड़ा बदलाव लाने की क्षमता रखते हैं। इस अवसर पर दिल्ली सभी कैबिनेट मंत्री, सांसद, विधायक एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने बताया कि यह केवल 100 दिनों की उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह सरकार हर दिन, हर घड़ी जनता की सेवा के लिए समर्पित है। हमारी सरकार 24 घंटे काम करने वाली सरकार है, और अब हमारा अगला लक्ष्य है दिल्ली को विकसित दिल्ली बनाना है। जब अभिनेता अनुपम खेर ने सीएम से पूछा कि अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक गुण लेना हो तो क्या लेंगी। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री से मैं समर्पण भाव अपनाना चाहूंगी। प्रधानमंत्री के जीवन से मुझे राष्ट्र के प्रति समर्पण, दृढ़ संकल्प और सेवा भावना की प्रेरणा मिलती है। यही मूल्य मैं अपने कार्य में आत्मसात करने का प्रयास करती हूं। वहीं उन्होंने कार्यक्रम की शुरूआत में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर आतंकियों के खिलाफ जीत है। यह नया भारत है, जो अब आतंकियों की हरकतें बर्दाश्त नहीं करेगा। अब हर जवाब सटीक होगा, और हर बार निर्णायक होगा।

यमुना की सफाई को सर्वोच्च प्राथमिकता दी और ठोस कदम उठाए

मुख्यमंत्री ने बताया कि हमारी सरकार ने कार्यभार संभालते ही यमुना की सफाई को सर्वोच्च प्राथमिकता दी और इस दिशा में ठोस कदम उठाए। यमुना की सफाई के लिए 40 डिसेंट्रलाइज्ड सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट को मंजूरी दी गई। यमुना पर फेरी और क्रूज चलाने का निर्णय, सभी नालों की सफाई शुरू की गई। वर्षों बाद 16 लाख मीट्रिक टन से अधिक गाद हटाई गई। 7 सीवर ट्रीटमेंट प्लांट का पुनर्वास और क्षमता वृद्धि कार्य पूरा किया गया। ओखला में 124 एमजीडी के नए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट जल्द शुरू करने की तैयारी की जा रही है। अमृत 2.0 के तहत 8 परियोजनाओं के लिए 804 करोड़ की मंजूरी दी गई। इसके अलावा, लगभग 1,700 अनधिकृत कॉलोनियों में सीवर और जल पाइपलाइन बिछाने का काम तेजी से जारी है।

दिल्ली में कोई झुग्गी नहीं तोड़ी जाएगी

मुख्यमंत्री ने झुग्गी बस्तियों के संबंध में स्पष्ट रूप से कहा कि विपक्ष द्वारा झुग्गियों को हटाए जाने की अफवाह फैलाई जा रही है। लेकिन हम यह विश्वास दिलाते है कि किसी भी झुग्गी को तोड़ा नहीं जाएगा। उन्होंने बताया कि झुग्गियों में रहने वाले लोगों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार ने 700 करोड़ रुपए का बजट निर्धारित किया है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि सरकार का संकल्प है कि जब तक हर झुग्गीवासी को उसका पक्का मकान नहीं मिल जाता, तब तक वे अपनी वर्तमान झुग्गियों में ही रहेंगे,लेकिन पहले से कहीं बेहतर सुविधाओं और सम्मानजनक जीवन स्तर के साथ।

जलापूर्ति के लिए 1,167 जीपीएस से लैस टैंकर तैनात किए

सीएम ने बताया कि जल आपूर्ति की निगरानी के लिए एक आधुनिक कमांड एंड कंट्रोल सेंटर की स्थापना की गई है, 1,167 जीपीएस-सक्षम जल टैंकर तैनात किए गए हैं, और 'डीजेबी वॉटर टैंकर एप' की शुरुआत की गई है। साथ ही, दक्षिण दिल्ली में 70 नए ट्यूबवेल लगाए गए है, जिनसे लगभग 1.5 लाख लोगों को सीधा लाभ प्राप्त हुआ है।

एक हजार नागरिकों पर 3 बेड की उपलब्धता सुनिश्चित करेंगे

मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछली सरकार द्वारा जो मेडिकल इन्फ्रास्ट्रक्चर मिला है, वह अत्यंत चिंताजनक है। पिछली सरकार ने 10 वर्षों में स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर सिर्फ दिखावा किया और आज हालात यह है की प्रति 1000 जनसंख्या पर एक भी बेड उपलब्ध नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि डब्ल्यूएचओ के मानक के अनुसार प्रति 1,000 व्यक्तियों पर कम से कम दो अस्पताल बेड होने चाहिए, लेकिन दिल्ली सरकार ने इसे अगले आने वाले वर्षों में प्रति 1,000 नागरिकों पर कम से कम 3 बेड की उपलब्धता सुनिश्चित करने का संकल्प लिया है।

सौर ऊर्जा को दिया जा रहा है बढ़ावा

ऊर्जा क्षेत्र में सुधारों का उल्लेख करते हुए सीएम ने कहा कि दिल्लीवासियों को सौर ऊर्जा की ओर प्रोत्साहित करने के लिए सभी सरकारी भवनों में ऊर्जा दक्ष उपकरणों की स्थापना को अनिवार्य कर दिया गया है, 'पीएम सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना' के अंतर्गत 30 हजार तक की अतिरिक्त सब्सिडी दी जा रही है। सरकार का लक्ष्य अगले तीन वर्षों में 2.3 लाख रूफटॉप सोलर पैनल लगाने का है।

पुराने मोहल्ला क्लीनिकों को पेंट कर बनाए गए आरोग्य मंदिर : आप

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने 100 दिन की भाजपा सरकार की उपलब्धियों को झूठा बताते हुए कहा कि पुराने मोहल्ला क्लीनिकों को पेंट कर आरोग्य मंदिर बनाए गए हैं। आप के दिल्ली प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने प्रैसवार्ता में कहा कि चिराग दिल्ली में बनाई गई डिस्पेंसरी का नाम आयुष्मान आरोग्य मंदिर रखकर भाजपा अपनी उपलब्धि बता रही है। उन्होंने कहा कि दिसंबर 2017 में तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन और मैंने इस डिस्पेंसरी का उद्घाटन किया था और अभी भी हमारे नाम का पत्थर लगा हुआ है। भाजपा रंगाई- पुताई करके इसे अपनी उपलब्धि बता रही है। इसी तरह दिल्ली में बने 30 अन्य आरोग्य मंदिर भी मोहल्ला क्लीनिक में बने हैं। भाजपा सिर्फ दिल्लीवालों को बेवकूफ बना रही है।

महिलाओं को 2500 रुपए की वित्तीय सहायता जरूर प्रदान करेंगे

मुख्यमंत्री ने महिला सशक्तिकरण को लेकर सरकार की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए बताया कि 'महिला समृद्धि योजना' के अंतर्गत आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाओं को मासिक 2,500 रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए 5,100 करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया गया है। महिला श्रमिकों के बच्चों की देखभाल के लिए 500 'पालना' केंद्रों की स्थापना का कार्य प्रारंभ हो चुका है। इसके अतिरिक्त, दो नए 'सखी निवास' हॉस्टल बनाए जाएंगे। महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए दिल्ली के प्रत्येक चौराहे पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं, वीमेन पीसीआर सक्रिय किए गए हैं, और दिल्ली के हर जिले में वन स्टॉप सेंटर की स्थापना की जा रही है।

लैंडफिल साइट्स से कचरा हटाने की दिशा में ठोस कदम उठाए

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकार ने दिल्ली में कचरे के पहाड़ों को बनाया था। लेकिन अब लैंडफिल क्षेत्रों से प्रतिदिन लगभग 30 हजार मीट्रिक टन कचरे का बायोमाइनिंग किया जा रहा है। भलस्वा और ओखला के कचरे के पहाड़ों को आगामी दो वर्षों में पूरी तरह से हटाने का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान में दिल्ली में चार वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट्स सक्रिय हैं, और नरेला तथा गाजीपुर में दो नए संयंत्रों के निर्माण को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

आप कार्यकर्ताओं ने स्टेडियम के बाहर किया प्रदर्शन

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को दिल्ली सरकार के 100 दिनों पर कार्यक्रम होने वाले स्थल पंडित जवाहर लाल नेहरु स्टेडियम के बाहर महिला सम्मान निधि की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। 'आप' महिला विंग की अध्यक्ष सारिका चौधरी का आरोप है कि वह जब के अपने कार्यकर्ताओं के साथ पंडित जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम के बाहर 2500 रुपए मांगने पहुंची तो भाजपा सरकार के इशारे पर पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। इस दौरान महिलाओं ने सीएम रेखा गुप्ता और भाजपा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सारिका चौधरी ने कहा कि भाजपा दिल्ली की महिलाओं की आवाज को दबा नहीं पाएगी। उधर, आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने 2500 रुपए मांगने पहुंची महिलाओं के साथ दिल्ली पुलिस द्वारा किए जा रहे बल प्रयोग की वीडियो को एक्स पर साझा करते हुए कहा कि भाजपा की सरकार सौ दिन पूरे होने पर झूठा ढोल पीट रही है और नेहरू स्टेडियम के बाहर महिलाएं 2500 रुपए मांगने पहुंची, तो पुलिस ने बर्बरता की।

विफल हो चुकी रेखा सरकार ने 100 दिन पूरे होने के जश्न पर करोड़ों रुपए खर्च किए: यादव

नई दिल्ली। लगातार दूसरे दिन प्रदेश कांग्रेस ने भाजपा की रेखा गुप्ता सरकार के पहले 100 की विफलता पर निशाना साधा। प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने शनिवार को रेखा गुप्ता सरकार को निशाने पर लेते हुए आरोप लगाए कि 100 दिन पूरे होने का जश्न मनाने में सरकारी खजाने के करोड़ों रुपए बहाकर अपनी नाकामी को छिपाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि करोड़ों रुपए सरकारी खर्च कर रेखा सरकार का रिपोर्ट कार्ड मात्र एक प्रचार अभियान से ज्यादा कुछ नहीं है। यादव ने निशाना लगाते हुए कहा कि भाजपा की रेखा गुप्ता सरकार अपने 100 दिनों में किए 10 महापाप का प्रायश्चित करने की जगह करोड़ों खर्च कर जश्न मना रही है। भाजपा सरकार में यमुना साफ होने की बजाए उलटी कई गुणा गंदी हो गई है। इनके पास ना कोई योजना है ना ही इच्छाशक्ति, ऐसे में सिर्फ दिखावे की राजनीति ही सीएम रेखा गुप्ता का हथियार बचा है। यादव ने कहा सरकार को जश्न मनाने के बजाय दिल्ली की गंभीर समस्याओं जैसे स्वास्थ्य ढांचे का सुधार, यमुना की वास्तविक सफाई, प्रदूषण नियंत्रण, जल भराव, कानून व्यवस्था, परिवहन व्यवस्था, सफाई व्यवस्था जैसी गंभीर समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए। रेखा गुप्ता सरकार ने दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में फिल्म अभिनेता अनुपम खेर को बुलाकर अपना झूठा प्रचार करने में करोड़ों रुपये बर्बाद करके अपना चेहरा चमकाने की नाकाम कोशिश की है। जबकि इस जश्न पर खर्च हुए करोड़ो रुपये सरकार द्वारा उजाडे गए झुग्गी झौपड़ियों और रेहड़ी पेटरी वालों को पुर्नस्थापित करने और महिलाओं को महिला समृद्धि योजना में 2500 रुपये मासिक देने के लिए खर्च करने चाहिए थे।

पूर्वोत्तर रेलवे
ई-टेंडरिंग निविदा सूचना
वरिष्ठ मण्डल विद्युत इंजीनियर (टीआरएस), लोको शेड, पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निविदा सूचना सं. M/DSL/IZN/TC/OT/96 के अन्तर्गत निम्नलिखित कार्य के लिए, सिंगल पैकेट सिस्टम के आधार पर खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है :-
कार्य का नाम - रिपेयर एण्ड रिहेबिलीटेशन ऑफ कॉपर वाइंडिंग टाइप 5400 केवीए ट्रान्सफार्मर फॉर डब्लू.ए.पी.4 लोकोमोटिव ऑफ लोको शेड इज्जतनगर, **कार्य की अनुमानित कुल लागत** : रु. 39,38,954/- (सभी कर सहित), **अर्नेस्ट मनी/बिड सिक्योरिटी** : रु. 78,800/-, **कुल मात्रा** : 02 अदद, **निविदा प्रपत्र का मूल्य** : रु. 0.00 (शून्य), **कार्य की अवधि** : 12 माह, **ई-निविदा बंद होने की तिथि एवं समय** : दिनांक 23.06.2025 को समय 15:00 बजे।
• निविदाकार ई-निविदा को दिनांक 23.06.2025 को समय 15:00 बजे तक ऑनलाईन जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण एवं ई-निविदा को प्रस्तुत करने के लिए भारतीय रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।
वरिष्ठ मण्डल विद्युत इंजीनियर(टीआरएस)
मुजाधि/विद्युत-52 लोको शेड, पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर
ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें

हरिश्चंद्र अस्पताल : पर्चा नहीं बनने से परेशान होते रहे मरीज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

■ अस्पताल में अब कौन बनाएगा परामर्श पर्चा

दिल्ली देहात के नरेला स्थित सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र अस्पताल के आपातकालीन वार्ड के काउंटर से परामर्श पर्चा नहीं बनने के चलते शुक्रवार को मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। इसके चलते कुछ मरीजों को चिकित्सा अधीक्षक कार्यालय में भी जाना पड़ा जिसके चलते हरकत में आए अस्पताल प्रशासन ने पर्चा बनाने वाले एक स्टाफ को आपातकानीन वार्ड के काउंटर पर भेजना पड़ा तब जाकर हालात कुछ हद तक काबू में आए। शुक्रवार को मिली जानकारी के अनुसार बता दें कि शनिवार 31 मई 2025 की रात 12 बजे मरीजों के लिए परामर्श पर्चा बनाने वाले आउटसोर्स कर्मियों की सेवाएं समाप्त होने जा रही थी, और इन कर्मियों को पिछले करीब एक साल से वेतन भी नहीं मिल रहा था। इस मामले को लेकर ये कर्मचारी शुक्रवार को चिकित्सा अधीक्षक के कक्ष में बातचीत करने गए थे ताकि उनकी सेवाएं आगे बढ़ सकें। लेकिन यहां बैठक में कोई हल नहीं निकल सका।

वहीं, शनिवार को इन आउटसोर्स कर्मियों ने बताया कि इनकी रात के समय सेवाएं खत्म हो जाएगी और ऐसा हुआ तो फिर से मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा, क्योंकि हाल ही में नए स्टाफ के लिए कोई भी प्रक्रिया पूरी नहीं हुई हैं। वहीं, इस संबंध में अस्पताल प्रशासन का कहना है कि मीडिया को हम किसी प्रकार की प्रतिक्रिया नहीं दे सकते हैं, स्वास्थ्य निदेशालय से यह आदेश हैं। साथ ही यह भी कहा कि अस्पताल में मरीजों को परामर्श पर्चा जारी करने में कोई भी दिक्कतें नहीं आएगी और इसके लिए विकल्प तलाशे जा रहे हैं।

राजधानी को साल के अंत तक मिलेगा डीडीए का पहला अंतरराष्ट्रीय स्तर का आइस स्केटिंग रिंक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) दिल्ली में खेलकूद के बेहतर खेल परिसरों व आधुनिक सुविधाएं देने में लगातार प्रयास कर रहा है। इसी कड़ी में आगे बढ़ते हुए डीडीए बहुत जल्द राजधानी में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय स्तर का आइस स्केटिंग रिंक जनता को समर्पित करने के लिए आगे बढ़ रहा है। डीडीए के एक अधिकारी के अनुसार द्वारका सेक्टर-23 में स्थित खेल परिसर में निर्माणाधीन आइस स्केटिंग रिंग का कार्य तेजी से चल रहा है। अधिकारी ने बताया कि उपराज्यपाल व डीडीए के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना के दिशा निर्देशानुसार आइस स्केटिंग रिंक अंतरराष्ट्रीय स्तर वाली सुविधाओं से लैस बनाया जा रहा है। उम्मीद है कि यह आइस स्केटिंग रिंग इसी वर्ष अक्टूबर महीने के अंत तक पूरा हो जाएगा। जानकारी के द्वारका सेक्टर-23 में स्थित खेल परिसर में करीब 17 एकड़ में इसका निर्माण किया जा रहा है। इसमें अन्य सुविधाओं को लेकर डीडीए ने बकायदा निविदाएं आमंत्रित कर दी है इसके अलावा डीडीए द्वारका में दो अन्य खेल परिसरों को लेकर भी आगे बढ़ रहा है। जिनमें सेक्टर-8 में 23 एकड़ में फैला परिसर तथा सेक्टर-19 में करीब 19 एकड़ में निर्माण होना है। द्वारका के सेक्टर-8 के खेल परिसर में कुश्ती, मुक्केबाजी, जूडो और कराटे के लिए सीओई बनेगा, जबकि सेक्टर-19 में टेनिस और शूटिंग पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। वहीं, सेक्टर-23 के खेल परिसर में हॉकी और फुटबॉल की सुविधाएं होंगी।

सफाई कर्मियों से मारपीट

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के लाजपत नगर वार्ड में ड्यूटी के दौरान सफाई कर्मियों के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। जिसमें एक कर्मचारी के सिर में चोट और अन्य दो कर्मियों को गंभीर चोटें बताई गई है। एमसीडी स्वच्छता कर्मचारी यूनियन के दिल्ली प्रदेश के उपाध्यक्ष नवीन वैद ने शनिवार को यह जानकारी दी है और निगम आयुक्त से आरोपी पर प्राथमिकी दर्ज की मांग की है। घटना लाजपत नगर वार्ड की बताई गई है। यूनियन ने निगम और पुलिस प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है। यूनियन पदाधिकारी ने कहा कि जिन्होंने भी यह मारपीट की है, उनकी इस मामले में जांच की जाए और जेल भेजा जाए।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 82 Cr. P.C. देखिए
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त आरोपी **अंजीत कुमार झा, पुत्रः** अरुण झा, **पताः** बी–427, इंद्रा कॉलोनी एन्क्लेव, थाना अमन विहार जिला बाहरी **दिल्ली FIR No. 301/24 U/s 279/337/304A IPC, पुलिस थानाः मौर्या एन्क्लेव दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अंजीत कुमार झा,** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अंजीत कुमार झा,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।
इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **अंजीत कुमार झा, FIR No. 301/24 U/s 279/337/304A IPC, पुलिस थानाः मौर्य एन्क्लेव दिल्ली** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **15.07.2025** को या उससे पहले हाजिर हो।
आदेशानुसार
दीपक वत्स
अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी
उत्तर–पश्चिम कोर्ट नंबर 101, प्रथम तल
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली
DP/6777/NW/2025
(Court Matter)

संगोष्ठी का आयोजन

नई दिल्ली। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के मीडिया विंग ने मीडिया कर्मियों हेतु मूल्य आधारित समाज के निर्माण में मीडिया की भूमिका के अंतर्गत मीडिया में जनता का विश्वास आध्यात्मिकता के माध्यम से विश्वसनीयता का निर्माण विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया। कार्यक्रम का आयोजन ब्रह्माकुमारी के मंडावली राजयोग सेवा केन्द्र में हुआ। इस मौके पर आवास और शहरी कार्य मंत्रालय भारत सरकार व इंडिया हैबिटेट के निदेशक प्रो.(डॉ.) के जी सुरेश, राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी चक्रधारी दीदी, प्रवक्ता ब्रह्माकुमार सुशांत, राजयोगिनी बीके लवली और ब्रह्माकुमारी सुनीता दीदी सहित अन्य मौजूद थे। अपने संबोधन में प्रो. के जी सुरेश ने कहा कि जनता को ब्रह्माकुमारी संस्था के बारे में जानने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा पत्रकारों के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक उत्थान की आवश्यकता है। आजकल पत्रकारिता पर विज्ञापन और बाजारवाद हावी हो गया है। इसका कारण है आजकल लोग 4 रुपया अखबार के लिए खर्च मुश्किल से करते जब कि उसके प्रकाशन में आने वाला न्यूनतम खर्च 40 रुपया है। इस खर्च का वहन विज्ञापन द्वारा ही हो सकता है।

विकसित कृषि संकल्प अभियान कार्यक्रम में किसानों को दी जानकारी

तकनीकों एवं अनुसंधान को किसानों के खेत में पहुंचा रहा अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली क्षेत्र में विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके), दिल्ली एवं कृषि इकाई, विकास विभाग, दिल्ली सरकार ने शनिवार को शिकारपुर एवं कांगनहेडी गांव में किसान सम्मेलन का आयोजन किया, जिसमें भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पूसा, नई दिल्ली के वैज्ञानिकों ने भागीदारी करके पूसा संस्थान के द्वारा विकसित विभिन्न प्रजातियाँ, मोटे अनाज, सब्जियों की वैज्ञानिक खेती, जलवायु प्रतिरोधी किस्में, जैविक उर्वरक, समन्वित पोषक, रोग एवं कीट प्रबंधन आदि की किसानों को विस्तृत जानकारी दी। केवीके में वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. डी.के. राणा ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को नजफगढ ब्लांक के सारंगपुर, गालिबपुर एवं धुमनहेड़ा गांव में भी ऐसा आयोजन किया गया था।

कार्यक्रम के शुरुआत में डॉ डी के राणा ने सभी वैज्ञानिकों एवं किसानों का स्वागत करते हुए बताया कि तकनीकों एवं अनुसंधान को किसानों के खेत में ले जाने में यह अभियान महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जिसमें दिल्ली के किसान उत्साहित होकर आगामी खरीफ फसल एवं आधुनिक तकनीकों की जानकारी प्राप्त कर रहे है। इस कार्यक्रम के दौरान, किसानों के प्रश्नों एवं समस्याओं हेतु विशेष सत्र का आयोजन करके संतुष्ट जवाब एवं अमूल्य सुझाव दिए गए। साथ में ही किसानों से फीडबैक एवं उनके द्वारा किए गए नवाचार का भी डाक्यूमेंटेशन किया गया।

रील बाजों से परेशान डीएमआरसी कर रही जागरूक

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो में अक्सर आपने देखा होगा कि रील बनाने के चक्कर में लोग मान मर्यादा सब भूल जाते है और बदनामी उठानी पड़ती है दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) को। ऐसे ही रील बाजों से परेशान डीएमआरसी ने पूर्व की भांति एक बार फिर सोशल मीडिया पर एक जागरूक अभियान चला रखा है। डीएमआरसी ने इस अभियान के तहत संदेश दे रही है कि नो रिल्स-ऑन द व्हील्स, मेट्रो यात्रा के लिए है, ट्रेंड के लिए नहीं। इसके तहत डीएमआरसी अपने अधिकृत सोशल मीडिया मंच एक्स व फेसबुक पेज सहित अन्य पर पोस्ट डाल रही है जिसमें मुख्य रूप से लिखा है कि मेट्रो यात्रा के लिए है, ट्रेंड के लिए नहीं। तो अगली बार हम रील न बनाएं और न ही उन्हें प्रोत्साहित करें, क्योंकि एक सहज, सुरक्षित यात्रा कुछ सेकंड की प्रसिद्धि से ज्यादा मायने रखती है। डीएमआरसी लगातार ऐसे रील बाजों को रोकने व उन पर नकेल कसने के लिए विशेष अभियान भी चलाता रहा है। बावजूद इसके रील बाज, बाज नहीं आ रहे। इन रील बाजों की हरकतें कई बार इतने निम्न स्तर की होती है कि अन्य यात्रियों का यात्रा करना मुश्किल हो जाता है। मेट्रो में यात्रा के दौरान लड़ाई झगड़ा होना एक सामान्य गतिविधि में गिनी जाती है। लेकिन रील बनाने के चक्कर में ऊंट पटांग कपड़े पहनना, अश्लील इशारे व डांस करना सहयात्रियों का असहज करता रहा है। जिसको लेकर सोशल मीडिया पर लोग डीएमआरसी को जमकर कोसते रहे है। नाम न छापने की शर्त पर डीएमआरसी के एक आला अधिकारी ने कहा कि ऐसे रील बाजों को रोकने में आम यात्रियों की भी अहम भूमिका होती है, कि वह उन्हें ऐसा करने से रोके। लेकिन अधिकांश मामलों में यही सामने आया है कि लोग अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाने की बजाए केवल डीएमआरसी को कोसते है, अपना गुस्सा निकालते है।

आर श्याम इंडिया इन्वेस्टमेंट कंपनी लिमिटेड
पंजी. कार्यालय : स्पेस नं. 920, कीर्ति शिखर बिल्डिंग, डिस्ट्रिक्ट सेंटर, जनक पुरी, बी–1, नई दिल्ली–110058
CIN : L67120DL1983PLC015266 Tel: 011-45626909,
Email ID: info@aarshyam.in, Website: www.aarshyam.in
31 मार्च 2025 को समाप्त तिमाही और वर्ष हेतु अंकेक्षित स्टैंडअलोन वित्तीय परिणामों का सार
आंकड़े लाख में (रु.)

विवरण	स्टैंडअलोन आंकड़े			
	समाप्त तिमाही 31-03-2025	समाप्त तिमाही 31-03-2024	समाप्त वर्ष 31-03-2025	समाप्त वर्ष 31-03-2024
प्रचालनों से कुल आय (शुद्ध)	6.87	7.40	28.23	27.71
अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (कर, असाधारण और/अथवा असामान्य मदों से पूर्व)	(0.38)	(1.10)	(2.20)	(38.51)
कर से पूर्व अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (असाधारण और/अथवा असामान्य मदों के बाद)	(0.38)	(1.10)	(2.20)	(38.51)
कर के बाद अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (असाधारण और/अथवा असामान्य मदों के बाद)	(0.38)	(1.10)	(2.20)	(38.50)
अवधि हेतु कुल व्यापक आय [अवधि हेतु निहित लाभ/(हानि) (कर के बाद) और अन्य व्यापक आय (कर के बाद)]	(0.38)	(1.10)	(2.20)	(38.30)
इक्विटी शेयर कैपिटल	300.00	300.00	300.00	300.00
रिजर्व्स (पुनर्मूल्यांकन रिजर्व को छोड़कर)	55.53	72.81	55.53	72.81
अर्जन प्रति इक्विटी शेयर (रु. 10/- प्रत्येक के) (निरंतर और अनिरंतर प्रचालनों हेतु)				
ए. बेसिक :	(0.01)	(0.04)	(0.07)	(1.28)
बी. डायल्युटेड :	(0.01)	(0.04)	(0.07)	(1.28)

टिप्पणी :
1. उपरोक्त परिणामों की समीक्षा ऑडिट कमेटी द्वारा कर ली गई और शुक्रवार 30 मई 2025 को आयोजित उनकी बैठक में निदेशक मंडल द्वारा रिकार्ड पर लिये गये।
2. उपरोक्त सेबी (लिस्टिंग ऑब्लीगेशंस एवं घोषणा आवश्यकताएं) नियमनों, 2015 के नियमन 33 के तहत स्टॉक एक्सचेंजेज के पास दायर किये गये समाप्त तिमाही और वर्ष हेतु स्टैंडअलोन वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का एक सार हैं। तैमाहिक और समाप्त वर्ष हेतु अंकेक्षित स्टैंडअलोन वित्तीय परिणामों का पूर्ण प्रारूप स्टॉक एक्सचेंज वेबसाइट्स (www.bseindia.com) और कम्पनी की वेबसाइट www.aarshyam.in पर उपलब्ध हैं।
3. उपरोक्त परिणाम कम्पनी (भारतीय लेखा मानकों) नियमों, 2016, संशोधित अनुसार और कम्पनी (भारतीय लेखा मानकों) नियमों, 2015 के नियम 3 के साथ पठित कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा 133 के तहत निर्धारित कम्पनी (भारतीय लेखा मानकों) नियमों, 2015 ("Ind AS") के अनुसार तैयार किए गए हैं।

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 30 मई 2025
कृते आर श्याम इंडिया इन्वेस्टमेंट कंपनी लिमिटेड
हस्ता/-
(संयम टुटेजा)
पूर्णकालिक निदेशक
डीआईएन : 08139915

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
नई दिल्ली, रविवार 1 जून 2025

विशेषः विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून

प्रदूषण की भयावह होती वैश्विक समस्या और बढ़ते तापमान से मुक्ति पाने का सबसे कारगर उपाय है कि हम ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर को अपनाने की दिशा में कारगर कदम बढ़ाएं। हालांकि इस दिशा में भी कई चुनौतियां हैं, लेकिन सरकारी स्तर पर ठोस पहल और जन सामान्य की भागीदारी से देश-दुनिया को हरा-भरा बना सकते हैं, भविष्य को सुरक्षित बना सकते हैं।

तपते शहरों में ऐसे बढ़ेगा ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर

कवर स्टोरी / अपराजिता

आगामी 5 जून 2025 को जब हम विश्व पर्यावरण दिवस मनाएंगे, तो हमारे देश के कई बड़े शहर तप रहे होंगे। दिल्ली हो या जयपुर, नागपुर हो या हैदराबाद। देश के कई शहर गर्मियों में तपते द्वीपों में बदल चुके हैं। सिर्फ हम अपने देश के शहरों की ही बात क्यों करें? लाहौर, बीजिंग, न्यूयॉर्क, टोक्यो और दुबई की भी आज की तारीख में यही स्थिति है। सवाल है, इन शहरों में फिर से जीवन को चैन और आराम देने वाली ठंडक कैसे मिले? कंक्रीट के हमारे जंगल, ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर में कैसे बदलें?

क्या है ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चरः ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर का मतलब है, ऐसे डिजाइन और ऐसी व्यवस्थाएं, जो प्राकृतिक समाधान प्रस्तुत करें। ये पार्क, छतों पर बागवानी, हरित दीवारों, वर्षा जल संरक्षण, शहरी जंगल, जैविक नालियां, ग्रीन कॉरीडोर और स्वच्छ ऊर्जा से जुड़ी सम्मिलित संरचनाओं का नाम है। यह ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर न केवल हमारे पर्यावरण की रक्षा करता है बल्कि लोगों को रोजगार, बेहतर स्वास्थ्य और शहरों को अधिक टिकाऊ बनाता है।

बिगड़ते पर्यावरण की वजहेंः आजकल जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण भारत ही नहीं दुनिया भर के ज्यादातर शहर, गर्मी से जल रहे हैं। शहरों में अर्बन हीट, आइलैंड इफेक्ट जोर-शोर से देखा जा रहा है। शहरों में कंक्रीट, डामर और प्लास्टिक की अधिकता, जमीन की नमी सोख रही है, जिससे तापमान बढ़ रहा है। यही नहीं जो शहर पहले छायादार पेड़ों की कतारों के हिस्से हुआ करते थे, अब उन शहरों में बड़े-बड़े पेड़ों को काट कर सड़कों का विस्तार और नए-नए मॉल्स बनाए जा रहे हैं, जिससे हमारे पारंपरिक शहरों का ग्रीन आवरण लगातार घट रहा है। कार्बन उत्सर्जन बढ़ रहा है और जल प्रबंधन की विफलता भी हमारे सामने है। शहरों में अंधाधुंध ढंग से बढ़ रहे वाहन, फैक्ट्रियां और कूलिंग सिस्टम से निकलने वाली गैसें, लगातार हमारे शहरों के तापमान बढ़ा रही हैं। दूसरी तरफ अंधाधुंध रिहाईशी ढांचे खड़े कर देने के कारण बारिश का जल बह कर निकल जाता है। धरती में वापस नहीं जा पाता, जिससे न सिर्फ सूखे बल्कि बाढ़ की समस्या भी इससे बढ़ रही है।

बढ़ रही है ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर की जरूरतः बिगड़ते पर्यावरण की वजह से ही विश्व स्तर पर ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर की खासी जरूरत बढ़ी है। आज ज्यादातर नगर योजनाकार बार-बार ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर की जरूरत पर बल देते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है कि 2050 तक दुनिया की करीब 70 फीसदी आबादी शहरों में रह रही होगी और तब आज से कहीं ज्यादा पर्यावरणीय दबाव होगा। साल 2023 की आईपीसीसी रिपोर्ट कहती है, यदि शहरों में हरित क्षेत्र 30 प्रतिशत बढ़ा दिया जाए तो दुनिया के औसतन तापमान में 2 डिग्री सेंटीग्रेड की कमी आ जाएगी। पेरिस, सियोल, मेलबर्न और कोपनहेगन जैसे शहर अब हर नई परियोजना को ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर में तब्दील कर रहे हैं।

इस दिशा की चुनौतियांः भारत में ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर बनाना बड़ी चुनौती है, क्योंकि हमारी स्थानीय शहरी निकायों के पास इस पर स्पष्ट दिशा-निर्देश नहीं हैं। साथ ही हमारे नगर निकायों के पास पर्याप्त वित्तीय संसाधनों की भी कमी है। इसलिए हमारे शहर चाहकर भी ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर को फिलहाल नहीं बढ़ा पा रहे हैं, क्योंकि आम लोग इसे अतिरिक्त खर्च वाला समझते हैं। यही कारण है कि अब बड़े पैमाने पर ऐसी योजनाएं और स्मार्ट सिटी मिशन उभर कर सामने आ रहे हैं, जिनमें ग्रीन कॉरीडोर, अर्बन फॉरेस्ट, रेन वॉटर हार्वेस्टिंग पर जोर दिया जा रहा है। शहरों में कृषि और टेरेस गार्डेनिंग का बढ़ावा भी इसी के चलते हो रहा है। तमाम नए स्टार्टअप यह कर रहे हैं। सीएसआर और ईएसजी की फंडिंग से निजी कंपनियां आजकल हरित परियोजनाओं में निवेश कर रही हैं।

ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने के तरीकेः ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने के लिए जरूरी है कि सभी शहरी विकास योजनाओं में ग्रीन बजट को अनिवार्य किया जाए। साथ ही बिल्डिंग बाई लॉज में छत पर गार्डेनिंग, वर्षा जल संग्रहण जैसी अनिवार्य योजनाओं को लागू किया जाए। अब जरूरी हो गया है कि शहरी खेती और कम्युनिटी गार्डेनिंग को अनिवार्य किया जाए। हर मुहल्ले में सामूहिक बागवानी प्रोजेक्ट शुरू किए जाएं, नगर निगम स्थानीय सब्जी उत्पादन को बढ़ावा दें, इसके लिए सब्सिडी और बेहतर ट्रेनिंग का सहारा लिया जाए। शहरी घरों की छतों और दीवारों को ज्यादा से ज्यादा हरा किया जाए। इसकी सबसे पहली शुरुआत सरकारी भवनों, विभिन्न सरकारी इमारतों और शहरी विभागों से किया जाए। निजी फ्लैट और कॉम्प्लेक्स में भी ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देने के लिए कई तरह के टैक्स में छूट दी जाए ताकि लोग ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर की तरफ आकर्षित हों। शहर की हर इमारत में ग्रीन वाटर ट्रीटमेंट प्लांट लगाना अनिवार्य किया जाए, साथ ही बरसाती नालियों को पुनः डिजाइन करके उन्हें जैविक जल निकासी प्रणाली में बदला जाए।

ये उपाय भी होंगे कारगरः बड़े पैमाने पर शहरों का ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर तभी विकसित हो सकता है, जब ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी इसकी ट्रेनिंग, जैसे लैंडस्केपिंग, वर्टिकल गार्डेनिंग जैसी तकनीकों में युवाओं की ज्यादा से ज्यादा भागीदारी हो। युवाओं को ग्रीन अंबेस्डर बनाकर स्कूल, कॉलेज से ही इस दिशा में उन्हें पर्यावरण हितैषी के रूप में बड़ा किया जाए। शहरों में यदि ग्रीन कैप बढ़ेगा, तो लोग उनके फायदों से भी वाकिफ होंगे और ज्यादा से ज्यादा इसका फायदा उठाना चाहेंगे। इसके लिए जरूरी है कि ग्रीन मैप एप्स के कल्चर को बढ़ावा दिया जाए। ग्रीन कवर एरिया को स्टेटस सिंबल बनाया जाए। इसके लिए एआई और सैटेलाइट तकनीक से इनकी रक्षा और निगरानी भी किया जाना जरूरी है।

ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर को अपनाने से न केवल हमारी धरती को फिर से हरी-भरी बनाने में मदद मिलेगी बल्कि नई पीढ़ी को उस दहकती हुई गर्मी से छुटकारा मिलेगा, जो आज शहरी जीवन का बड़ा अभिशाप बन चुका है। इसलिए विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर इस पर गंभीरता से सिर्फ सोचा ही न जाए, सिर्फ बहस ही न हो बल्कि इसमें अमल किए जाने की प्रक्रिया तेजी से बढ़े। *

जो मानसून हर वर्ष जून के पहले सप्ताह में भारत में प्रवेश करता था, इस बार मई के अंतिम सप्ताह से पहले ही आ गया। ऐसा होने के पीछे किस तरह के कारण जिम्मेदार हैं और इसके क्या प्रभाव हो सकते हैं, आप जरूर जानना चाहेंगे।

समय से पहले आया मानसून !

बदलाव / रजनी अरोड़ा

मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक इस साल मानसून की रफ्तार इतनी तेज है कि करीब 2 सप्ताह पहले ही देश में एंट्री हो गई है। समय से पहले आए मानसून से हालांकि जन-मानस को गर्मी की तपिश से राहत पहुंची है, लेकिन पर्याप्त तैयारी के अभाव में कई शहर जल भराव की स्थिति का सामना कर रहे हैं।

परेशानी या वरदानः मानसून का जल्दी आना, सिर्फ मौसम का बदलाव नहीं बल्कि हमारे पर्यावरण और जलवायु में हो रहे बड़े बदलावों का भी संकेत है। विशेषज्ञों के अनुसार यह जलवायु परिवर्तन वैश्विक तापमान और समुद्री परिस्थितियों के मिले-जुले प्रभाव का नतीजा है। समुद्री सतह के तापमान के अनुकूल बदलाव पड़ा है। समुद्र का टेंपरेचर सामान्य से ज्यादा रहा, जिसके कारण मानसूनी पश्चिमी हवाएं तेजी से सक्रिय हो गईं।

चिंता का कारणः मानसून का जल्दी आना हालांकि कृषि, वाणिज्य जैसे क्षेत्रों के लिए अच्छा हो सकता है। लेकिन इसके अनियमित-बिगड़ते पैटर्न से बाढ़, लैंडस्लाइड, जलजनित बीमारियां, महामारी जैसी समस्याएं उत्पन्न होने का खतरा भी हो सकता है।

जल्दी आने के कारणः देश में मानसून के जल्दी आने को मौसम-वैज्ञानिक ग्लोबल वार्मिंग का असर मान रहे हैं। जिसके प्रति हमें सजग होना और समुचित कदम उठाने जरूरी हैं।

लानीना और अलनीनो का प्रभावः यह प्रशांत महासागर के तापमान से जुड़ा सिस्टम है। जब प्रशांत महासागर का तापमान ज्यादा गर्म हो जाता है तो उसे अलनीनो कहते हैं, जो भारत के मानसून को कमजोर कर देता है। जब महासागर ठंडा होता है तो वह लानीना कहलाता है, जो मानसून को मजबूत करता है। चूंकि इस साल न ज्यादा गर्मी है और न ज्यादा ठंडक है। यानी ईएनएसओ न्यूट्रल है और यही हालात भारत के मानसून के लिए फायदेमंद है।

इंडियन ओशन डायपोल का पॉजिटिव होनाः कुछ वैज्ञानिक मानते हैं कि आईओडी अरब सागर में नमी के जमाव को बढ़ाता है, जिससे मानसून की हवाएं तेज होती हैं और यह मानसून के जल्दी आने का कारण भी बनता है। तो कुछ वैज्ञानिक इसे भारतीय महासागर के पश्चिमी हिस्से यानी अफ्रीका की तरफ और पूर्वी हिस्से यानी इंडोनेशिया की तरफ पानी का तापमान से जोड़ते हैं। वस्तुतः इनके तापमान में फर्क मिलता है। अगर पश्चिमी हिस्सा गर्म होता है और पूर्वी हिस्सा ठंडा तो यह पॉजिटिव आईओडी कहलाता है। यह मानसून के लिए अच्छा होता है यानी बादल बनने, बारिश बढ़ाने में मदद करता है। जबकि इसके विपरीत यानी पश्चिम हिस्सा ठंडा और पूर्वी हिस्सा गर्म हो तो यह नेगेटिव आईओडी कहलाता है और यह मानसून को रोकता है। 2025 में अभी आईओडी भी न्यूट्रल है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अगस्त-सितंबर तक यह हल्का पॉजिटिव हो सकता है, जो मानसून को और बढ़ा सकता है।

जेट स्ट्रीम में बदलावः मानसून की हवाएं यानी ऊपरी स्तर की हवाओं में बदलाव से भूमध्य रेखा के ऊपर से हवाएं तेजी से भारत की ओर चलती हैं, जिससे नमी से भरी हवाएं पहले पहुंचकर मानसून जल्दी ले आती हैं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि सोमाली जेट हवाएं मॉरीशिस और मेडागास्कर से उठती हैं। जो सीधे अरब सागर से होते हुए भारत के पश्चिमी तट यानी केरल, कर्नाटक, गोवा और महाराष्ट्र तक आती हैं। 2025 में ये हवाएं असामान्य रूप से तेज हैं।

ग्लोबल वार्मिंग से बदला मानसून पैटर्नः ग्लोबल वार्मिंग की वजह से वातावरण और महासागरों का तापमान लगातार बदल रहा है। यह बदलाव मानसून के समय और तीव्रता को सीधे प्रभावित करता है। इससे उसका चक्र बदल जाता है। इसके अलावा बीते मई महीने में अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में भारी नमी देखी गई, जिससे बादलों को बनने में ज्यादा देर नहीं लगी। इसके साथ कर्नाटक-गोवा तट के पास बने साइक्लोनिक सिस्टम की वजह से मानसून जल्दी आ गया। *

मानसून के प्रकारः भारतीय मानसून उन हवाओं को कहते हैं, जो ग्रीष्म ऋतु में तापमान ज्यादा होने के कारण बंगाल की खाड़ी, हिंद महासागर और अरब सागर में नमी के बढ़ने से सक्रिय हो जाती हैं। ये हवाएं दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व से उत्तर-पूर्व की ओर चलती हैं और ठंड के दिनों में विपरीत दिशा की ओर यानी समुद्र की ओर बहती हैं। इसके आधार पर भारत में मानसून मूलतया दो तरह के होते हैं। दक्षिण-पश्चिमी मानसून (जून से सितंबर तक) ये मानसूनी हवाएं भारत में सामान्यतया एक जून को सबसे पहले केरल में प्रवेश करती हैं और वहां बारिश करती हैं। इसके बाद यह धीरे-धीरे उत्तर दिशा में बढ़ता है। फिर जून का अंत तक आते-आते यह देश के ज्यादातर हिस्सों पर छा जाती हैं। उत्तर-पूर्वी मानसून, ऋतु-परिवर्तन होने पर ये हवाएं विपरीत दिशा की ओर यानी समुद्र की ओर बहती हैं। ये हवाएं आमतौर पर सितंबर-अक्टूबर माह तक वापस चली जाती हैं।

चिंतन / यशवंत कोठारी

भारतीयता के मूल में निहित पर्यावरण संरक्षण

भारतीय संस्कृति या कहें भारतीयता में प्रारंभ से ही पर्यावरण को अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। हमारी संस्कृति में वृक्ष, पेड़-पौधों, जड़ी-बूटियों को देवता माना गया है। पवित्र और देवतुल्य वृक्षों की प्राचीन परंपरा भारतीयता के साथ गुंथी हुई है। वास्तव में भारतीयता किसी व्यक्ति विशेष से नहीं प्रकृति, पर्यावरण, सांस्कृतिक चेतना और विरासत से जुड़ी हुई है। तमाम विविधताओं के बावजूद भारतीयता के रक्षकों, पोषकों ने वृक्षों को पूजने की, उन्हें आदर देने की एक ऐसी परंपरा आरंभ की, जो भारतीयता में रच-बस गई है। वृक्षों के महत्व को प्रतिपादित करते हुए हमारी संस्कृति में अनेक परंपराएं और प्रथाएं विकसित की गईं जो वृक्षों, पर्यावरण, संस्कृति, सुहाग, पूजा-पाठ, धार्मिक अनुष्ठान आदि से जोड़ दी गईं। ये सभी चीजें कालांतर में भारतीयता का पोषण करने वाली सिद्ध हुईं।

पेड़-पौधों की करते हैं पूजाः देश के कुछ आदिवासी क्षेत्रों में विवाह के समय वर-वधू एक पौधा लगाते हैं। माना जाता है कि जैसे-जैसे वृक्ष हरा-भरा होकर विकसित होता है, दांपत्य जीवन में भी सुख और संपन्नता बढ़ती जाती है। बड़ के पेड़ को सुहाग प्रदान करने वाला माना गया है। उत्तर भारत में वट वृक्ष की पूजा का त्योहार मनाया जाता है। पीपल के वृक्ष पर भगवान विष्णु का वास माना जाता है। पलाश के वृक्ष के नीचे शीतला माता का वास माना गया है। इसी प्रकार आंवला, तुलसी, केला आदि कई पौधों की पूजा-अर्चना का विधान भारतीय संस्कृति में मौजूद है। यह भारतीयता का एक मोहक रूप है। पीपल के वृक्ष को रामायण में भी मान्यता दी गई है। तुलसी की पवित्रता, औषधीय उपयोगों और महत्व के बारे में कई प्राचीन पुस्तकों में वर्णन मिलता है।

इससे सिद्ध होता है कि भारतीय संस्कृति में तुलसी के पौधे को कितना महत्वपूर्ण पौधा माना जाता रहा है। भारतीयता की अनेक विविधताओं के बावजूद वृक्षों का संरक्षण, उनकी पूजा-अर्चना का विधान है।

भारतीयता का अरण्य उत्सवः वृक्षों के प्रति हमारी यह श्रद्धा अनादिकाल से चली आ रही है। अरण्ये ते पृथिवि स्येनमस्तु। अर्थात हे पृथ्वीमाता, तुम्हारे जंगल, हमें आनंद, उत्साह से भर दें। यही श्रद्धा और आदर का भाव बार-बार हमें भारतीयता की मूल भावना से भी जोड़ता है। भारतीयता, जो हम सभी के जीवन से जुड़ी हुई है। भारतीयता यानी हरी-भरी वसुंधरा, हरियाली से सजे वनप्रदेश, कामदेव का वसंत, चटकते फूल, श्रृंगार से ओत-प्रोत वन, मादक गंधयुक्त समीर, आजादी से उड़ते पक्षी, कोयल की मीठी वाणी, कुलांचें भरते हिरण, नाचते मोर, झरने, झीलें, कलकल करती नदियां, ये सभी सुंदर पर्यावरण बनाते हैं और बनाते है भारतीयता का एक संपूर्ण फलक। फलक में उपस्थित होते हैं अनेक प्रकार के रंग। प्रकृति का यह उत्सव भारतीयता का मौलिक स्वरूप है। शायद ही विश्व के अन्य किसी भाग या देश की संस्कृति में पर्यावरण को इतना महत्वपूर्ण माना गया है।

हम समझें अपने दायित्वः प्राचीन काल में हुए हमारे ऋषि-मुनियों ने भारतीयता की महक से परिपूर्ण पर्यावरण की कल्पना की थी। यदि किसी वृक्ष को काटना बहुत ही जरूरी हो जाता तो वृक्ष पर रहने वाले पशु-पक्षियों से क्षमा याचना कर मंत्र पढ़ कर सर्वजनहिताय वृक्ष को काटा जाता था। पर्यावरण के संतुलन को बनाए रखने, उसे पूर्ण रूप से प्रकृति के अनुकूल रखने तथा विकास के साथ एक तादात्म्य और सामंजस्य रखने की प्रेरणा भारतीयता देती है। प्राचीन शास्त्र, साहित्य, संस्कृति, कला जो कुछ भी इस भारत भूमि पर विद्यमान रहा वह सब भारतीयता से परिपूर्ण है और यही बात प्रकृति, पर्यावरण तथा वातावरण पर भी लागू होती है। यह बेहद खेद का विषय है कि भौतिकवादी उपभोक्ता संस्कृति ने सभी प्राचीन भारतीय मूल्यों को नष्ट कर दिया है। प्रकृति के संरक्षण की बात कोई नहीं करना चाहता है। लेकिन हम सब कभी न भूलें कि अपने अस्तित्व को बचाए रखने के लिए भी पेड़-पौधों को लगाना, उनका संरक्षण करना, जीव-जंतुओं, पेड़-पौधों की रक्षा सब कुछ हमारा नैतिक दायित्व है, भारतीयता का कर्तव्य है। अगर हम इस कर्तव्य को पूरा कर सकें तो एक शस्य श्यामला हरित भूमि हमारे चारों ओर मुस्कुराएगी। *

कविता / अलका सोनी

नदी सबको देती है

नदी सबको देती है
बहुत कुछ...
जल, जंगल, जमीन
मछलियां, सूर्य को
अर्घ्य देने की जगह।
उसी तरह उसने
मुझे भी बहुत कुछ दिया
लेकिन मैंने देर से
देखा और समझा यह सब।
तब आश्चर्य हुआ कि
वो तब भी देती रहती है
जब हम नहीं जानते
उसका देते जाना।
यह सब देख
मन में आने लगती है
बस एक ही बात कि
नदी जो सबको देती है
कुछ न कुछ
बदले में पाती है
उसे नहीं समझे
जाने की
कई वजहें।

लघुकथाएं

मेरे नाम का पेड़

उसने मेरी बात काटते हुए अचानक पूछा, 'यह बताइए, क्या आपने अपने जीवन में कोई पेड़ लगाया है?'

मैंने सिर पर हाथ फेरा, बगलें झांकीं, तभी सन्नाटे को चीरती उसकी आवाज आई, 'आठ मन लकड़ी का बोझ सिर पर उधार लेकर जाओगे ऊपर?'

'तुमने जो इतने सारे पेड़ लगा रखे हैं। एक हमारे नाम का भी लगा दो।' मैंने बचना चाहा। वह मुझे और जलील न करे इसलिए मैंने बात घुमाई, 'अरे याद आया। एक बरगद के पेड़ की पौध तुमने मेरे नाम से खरीदी थी, उसका क्या हुआ?'

वह कुछ आश्चर्य से बोली, 'अब पंद्रह साल बाद तुम्हें उसकी याद आ रही है?'

'आखिर बताओ तो हुआ क्या था?' मैंने जोर देकर पूछा। 'उसकी तो कहानी हो गई थी।' वह बोली।

'हुआ क्या था?' मुझे उत्सुकता हुई।

'वो पापा की नजर उस पौधे पर पड़ी तो पूछ बैठे कि तो तुम ले ही आईं बरगद। चलो, मैं इसे अभी गांव के बाहर मेन रोड पर रोप देता हूं।' उसने कहानी बताई।

'तुमने कहा नहीं कि यह मेरे नाम का पेड़ है, किसी की अमानत है।' मैंने कहा।

'मुगले आजम के सामने मुंह खोलना इतना आसान था क्या? वो तो सीधे चिनवा देते।' वह कंधे उचका कर बोली। थोड़ी देर खामोशी रही फिर उसने धीरे से कहा, 'सच बताऊं, जब भी मैं गांव जाती हूं और इंट्री पर वह बरगद का पेड़ थके-हारे लोगों को अपने साए की आगोश में समेटे दिखता है तो मैं कार रुकवा कर पेड़ देर तक निहारती हूं। किसी ने यात्रियों की सेवा के लिए एक चाय-पान की गुमटी भी डाल ली है। प्रधान जी ने गर्मी में प्यासों के वास्ते एक हैंडपंप भी लगवा दिया है। किसी दिन आप भी मेरे साथ चलिए, आपको पेड़ देखकर बहुत खुशी होगी।'

मैं सोचने लगा कि मरने के बाद बरगद की लकड़ी से जलाया जाता है कि नहीं? *

-प्रेमेंद्र श्रीवास्तव

विज्ञापन

एक व्यक्ति ने अखबार में विज्ञापन छपवाया, 'पांच साल का यह लड़का, जिसकी फोटो दी जा रही है, कल शाम से घर से लापता है। किसी को यह बच्चा दिखाई दे या मिले तो दिए गए फोन नंबर पर सूचित करें। सूचना देने वाले को उचित इनाम दिया जाएगा।'

दूसरे दिन ही उस व्यक्ति के फोन की घंटी बजी। आवाज आई, 'आपने अखबार में बच्चे की गुमशुदगी का विज्ञापन दिया है। उसी के संबंध में बताना चाहता हूं कि आपका बच्चा कल से मेरे पास है, आप तुरंत आकर ले जाएं।' 'आप कौन बोल रहे हैं और कहां से बोल रहे हैं?' व्यक्ति ने जल्दी से पूछा।

'मैं सुखद वृद्धाश्रम से रघुबीर बोल रहा हूं...।' जवाब मिला।

यह सुनकर व्यक्ति की आंखें नम हो गईं। उसने तुरंत अपनी पत्नी से कहा, 'गुड्डू मिल गया है, वह वृद्धाश्रम में अपने दादा जी के पास है।' *

-गोविंद भारद्वाज

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

प्रेम का साहित्यिक प्रवाह

नवोदित प्रवाह पत्रिका का वार्षिकांक प्रेम विशेषांक के रूप में प्रकाशित होकर आया है। यह अंक नामचीन और नवोदित लेखकों की रचनाशीलता से भरा-पूरा है। यहां संकलित रचनाओं के द्वारा प्रेम के मनोवैज्ञानिक विवेचन, उसके दार्शनिक पहलू, उसकी ऐंद्रिक व्याख्या और उसकी आत्मानुभूति के अलग-अलग आयामों से रूबरू हुआ जा सकता है। वैसे तो इस अंक में प्रेम पर अच्छी कहानियां, लघुकथाएं, समीक्षाएं और लेख पठनीय हैं ही, लेकिन खासतौर पर काव्य खंड बहुत ही समृद्ध है। इसमें प्रेमाधारित कई बेहतरीन कविताएं, गजलें, दोहे और गीत पाठक को प्रेमरस से सराबोर कर देते हैं। लाजवाब गीत और गजल खंड के अलावा कविता खंड में आलोक धन्वा, अच्युतानंद मिश्रा, अल्पना सिंह और आरती आस्था की कविताएं मन में ठहर जाती हैं।

विभिन्न भारतीय भाषाओं में लिखी गई प्रेम कविताओं के अनुवाद ने इस अंक को संग्रहणीय बना दिया है। कृष्ण बिहारी, जितेन ठाकुर और रेणु हुसैन की कहानियां विशेष रूप से पठनीय हैं तो प्रेम पर अलग-अलग कोणों से लिखे गए लेखों में प्रेम की शाश्वतता को सलीके से व्यक्त किया गया है। *

पत्रिकाः नवोदित प्रवाह (वार्षिक पहल 2025-प्रेम विशेष), **प्रधान संपादकः** रजनीश त्रिवेदी 'आलोक', **मूल्यः** 100 रुपए, **संपादकीय कार्यालयः** देहरादून, उत्तराखंड

खबर संक्षेप

बिहार में 18 जिलों के जिलाधिकारी बदले गए

पटना। बिहार में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल हुआ है। पटना के डीएम सहित 18 जिलों के डीएम बदले गए हैं। वहीं 6 प्रमंडलों में नए आयुक्त बनाए गए हैं। कुल 47 आईएएस अधिकारियों को नई जिम्मेदारी दी गई है। जिनमें 5 अधिकारी के पद को उत्क्रमित किया गया है जबकि 1 को अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी गई है। सामान्य प्रशासन विभाग ने इस संबंध में अलग अलग अधिसूचना जारी की।

बिहार भाजपा के प्रदेश पदाधिकारियों की सूची जारी

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा की नई प्रदेश इकाई का गठन कर लिया गया है।

प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल टीम में 5 महामंत्री, 13 उपाध्यक्ष और 14 मंत्री बनाए गए हैं जिनमें कई पुराने चेहरों को नई टीम में जगह दी गई है। राजेश वर्मा को फिर से महामंत्री बनाया गया है तो एमएलसी प्रमोद चंद्रवंशी को उपाध्यक्ष का पद दिया गया है। ट्रेजर के रूप में राकेश तिवारी पर दिलीप जायसवाल ने भरोसा किया है।

अब्बास अंसारी को 2 साल की सजा

मऊ। मऊ सीट से सुहेलदेव भासपा के विधायक अब्बास

अंसारी को हेट स्पीच मामले में मऊ की सीजेएम कोर्ट ने दोषी करार दिया है। उन्हें 2 साल की सजा सुनाई है। जुर्माना भी लगा है। इस फैसले से अब्बास की विधायकी पर भी असर पड़ सकता है। गौरतलब है कि पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान 3 मार्च 2022 को मऊ के एक जनसभा में उन्होंने सरकार बनने पर अफसरों को देख लेने की धमकी दी थी।

पीएम आवास योजना में हो रहा बड़ा 'खेल'

लाभार्थी के बदले दूसरे के खाते में भेज दी सरकारी धनराशि

एजेंसी ▶▶ शिवहर

पहले आवास योजना की सूची में नाम दर्ज कराने के लिए रिश्वत वसूले गए और जब आवास स्वीकृत हुआ तो लाभार्थी की आवास मद की राशि का पहला किस्त दूसरे के बैंक खाते में ट्रांसफर कर दिया गया।प्रधानमंत्री आवास योजना में सर्वेक्षण से लेकर सूची निर्माण तक भ्रष्टाचार छाया जा रहा। अब राशि ट्रांसफर करने में हेराफेरी का मामला सामने आया है।ताजा मामला बिहार के पिपराही प्रखंड के अंबाकला का है। यहां आधा दर्जन लाभुकों के आवास योजना की पहले किस्त की 40 हजार की राशि वास्तविक लाभार्थी के बदले दूसरे के बैंक खाते में हस्तांतरित कर दिया गया है।

मामले को लेकर अंबाकला वार्ड पांच निवासी पार्वती देवी ने जिलाधिकारी व बीडीओ को आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। आवेदन में अंबा उत्तरी के आवास सहायक बाल विक्रम रंजन पर दूसरे के बैंक खाते में पैसा भेजने का आरोप लगाया है।

पांच जून को अपना 53वां जन्मदिन रामनगरी में मनाएंगे सीएम योगी, इसी दिन होनी है प्राण प्रतिष्ठा

सीएम योगी पांच जून को अपना 53वां जन्मदिन पांच जून को अयोध्या में मनाएंगे। इसी दिन यहां राम दरबार सहित अन्य मंदिरों की प्राण प्रतिष्ठा भी होनी है।

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपना 53वां जन्मदिन पांच जून को अयोध्या में मनाएंगे। इस दौरान राम मंदिर और हनुमानगढ़ी में दर्शन-पूजन और विशेष आरती कर श्रद्धा निवेदित करने के साथ प्रदेशवासियों के खुशहाली की कामना करेंगे। राम दरबार और अन्य सात देव विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा के लिए आयोजित समारोह में शामिल होंगे। इसी दिन विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर पौधरोपण करेंगे। सीएम योगी का रामनगरी से गहरा लगाव है। विविध आयोजनों और यहां की विकास परियोजनाओं की प्रगति को परखने के लिए उनके दौरे होते रहते हैं। इस बार पांच जून को मुख्यमंत्री का अयोध्या आगमन बेहद खास होने जा रहा है।

ऐसा इसलिए कि इसी दिन उनका जन्मदिन भी है। इसीलिए जिला प्रशासन की ओर से भी सीएम के इस खास दिन को और खास बनाने की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

राम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष जन्मोत्सव में करेंगे शिरकत

मुख्यमंत्री योगी जन्मदिन के मौके पर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष और मणिराम दास छावनी के महंत नृत्यगोपाल दास के जन्मोत्सव समारोह में भी शामिल होंगे। राम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष का जन्मोत्सव एक से 10 जून तक आयोजित होगा।

सीजेआई बीआर गवई ने की सीएम योगी आदित्यनाथ की तारीफ, बोले-

जब भी देश पर संकट आया, देश एकजुट व मजबूत रहा, इसका श्रेय संविधान को दिया जाना चाहिए

सीजेआई बीआर गवई ने कहा कि भारतीय संविधान लागू होने की 75 साल की यात्रा में विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका ने सामाजिक और आर्थिक समानता लाने में बड़ा योगदान दिया है

एजेंसी ▶▶ प्रयागराज

भारत के प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति बीआर गवई ने देश की एकजुटता के लिए संविधान को श्रेय दिया। उन्होंने कहा कि देश पर जब भी संकट आया है उसने मजबूती और एकजुटता के साथ उसका सामना किया और इसका श्रेय संविधान को दिया जाना चाहिए।

सीजेआई बीआर गवई ने यह बात इलाहाबाद उच्च न्यायालय में 680 करोड़ रुपए की लागत से नवनिर्मित अधिवक्ता चैंबर भवन और मल्टी लेवल पार्किंग का उद्घाटन कार्यक्रम में कही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीजेआई गवई ने कहा कि न्यायपालिका का मौलिक कर्तव्य देश के उस आखिरी नागरिक तक पहुंचना है जिसे न्याय की जरूरत है और विधायिका और कार्यपालिका का भी यही कर्तव्य है। भारत के मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि कानून और न्याय मंत्री मेघवाल ने कहा कि सीएम योगी इस देश के सबसे शक्तिशाली और मेहनती सीएम हैं। मैं कहना चाहूंगा कि इलाहाबाद शक्तिशाली लोगों की भूमि है।

मौलिक अधिकार और नीति निर्देशक सिद्धांत दोनों संविधान की आत्मा

कानून की मदद से जमीदार से जमीन लेकर भूमिहीन व्यक्तियों को दी

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, "जब भी संकट आया, भारत एकजुट और मजबूत रहा। इसका श्रेय संविधान को दिया जाना चाहिए। भारतीय संविधान लागू होने की 75 साल की यात्रा में विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका ने सामाजिक और आर्थिक समानता लाने में बड़ा योगदान दिया है। कई ऐसे कानून लाए गए जिसमें जमीदार से जमीन लेकर भूमिहीन व्यक्तियों को दी गई।" उन्होंने कहा, "समय-समय पर इन कानूनों को चुनौती भी दी गई। 1973 से पहले उच्चतम न्यायालय का विचार था नीति निर्देशक सिद्धांत (डायरेक्टिव प्रिंसिपल) और मौलिक अधिकारों के बीच टकराव की स्थिति बनेगी तो मौलिक अधिकार ऊपर होगा। लेकिन, 1973 में 13 न्यायाधीशों का निर्णय आया कि संसद को संविधान में संशोधन का अधिकार है और इसके लिए वह मौलिक अधिकारों में संशोधन कर सकती है, लेकिन उसके पास संविधान के मूल ढांचे में बदलाव करने का अधिकार नहीं है।" प्रधान न्यायाधीश ने कहा- "1973 की 13 जजों की पीठ ने यह भी कहा था कि मौलिक अधिकार और नीति निर्देशक सिद्धांत दोनों ही संविधान की आत्मा हैं। ये दोनों संविधान के स्वर्ण रथ के दो पहिए हैं जिसमें से यदि एक पहिया रोको तो पूरा रथ रुक जाएगा।"

इलाहाबाद हाईकोर्ट का नाम न्यायिक क्षेत्र में अग्रणी

अधिवक्ता की समस्या दूर करने के लिए प्रदेश और केंद्र सरकार सदा तत्पर

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा- "अधिवक्ताओं की समस्याओं को दूर करने के लिए प्रदेश और केंद्र की सरकार सतत प्रयासरत है। सात जनपदों में परिसर बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी मिल चुकी है और इसके लिए 1,700 करोड़ रुपए जारी किए जा चुके हैं।" उन्होंने कहा, "सरकार ने अधिवक्ता निधि की राशि 1.5 लाख से बढ़ाकर पांच लाख रुपए कर दी है और इसके पात्र अधिवक्ताओं की आयु सीमा भी 60 वर्ष से बढ़ाकर 70 वर्ष कर दी गई है। इसके लिए भी 500 करोड़ रुपए की निधि दी गई है।"

सीएम ने महाकुंभ के आयोजन में हाईकोर्ट की भूमिका को किया रेखांकित

प्रयागराज महाकुंभ के आयोजन में उच्च न्यायालय की भूमिका रेखांकित करते हुए सीएम ने कहा- "प्रयागराज महाकुंभ का आयोजन इतना सफल इसलिए हो सका क्योंकि इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने किसी परियोजना पर रोक नहीं लगाई।"

लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर दो एकड़ भूमि में बनेगा म्यूजियम

कुरुक्षेत्र। लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की चित्र पर पुष्प अर्पित करते मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी। *फोटो: हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरुक्षेत्र

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है। ऐसे में हमें लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के पदचिन्हों पर चलना होगा और उनकी तरह न्याय देना होगा, विकास करना होगा और संस्कृति को सहेजना होगा। आज अहिल्याबाई की 300वीं जयंती पर हम सब मिलकर संकल्प लें कि हम समाज की सेवा करेंगे और बेटियों को शिक्षा और समान अधिकार देंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शनिवार को पिपली स्थित अनाज मंडी में मातेश्वरी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर पाल गडरिया समाज की ओर से मुख्यमंत्री को पगड़ी, शाल व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने मातेश्वरी अहिल्याबाई होलकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा मातेश्वरी अहिल्याबाई होलकर के नाम पर दो एकड़ भूमि पर एक म्यूजियम का निर्माण कराया जाएगा, ताकि युवा पीढ़ी उनके जीवन और कार्यों के बारे में जानकारी प्राप्त कर प्रेरित हो सके। उन्होंने यह भी घोषणा की कि पाल गडरिया समाज की सहमति से किसी एक गांव या शहर में मातेश्वरी अहिल्याबाई होलकर के नाम से प्रवेश द्वार का निर्माण करवाया जाएगा।

पाल गडरिया समाज धर्मशाला को 31 लाख देने की घोषणा

उन्होंने पाल गडरिया समाज धर्मशाला कुरुक्षेत्र को अपने स्वैच्छिक कोष से 31 लाख रुपये की राशि देने की भी घोषणा की। इसके साथ ही उन्होंने कैबिनेट कृष्ण लाल पंवार, महीपाल ढांडा, रणबीर गंगावा, श्याम सिंह राणा, सांसद नवीन जिंदल और राज्य सभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा की ओर से भी 11-11 लाख रुपये देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि संत-महात्मा, गुरु और महापुरुष न केवल हमारी अमूल्य धरोहर हैं, बल्कि हमारी प्रेरणा भी हैं। उनकी विरासत को संभालने व सहेजने की जिम्मेदारी हम सबकी है। इसलिए प्रदेश सरकार द्वारा संत-महापुरुष विचार सम्मान एवं प्रसार योजना के तहत संतों व महापुरुषों के संदेश को जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है। इस समारोह का आयोजन भी इस योजना के तहत किया गया है।

ऑपरेशन सिंदूर में बेटियों की रही अहम भूमिका: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि अहिल्याबाई का जीवन बताता है कि नारी में केवल कोमलता ही नहीं, संकल्प और नेतृत्व का तेज भी होता है। वे प्रेम और पराक्रम, दोनों की प्रतिमा थीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज देश प्रगति के पथ तेजी से बढ़ रहा है।पहलगाम हमले की निंदा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आतंकवादियों द्वारा हमारी बहन-बेटियों के सामने उनके परिजनों पर योजनाबद्ध तरीके से हमला किया गया था। इस घटना के बाद प्रधानमंत्री ने ठान लिया था कि आतंकवादियों की बची-खुची जमीन को मिटाने का समय आ गया है। इसी सोच के तहत भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकवादियों के ठिकानों को ध्वस्त करने का काम किया जिसमे हमारी बेटी व्योमिका सिंह और सोफिया कुरैशी की अहम भूमिका रही।

पेज एक का शेष

आतंकियों ने नारीशक्ति को...

का एक-एक नागरिक कह रहा है कि अगर तुम गोली चलाओगे तो मान के चलो गोली का जवाब गोले से दिया जाएगा।

लोकमाता को पता था कि बेटियों के विकास के लिए कौनसा रास्ता है : आज अगर बेटियों की शादी की उम्र की चर्चा करें तो हमारे देश में कुछ लोगों को सेक्यूलिरिज्म खतरे में दिखता है। उनको लगता है कि हमारे धर्म के खिलाफ है। देवी अहिल्या को देखिए, मातृशक्ति के गौरव के लिए उस जमाने में बेटियों की शादी की उम्र के बारे में सोचती थीं। भले उनकी शादी कम उम्र में हुई हो, लेकिन उनको सब पता था कि बेटियों के विकास के लिए कौनसा रास्ता होना चाहिए। देवी अहिल्या जी ने महिलाओं का संपत्ति में अधिकार हो, जिन स्त्रियों के पति की असमय मृत्यु हो गई हो, वो फिर विवाह कर सकें, उस कालखंड में ये बातें करना भी मुश्किल होता था। पर देवी अहिल्या ने इन सुधारों में भरपूर समर्थन दिया। उन्होंने मालवा की सेना में महिलाओं की विशेष टुकड़ी भी बनाई थी।

महासम्मेलन में करीब 2 लाख महिलाएं शामिल हुईं : इस सम्मेलन में करीब 2 लाख महिलाएं शामिल हुईं। देवी अहिल्या की 300वीं जन्म जयंती पर उनका भाषण महिला शक्ति पर केंद्रित रहा। उन्होंने देश के विकास से लेकर, देश की सुरक्षा में महिलाओं के बढ़ते योगदान को बताया। पीएम मोदी ने अपने भाषण की शुरुआत करते हुए कहा कि सबसे पहले मैं मां भारती को भारत की मातृशक्ति को प्रणाम करता हूं। यहां इतनी बड़ी संख्या में माताएं-बहनें-बेटियां हमें आशीर्वाद देने आई हैं। मैं आप सभी बहनों के दर्शन पाकर धन्य हो गया हूं। यह लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जन्म जयंती है। 140 करोड़ भारतीयों के लिए ये अवसर प्रेरणा का है। देवी अहिल्या कहती थीं, शासन का सही अर्थ जनता की सेवा करना और उनके जीवन में सुधार लाना होता है। यह कार्यक्रम उनकी सोच को आगे बढ़ाता है।

नेवी की दो वीर बेटियों ने 250 दिन की समुद्री यात्रा पूरी की : मैं आपको नाविका सागर परिक्रमा के बारे में बताना चाहता हूं। नेवी की दो वीर बेटियों ने करीब 250 दिन की समुद्री यात्रा पूरी की है। धरती का चक्कर लगाया है। हजारों किलोमीटर की ये यात्रा उन्होंने ऐसी नाव से की, जो मोटर से नहीं बल्कि हवा से चलती है। सोचिए 250 दिन समुंदर में रहना, कई कई हफ्ते तक जमीन के दर्शन तक नहीं होना, ऊपर से समुद्र का तूफान कितना तेज होता है। खराब मौसम, उन्होंने हर मुसीबत को हराया है। ये दिखाता है कि चुनौती कितनी भी बड़ी हो, भारत की बेटियां उस पर विजय पा सकती हैं। साथियों नकसलियों के खिलाफ ऑपरेशन हो, सीमा पार का आतंक हो, आज हमारी बेटियां भारत की सुरक्षा की ढाल बन रही हैं।

हमारी सरकार की हर बड़ी...

उन्हें लगता था कि परिवार पर बोझ लेगगा, पर आज आयुष्मान ने इसे हल किया है। 2014 से पहले 30 करोड़ से ज्यादा ऐसी बहनें थीं, जिनका बैंक खाता नहीं था, हमने खाते खुलवाए। अब योजना का पैसा सीधा उनके खाते में जाता है। उन्हें मुद्रा गारंटी से लोन मिल रहा है। योजना में 75 प्रतिशत लाभार्थी महिलाएं हैं। 10 करोड़ बहनें सेल्फ हेल्प ग्रुप से जुड़ी हैं। शनिवार को इंदौर मेट्रो की शुरुआत हुई है, दतिया और सतना हवाई सेवा से जुड़ गए हैं। ये प्रोजेक्ट विकास को गति देंगे, रोजगार के नए अवसर बनाएंगे।

लोकमाता ने गवर्नेंस का...

की मूर्ति भी मिलेगी। साथियों, माता अहिल्या ने गवर्नेंस का ऐसा उत्तम मॉडल अपनाया, जिसमें गरीबों और वंचितों को सबसे ज्यादा प्राथमिकता दी। उन्होंने कृषि और वनउपज आधारित कुटीर, हस्त शिल्प को बढ़ाया। खेती को बढ़ावा देने के लिए छोटी-छोटी नहरों की जाल बिछाया। उस जमाने में जलसंरक्षण को बढ़ावा देने के लिए कितने ही तालाब बनवाए। आज तो हम भी कह रहे हैं कि बारिश की एक-एक बूंद को बचाओ। देवी अहिल्या ने 250-300 साल पहले हमें ये काम बताया था। किसानों की आय बढ़ाने के लिए उन्होंने मसालों और कपास की खेती को प्रोत्साहित किया। देवी अहिल्या ने महेश्वरी साड़ी के लिए नए उद्योग लगाए। देवी अहिल्या हुनर की पारखी थीं, वे जूनागढ़-गुजरात से कुछ परिवारों को यहां लाईं, उनको साथ जोड़कर आज से 250-300 साल पहले महेश्वरी साड़ी का काम आगे बढ़ाया।

शशि थरूर की नाराजगी...

आधिकारिक रूप से वापस ले लिया है। जिसमें उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में 7 मई 2025 को भारत की सशस्त्र सेनाओं द्वारा पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में मौजूद लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के कुल 9 आतंकी ठिकानों को नष्ट करने के लिए की गई सटीक कार्रवाई में मारे गए आतंकवादियों और जानमाल की बाकी नुकसान को लेकर पाकिस्तान के समक्ष शोक-संवेदनाएं प्रकट की थीं। थरूर ने अपनी एक्स पोस्ट में यह जानकारी दी।

प्रतिनिधिमंडल ने मजबूती...

का महत्व सिखाया। हम स्वतंत्र, भयमुक्त और ताकत के साथ रहेंगे। यही हम चाहते हैं कि आप (कोलंबिया) भी समझें। थरूर ने कहा कि कोलंबिया खुद लंबे समय तक आतंकवाद से पीड़ित रहा है और अब यहां पर शांति है। उनके अनुभव हमारे लिए महत्वपूर्ण हैं। प्रतिनिधिमंडल ने बोगोटा के तादेओ विश्वविद्यालय में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की अर्ध प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

कोलंबियाई उप विदेश...

और जो वास्तविक स्थिति, संघर्ष व कश्मीर में जो कुछ हुआ। उसके बारे में जो विस्तृत जानकारी हमारे पास है। उसके आधार पर हम भारत के साथ वार्ता जारी रख सकते हैं। कोलंबिया की सरकार भारत के आतंकवाद विरोधी प्रयासों का समर्थन करेगी और जल्द ही इस संबंध में एक बयान भी जारी करेगी।

थरूर के दल में 5...

पूर्व राजदूत के रूप में टी.एस. संधु प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा हैं। जिन्हें भारत सरकार ने दुनिया के पांच देशों जैसे अमेरिका, गयाना, पनामा, ब्राजील और कोलंबिया की यात्रा कर आतंकवाद के खिलाफ भारत के संदेश को पहुंचाने की जिम्मेदारी सौंपी थी।

ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत...

और फिर संघर्ष के अगले दो दिनों में हमने अपने सभी लड़ाकू विमानों को लंबी दूरी के लक्ष्य बनाकर उड़ाया। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष बीते 30 मई से लेकर 1 जून तक सिंगापुर की आधिकारिक यात्रा पर हैं। जिसका उद्देश्य शांगरी-ला-संवाद-2025 में भारत का प्रतिनिधित्व करना है। इस दौरान उनकी दुनिया के कई देशों के अपने समकक्षों और अन्य प्रतिनिधियों के साथ द्विपक्षीय संवाद प्रक्रिया भी जारी है।

ट्रंप के दावे को किया खारिज : सीडीएस से साक्षात्कार में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत-पाकिस्तान के परमाणु युद्ध के करीब पहुंचने के दावे को लेकर भी एक प्रश्न पूछा गया। जिसके जवाब में उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति का यह कहना गलत है कि दोनों देश परमाणु युद्ध के करीब पहुंच गए थे। लेकिन वहीं दूसरी ओर स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए पाकिस्तान के साथ बातचीत के रास्ते हमेशा खुले हुए हैं। मेरा व्यक्तिगत पक्ष ये है कि पारंपरिक सैन्य अभियानों और परमाणु हथियारों के इस्तेमाल के बीच काफी गुंजाइश रहती है। भारत और पाकिस्तान के सैन्य नेतृत्व ने पूरे संघर्ष के दौरान विवेकपूर्ण और जिम्मेदाराना व्यवहार किया। जिससे तनाव के बावजूद हालात नियंत्रण से बाहर न जा सकें।

7, 8 और 10 मई को की सटीक स्ट्राइक : उन्होंने कहा, 7, 8 और 10 मई को भारत ने बेहद सटीक कार्रवाई की और पाकिस्तान के वायु ठिकानों को गहराई से निशाना बनाया। जिसमें पाकिस्तान की वायु रक्षा प्रणाली को भेद दिया। 10 मई को भारत ने हर तरह के विमानों और हथियारों का इस्तेमाल किया। पाक को हुए नुकसान के एक प्रश्न के जवाब में सीडीएस ने कहा कि नुकसान के बारे में हमारे बताने के अलावा इस बात की पुष्टि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न माध्यमों से सामने आई कई सैटेलाइट तस्वीरों से भी हो चुकी है।

एलएसी पर नहीं देखी असामान्य स्थिति : जनरल चौहान ने संघर्ष के दौरान चीन की तरफ से कोई चुनौती मिलने के प्रश्न को लेकर कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद से हमारी उत्तरी सीमा (चीन से लगी एलएसी का इलाका) पर कोई असामान्य गतिविधि नहीं देखी गई। जब उनसे ये पूछा गया कि क्या चीन ने पाकिस्तान को सैटेलाइट इमेजरी दी। तो जवाब में भारत के सीडीएस ने कहा कि वर्तमान में ऐसी सूचनाएं व्यावसायिक रूप से भी उपलब्ध हैं। चीन से ही नहीं, अन्य स्त्रोतों से भी ली जा सकती हैं।

नुकसान युद्ध परिदृश्य का एक...

एक दमदार हां है। हमारे सभी पायलट घर वापस आ गए। उन्होंने कहा था कि मैं विमानों के नुकसान पर टिप्पणी नहीं करना चाहूंगा। क्योंकि हम अभी भी युद्ध में हैं और विरोधी पर बढ़त बनाए हुए हैं।

आतंकियों ने की 26 निर्दोष...

भारत की सशस्त्र सेनाओं ने इन्हें सफल नहीं होने दिया और दुश्मन के हर वार को तुरंत नाकाम कर दिया। वर्तमान में भारत ने पाकिस्तान को ये साफ कर दिया है कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। इसे सिर्फ स्थगित किया गया है। अगर पाकिस्तान ने भारत पर दोबारा पहलगाम जैसा आतंकी हमला करने की कोशिश की तो उसे भारत के खिलाफ युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा और उसका जवाब उसी की तरह से ही दिया जाएगा। भविष्य में पाकिस्तान के साथ होने वाली बातचीत केवल आतंकवाद और पीओके के इलाके को खाली करने पर होगी। दोनों देशों के बीच सिंधु जल समझौता स्थगित है, द्विपक्षीय व्यापार बंद है, कूटनीतिक रूप से भी संबंध पटरी से उतर गए हैं।

सांसद बृजमोहन बने ...

करूंगा। एफसीआई जैसी महत्वपूर्ण संस्था के परामर्शदात्री निकाय का नेतृत्व कर पाना मेरे लिए सेवा का एक और माध्यम है।

चौहान ने "विकसित कृषि संकल्प...

इस अभियान से जोड़ दिया है। इस अभियान के तहत गठित की गई टीमें देश के सभी राज्यों में किसानों के साथ कृषि ज्ञान एवं विज्ञान को साझा करेंगी तथा विकसित कृषि के लक्ष्य को वास्तविकता में बदलने के लिए उन्हें प्रेरित करेंगी। ये टीमें गाँवों मे जाकर किसानों को जलवायु अनुकूल किस्मों का उपयोग, उर्वरकों का संतुलित उपयोग, मृदा में पोषक तत्वों की जानकारी एवं उनका संरक्षण तथा फसलों में लगने वाले रोग एवं उनके उपचार, कृषि में विविधिकरण को बढ़ावा देने वाली तकनीकों के बारे में विस्तृत जानकारी देंगी।

कृषि में विविधिकरण उपयोगी साबित होगा : उन्होंने कहा कि वर्तमान चुनौतियों को देखते हुए कृषि में विविधिकरण को बढ़ावा देने वाली तकनीकों प्राकृतिक खेती, कृषि में ड्रोन का उपयोग, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य पालन इत्यादि, प्रमुख विषयों पर कृषकों को जानकारी देने के लिए यह अभियान बहुत उपयोगी साबित होगा। इस अभियान के तहत इन सभी विषयों पर किसानों के साथ चर्चा होगी और उनकी जिज्ञासाओं का उपयुक्त समाधान भी संबंधित विषय विशेषज्ञों द्वारा किया जायेगा। इस अभियान का त्वरित लाभ किसानों को आगामी खरीफ की फसलों पर होगा।

वैज्ञानिकों से संवाद करें किसान : चौहान ने कहा कि सभी संबंधित हितधारकों के साथ मिलकर क्रियान्वित किया जाने वाला यह अभियान विकसित भारत के लिए चलाए जा रहे प्रयोगशाला से खेत तक कार्यक्रम में सार्थक योगदान देगा तथा उसको सशक्त बनाएगा। केंद्रीय कृषि मंत्री ने विधायकों से आग्रह करते हुए कहा है कि वे किसानों को प्रोत्साहित करें कि वे वैज्ञानिकों से संवाद करें व प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लें। हमारा उद्देश्य है कम लागत, अधिक उत्पादन, टिकाऊ खेती, और लाभकारी कृषि।

चेंज और चैलेंज के दौर में भविष्य संवारने के लिए नए मानक तय करने होंगे

- एसजीटीयू में अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में विशेषज्ञों ने दिए महत्वपूर्ण सुझाव
- आईआईसी का आयोजन हाइब्रिड मोड में किया गया
- विषय "रीवायरिंग द फ्यूचर थ्रू लॉ, मैनेजमेंट, कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी एंड इंजीनियरिंग फॉर ए सस्टेनेबल टुमारो"

गुरुग्राम। भविष्य को नए सिरे से संवारना है तो नए उपाय करते हुए नए मापदंड-मानक तय करने होंगे। प्रबंधन, कानून कम्युनिकेशन और तकनीक एवं इंजीनियरिंग के चार स्तंभों पर आधारित होगी सुखद कल की मुहिम। देश की प्रतिष्ठित एसजीटी यूनिवर्सिटी में दो दिन चली इंटरनेशनल इंटर डिसिप्लिनरी कांफ्रेंस में देश-विदेश के विषय विशेषज्ञों के दो दिन चले गंभीर मंथन के बाद यह निष्कर्ष निकला है। एसजीटी यूनिवर्सिटी के विधि संकाय द्वारा मास कम्युनिकेशन एंड मीडिया टेक्नोलॉजी संकाय के सहयोग से अंतरराष्ट्रीय अंतर्विषयी सम्मेलन (आईआईसी 2025) का आयोजन हाइब्रिड मोड में किया गया। इसका विषय रखा गया था "रीवायरिंग द फ्यूचर थ्रू लॉ, मैनेजमेंट, कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी एंड इंजीनियरिंग फॉर ए सस्टेनेबल टुमारो" हर वक्ता ने 'रिवायरिंग द फ्यूचर' की अपने अनुभव, शिक्षा व अनुसंधान से व्याख्या की।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला लेने के लिए पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के अचानक स्थगन के बाद से भारत की स्वतंत्र विदेश नीति पर प्रश्न खड़े हुए हैं। पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई के लिए किए गए ऑपरेशन सिंदूर समेत भारत के सभी कदमों को वैश्विक समर्थन नहीं मिला, जिसकी भारत को अपेक्षा थी। यह अपेक्षा इसलिए थी कि लंबे समय से विश्व में अनेक देशों के मित्र होने की कूटनीतिक आभा रची जा रही थी। चिर मित्र रूस ने भी तटस्थ रहकर चौंकाया। जब ऑपरेशन सिंदूर सफलता से चल रहा था, तो भारत ट्रंप की ट्रेड ब्लैकमेलिंग का शिकार क्यों हुआ? भारत व पाक के बीच पूर्ण संघर्षविराम का पहले ऐलान कर अमेरिकी राष्ट्रपति ने विश्व स्तर पर भारत की स्वतंत्र विदेश नीति को नुकसान पहुंचाया। इससे विश्व में भारत के लिए एक कूटनीतिक वैक्यूम पैदा हो गया। सरकार ने सर्वदलीय सांसदों का प्रतिनिधिमंडल 33 देशों में भेजा, जिसने आतंकवाद पर भारत के रुख को स्पष्ट किया, पाकिस्तान की आतंकपरस्ती को बेनकाब किया और कूटनीतिक करेक्शन से अमेरिकी झूठ का पर्दाफाश भी किया। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने विश्व को आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने का पैगाम दिया है। इस सर्वदलीय विदेश यात्रा के मकसद का विश्लेषण करता आजकल का ताजा अंक...

आतंकवाद के खिलाफ एक्शन का पैगाम

सांसदों के विदेश दौरे का विश्लेषण

प्रभात कुमार रॉय
विदेश मामलों के जानकार

भारत पाक सैन्य संघर्ष में युद्ध विराम के तत्पश्चात भारत सरकार द्वारा प्रमुख राजनीतिक पार्टियों का एक संयुक्त सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल दुनिया भर के तीस से अधिक प्रमुख देशों के शीर्ष लीडरों को भारत का कूटनीतिक पैगाम देने के लिए भेजा गया। भारत का प्रबल पैगाम है कि पाकिस्तान द्वारा प्रेरित और पोषित जिहादी आतंकवाद के विरुद्ध वस्तुतः भारत का दृष्टिकोण और रणनीति जीरो टॉलरेंस से ओतप्रोत है। भारत वस्तुतः जिहादी आतंकवाद के विरुद्ध विगत 36 वर्षों से निरंतर विकट संग्राम कर रहा है। भारतीय संसद द्वारा एकमत से पारित प्रस्ताव को अमलीजामा पहनाना है कि संपूर्ण कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और पाक अधिकृत कश्मीर पर अपना आधिपत्य स्थापित करना है।

भारत पाक सैन्य संघर्ष के उपरांत कुछ यक्ष प्रश्न उठ खड़े हुए हैं? पहला यक्ष प्रश्न है कि भारत का एक सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल दुनिया के 30 से अधिक प्रमुख देशों में आखिरकार क्यों भेजा गया? दूसरा यक्ष प्रश्न है आखिरकार मात्र चार दिनों के सैन्य संघर्ष के बाद पाकिस्तान से भारत को युद्ध विराम क्यों करना पड़ गया? तीसरा यक्ष प्रश्न यह है कि क्या भारत की सैन्य तैयारियों में पाकिस्तान को निर्णायक तौर पर पराजित करने के लिए अत्यंत कमी महसूस की गई? भारत पाक सैन्य संघर्ष में युद्ध विराम के तत्पश्चात भारत सरकार द्वारा प्रमुख राजनीतिक पार्टियों क्रमशः बीजेपी, कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके, एनसीपी, जदयू, बीजेडी, सीपीएम, शिवसेना, और आप पार्टी का एक संयुक्त सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल दुनिया भर के तीस से अधिक प्रमुख देशों के शीर्ष लीडरों को भारत का कूटनीतिक पैगाम देने के लिए भेजा गया।

जिहादी आतंकवाद के विरुद्ध पैगाम

भारत का प्रबल पैगाम है कि पाकिस्तान द्वारा प्रेरित और पोषित जिहादी आतंकवाद के विरुद्ध वस्तुतः भारत का दृष्टिकोण और रणनीति जीरो टॉलरेंस से ओतप्रोत है। भारत वस्तुतः जिहादी आतंकवाद के विरुद्ध विगत 36 वर्षों से निरंतर विकट संग्राम कर रहा है। 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में अंजाम दिए गए नृशंस आतंकवादी आक्रमण का सैन्य प्रतिशोध लेने के लिए पाकिस्तान हुकूमत एवं सेना की कयादत में संचालित आतंकवादी प्रशिक्षण शिविरों को नष्ट करने के लिए भारत ने 7 मई से 10 मई तक सैन्य ऑपरेशन सिंदूर अंजाम दिया। सांसदों का सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल द्वारा एशिया, अफ्रीका, यूरोप और लैटिन अमेरिकी सरकार के प्रमुख लीडरों से मुलाकात की गई। भारत के संसदीय प्रतिनिधिमंडल में प्रमुख चेहरे रहे, बीजेपी के विजयंत पांडा, रवि शंकर प्रसाद, अपराजिता सारंगी, अनुराग ठाकुर, जदयू के संजय कुमार झा, कांग्रेस के सांसद शशि थरूर, मनीष तिवारी, सलमान खुर्शीद, श्रीकांत एकनाथ शिंदे और एनसीपी की सुप्रिया सुले, डीएमके की सांसद कनिमोझी, शिवसेना की प्रियंका चतुर्वेदी। सांसद बैजयंत जय पांडा सऊदी अरब के शेख लीडरान से मुखातिब हुए। डीएमके की सांसद कनिमोझी करुणानिधि ने ग्रीस की लीडरशिप से मुलाकात की। दक्षिण अफ्रीका एवं अन्य अफ्रीकी देशों के लीडरों से मिलने पहुंची नेशनल कांग्रेस पार्टी की सांसद सुप्रिया सूले। इटली की राजधानी रोम और फ्रांस की राजधानी पेरिस में शीर्ष लीडरों से मुलाकात की सांसद रवि शंकर प्रसाद ने। मनीष तिवारी ने मुलाकात की मध्य एशिया और यूरोप के लीडरों से। सलमान खुर्शीद ने मुलाकात की दक्षिण एशिया के देशों के लीडरों से विशेष कर दक्षिण कोरिया, जापान और सिंगापुर के लीडरों से। अमेरिका तथा लैटिन अमेरिकन के देशों का कूटनीतिक दौरा अंजाम दिया कांग्रेस के सांसद शशि थरूर ने। यक्ष प्रश्न है कि भारत सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आखिरकार ऐसा कूटनीतिक निर्णय क्यों लिया गया कि भारतीय सांसदों का सर्वदलीय प्रतिनिधि मंडल दुनिया भर के तीस से अधिक प्रमुख देशों में भेजा गया? जिहादी आतंकवाद के विरुद्ध अंजाम दी गई अपनी शानदार सैन्य कार्यवाही के विषय में विश्व भर को अवगत कराने की भारत सरकार को आखिरकार क्यों जरूरत पड़ गई? आखिरकार संसदीय प्रतिनिधिमंडल के केवल 10 दिनों के कूटनीतिक दौरे की वास्तविक उपलब्धि क्या रहेगी?

प्रमुख राष्ट्रों से समर्थन की उम्मीद

दरअसल भारत को विश्व भर के प्रमुख राष्ट्रों से पाकिस्तान के विरुद्ध जारी सैन्य संघर्ष के दौरान जबरदस्त समर्थन की उम्मीद थी। विश्व पटल पर वैश्विक जिहाद आतंकवाद की सबसे बड़ी निर्माणशाला और पनाहगाह कहे जाने वाले पाकिस्तान को अपना प्रबल समर्थन प्रदान करने के लिए तुर्किये, अजरबैजान, चीन और अमेरिका स्पष्ट तौर पर सामने आ गए। भारत का प्रबल समर्थन करने में इस दफा रूस द्वारा कदाचित कोई गहन दिलचस्पी प्रकट नहीं की गई। सन् 1947 से सदैव ही कश्मीर विवाद के प्रश्न पर भारत का एक तरफा सक्रिय समर्थन करने वाले रूस ने भी इस दफा दोनों संघर्षरत पक्षों के मध्य सुलह कराने के लिए केवल अपनी मध्यस्थता प्रस्तुत कर दी। पाकिस्तान द्वारा प्रेरित और पोषित जिहादी आतंकवादियों के द्वारा कम से कम 60 दफा गहरे जख्म झेलने वाला अमेरिका भी पाकिस्तान के पक्ष में खड़ा नजर आया। चीन द्वारा तो खुलकर सार्वभौमिकता के नाम पर पाकिस्तान का प्रबल समर्थन किया गया। पाकिस्तान के विरुद्ध सैन्य संघर्ष के दौरान भारत के लिए विश्व पटल पर बहुत बड़ा कूटनीतिक झटका रहा। संभवतः यही सबसे बड़ा कारण रहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल को दुनिया के 30 से अधिक प्रमुख देशों में भेजा, ताकि भारत के पक्ष को कूटनीतिक तौर पर विश्व के प्रमुख राष्ट्रों के समक्ष प्रस्तुत किया जा सके। यह जरूरी था या नहीं, यह अलग विषय है और इसके बाद क्या भारत अपना कूटनीतिक मकसद पूरा कर पाया कि नहीं, इसका भी पता बाद में ही चलेगा।

इंदिरा गांधी ने भी भेजा था प्रतिनिधिमंडल

क्वॉड्रिलैटरल डायलॉग (क्वाड) हालांकि कोई रणनीतिक मोर्चा नहीं है, किंतु क्वाड में चीन के विस्तारवाद के विरुद्ध भारत एक बड़ी भूमिका का निर्वाह कर रहा है। दुर्भाग्य से क्वाड द्वारा भी सैन्य संघर्ष के दौरान भारत के प्रति नैतिक समर्थन तक व्यक्त नहीं किया गया। जब सन 1971 में पाकिस्तान और भारत के मध्य एक बड़ी निर्णायक बांग्लादेश जंग हुई थी, उस ऐतिहासिक दौर में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा महान स्वतंत्रता सेनानी और सर्वोदय नेता जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में एक सर्वदलीय कूटनीतिक प्रतिनिधिमंडल भारत का पक्ष प्रस्तुत करने के लिए विश्व के अनेक प्रमुख देशों में भेजा गया था। आजादी हासिल होने के तत्पश्चात भारतीय संसद द्वारा दो अंतरराष्ट्रीय पार्लियामेंट्री संगठनों में अपनी सक्रिय भागीदारी जारी रखी गई है। विश्व पटल पर अपनी कूटनीतिक शक्ति को बढ़ाने के लिए भारत को निरंतर प्रयास करना होगा। खासतौर पर अपने परंपरागत रणनीतिक साझेदार रूस को अपने पक्ष में लाने के लिए गहन कूटनीतिक प्रयास करने होंगे। जब भारत गुटनिरपेक्ष आंदोलन की कयादत कर रहा था और और शीत युद्ध के दौर में किसी सैन्य गुट में शामिल नहीं था, तब भी सोवियत संघ रणनीतिक रूप से भारत के साथ दमदार ढंग से खड़ा था। फिर आखिर कहां कूटनीति चूक हो गई है कि रूस पाकिस्तान को अपना राजनीतिक पार्टनर करार देने लगा है। क्या यह रक्षा बाजार की चाहत है?

आतंकवाद के संपूर्ण तंत्र को नष्ट करना जरूरी

दूसरा यक्ष प्रश्न है कि आखिरकार ऐसी कौन सी कूटनीतिक मजबूरी थी कि भारत को चार दिनों के सैन्य संघर्ष के बाद ही पाकिस्तान से युद्ध विराम करने पर विवश होना पड़ा? भारत जिहादी आतंकवाद के विरूद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति का ऐलान करता रहा है। मात्र चार दिनों की सैन्य कार्रवाई से आतंकवाद को पाकिस्तान की सरजमीं से समाप्त करना नामुमकिन है। आतंकवाद को निर्णायक तौर पर समाप्त करने के लिए पाकिस्तान की फौज को निर्णायक तौर पर सन् 1971 की जंग की तरह पुनः एक दफा और पराजित करना होगा। पाकिस्तान में जिहादी आतंकवाद दरअसल पाकिस्तानी फौज के हुक्मरानों और इनके तहत काम करने वाली आईएसआई के संरक्षण और परिपोषण द्वारा पल्लवित होता रहा है। पाकिस्तान की सरजमीं से जिहादी आतंकवाद को समूल नष्ट करने के लिए सिर्फ आतंकवादियों को कत्ल करना ही काफी नहीं है वरन संपूर्ण तंत्र को नष्ट करना अति आवश्यक है जोकि जिहादी आतंकवादियों का निर्माण करता है और उनको संचालित करता है।

भारत और पाकिस्तान की तरफ से आधिकारिक तौर पर संघर्ष विराम का ऐलान किया जाता, उससे कहीं पहले अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बयान जारी कर दिया और दावा पेश कर दिया कि उनकी हुकूमत ने दोनों मुल्कों में मध्यस्थता अंजाम दी। अमेरिकी कूटनीति के दबाव में दोनों देश तुरंत और पूर्णतः संघर्ष विराम करने के लिए सहमत हो गए। दूसरी ओर भारत सरकार का कहना है कि युद्ध विराम पाकिस्तान के डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशन (डीजीएमओ) की पहल पर अंजाम दिया गया। भारत सरकार द्वारा डोनाल्ड ट्रंप के युद्ध विराम कराने के कूटनीतिक दावे का खंडन तो कदाचित नहीं किया गया, लेकिन प्रेसिडेंट ट्रंप के दावे की बाकायदा पुष्टि भी नहीं की गई। ट्रंप द्वारा भारत पर थोपी गई युद्ध विराम की कूटनीतिक पहल से भारत सरकार की स्वतंत्र विदेश नीति पर क्या एक प्रश्न चिन्ह खड़ा नहीं हो गया है? तीसरा यक्ष प्रश्न है कि क्या आतंकवाद के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की कार्य नीति का ऐलान करने वाली भारत सरकार के पास पाकिस्तान फौज को निर्णायक तौर पर परास्त करने के लिए पर्याप्त सैन्य शक्ति विद्यमान नहीं थी? एक सार्वजनिक कार्यक्रम में भारतीय वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह ने महत्वपूर्ण डिफेंस सिस्टम खरीद-फरोख्त और उसकी डिलीवरी में हो रहे अतिशय विलंब पर वायु सेना में हो रही गहरी चिंता का इज़हार किया है। उन्होंने किसी भी डिफेंस प्रोजेक्ट को वक्त से पूरा न होने का भी उल्लेख किया और घरेलू डिफेंस डील पर भी कुछ बातें पेश की और कहा कि भारतीय वायुसेना हार्डवेयर के अभाव से लंबे वक्त से जूझ रही है। सेना के पास अत्याधुनिक स्टेल्थ फाइटर विमान विद्यमान नहीं है।

रक्षा तैयारियों में अत्यंत तीव्रता लाना आवश्यक

अनेक रक्षा विशेषज्ञों का कथन है कि भारतीय सैन्य रक्षा सामग्री की खरीदारी और डिलीवरी में एक लंबा अंतराल होने के कारण भारतीय सेना में हताशा निरंतर गति से बढ़ रही है। एयर चीफ मार्शल का बयान इस तथ्य को प्रकट करता है कि 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में अंजाम दिए गए आतंकवादी आक्रमण और 7 मई को पाकिस्तान के अंदर भारतीय वायु सेना द्वारा अंजाम दिए गए हवाई हमलों के तत्पश्चात दोनों देश युद्ध के लिए आमने-सामने आ गए थे। 10 मई को युद्ध विराम पर सहमति बनने के बाद भी दोनों ओर से ड्रोन हमले और सीमा पर जबरदस्त गोलाबारी हुई। इस चार दिवसीय सैन्य झड़प के बाद भारत में रक्षा तैयारियों में अत्यंत तीव्रता लाने की चर्चा ने बहुत जोर पकड़ लिया है। रक्षा विशेषज्ञों का विचार है कि भारत की रक्षा तैयारियों में और अधिक तेजी लाने की जरूरत के संदर्भ में एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह के बयान को स्पष्ट तौर पर समझा जाना चाहिए। सन् 1993 में संसद द्वारा पारित प्रस्ताव को अमलीजामा पहनाना है कि संपूर्ण कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और पीओके को पाक से लेना है। इस लक्ष्य को ध्यान में रखकर भारत को अपनी सैन्य तैयारी अत्यंत तेज कर देनी चाहिए।

कूटनीतिक मकसद साधने की पहल यात्रा

प्रतिनिधिमंडल

अवधेश कुमार
वरिष्ठ स्तंभकार

इस समय सभी दलों के सांसदों का प्रतिनिधिमंडल सात समूहों में दुनिया के अलग-अलग 33 देशों की यात्राओं पर है। इनके साथ विदेश मंत्रालय के कुछ पुराने और अनुभवी राजनयिक भी हैं। स्वाभाविक ही आवश्यकता अनुसार विदेश मंत्रालय की ओर से भी प्रतिनिधि हैं और यात्रा से संबंधित देशों का दूतावास भी पूरी तरह इनके साथ लगा है। 23 से 3 जून तक प्रतिनिधिमंडल विदेश यात्रा पर रहेगा। सामान्य तौर पर इसका लक्ष्य यही बताया गया है कि ऑपरेशन सिंदूर और उसके पूर्व पहलगाम हमले को केन्द्र में रखते हुए पाकिस्तान की दुर्नीतियों, संपूर्ण आतंकवादी विषयों पर भारत का पक्ष सविस्तार रखने के साथ उन्हें अपने पक्ष से सहमत कराने की भी कोशिश होगी।

हालांकि विपक्ष के सांसद इसमें शामिल हैं किंतु जिस तरह की आवाजें उठीं वह इस विषय पर अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के संदर्भ में भी भारत की अपरिहार्य आंतरिक राजनीतिक एकता के विपरीत था। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर इसे प्रधानमंत्री की विदेश नीति और कूटनीति की सफलता का प्रतिबिंब बता दिया। उन्होंने कहा कि आज उन्हें मजबूर होकर सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजना पड़ रहा है। कांग्रेस ,तृणमूल आदि पार्टियों की समस्या यह भी थी कि हमसे बिना पूछे हमारे सांसदों को क्यों शामिल किया गया और जिन्हें हम नहीं चाहते थे वे उसमें क्यों हैं? इस विषय पर दो राय हो सकती हैं पर सरकार को भी यह अधिकार होना चाहिए कि ऐसे मामलों में सूक्ष्मता से योग्यता के आधार पर सांसदों का चयन कर उन्हें विदेश भेजा जाए और चूंकि सभी सांसद उनकी पार्टियों के ही हैं इसलिए समस्या नहीं होनी चाहिए। हमारे देश में अत्यंत कठिन समय में भी ऐसे राजनीतिक विवेक की अपेक्षा हम नहीं कर सकते। बहरहाल इस विषय को छोड़ आगे बढ़ते हैं।

सूक्ष्मता से किया देशों का चयन

यह इतिहास का अब तक का सबसे व्यापक और अभूतपूर्व प्रतिनिधिमंडल है। साफ है कि इसके उद्देश्य आम समझ से ज्यादा व्यापक होंगे और यह पूरी तरह इस समय स्पष्ट भी नहीं हो सकता। इसकी योजना कितनी सूक्ष्मता और व्यापक विचार विमर्श के बाद बनाई गई है, यह इससे पता चलती है कि पाकिस्तान की मदद करने वाले तीन देश तुर्किया, चीन और अज़रबैजान इसमें शामिल नहीं हैं। यानी उन देशों पर समय नष्ट क्यों करें जो हमारी बात न सुनेंगे न समझेंगे। पहलगाम हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं चीन के अलावा सुरक्षा परिषद के चार स्थायी सदस्यों के प्रमुखों से बातचीत की थी। इसी तरह विदेश मंत्री एस जयशंकर भी 10 अस्थायी सदस्यों में पाकिस्तान को छोड़कर नौ के विदेश मंत्रियों से बातचीत कर चुके हैं।

ओआईसी के देशों का भी दौरा

भारतीय प्रतिनिधिमंडल इस्लामिक देशों के संगठन ओआईसी यानी इस्लामिक सम्मेलन संगठन के भी कई देशों की यात्रा करेंगे। प्रधानमंत्री पहलगाम हमले के समय सऊदी अरब की यात्रा पर थे और वहां से बीच में उन्हें वापस आना पड़ा। सऊदी अरब पाकिस्तान का भी मित्र

देश है लेकिन उसने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ होने की बात कही थी। ओआईसी देश जम्मू कश्मीर पर बीच-बीच में भारत विरोधी प्रस्ताव पारित कर देते हैं। इस संगठन ने ऑपरेशन सिंदूर के विरुद्ध भी बयान जारी किया था। तो यह आवश्यक है कि उनसे भी संपर्क करके अपनी बात बताई जाए।

यह सोच ही निराधार है कि ऑपरेशन सिंदूर विषय पर अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में भारत का पक्ष कमजोर है इसलिए हमें प्रतिनिधिमंडल भेजना पड़ रहा है। ऑपरेशन सिंदूर के बीच, उसके पहले तथा बाद में भी हमारी कूटनीति एक क्षण के लिए रुकी नहीं। संपूर्ण विश्व में विदेश मंत्री, विदेश सचिव, अन्य अधिकारी व स्वयं प्रधानमंत्री बातचीत करते रहे। विश्व के किसी प्रमुख देश ने भारत की कार्रवाई का न विरोध किया और न एक प्रतिकूल बयान दिया। विश्व के प्रमुख देशों का चरित्र है कि जब आतंकवादी हमले होंगे, वे इसके विरुद्ध बयान जारी करेंगे, साथ होने की भी घोषणा करेंगे किंतु जब आप साहस के साथ पराक्रम और पुरुषार्थ दिखाते हुए सीमा पार कर कार्रवाई करेंगे तो कोई सक्रिय साथ देने नहीं आएगा। कुछ देशों की छाती फटेगी और युद्ध रोकिए, युद्ध रोकिए की आवाज उठेगी। वही हुआ है। भारत का संकल्प अटूट है । प्रधानमंत्री ने स्वयं ऑपरेशन सिंदूर को अखंड प्रतिज्ञा कहा है।

भारत की घोषणा दो टूक है कि आतंकवादी कार्रवाई युद्ध मानी जाएगी, पाकिस्तान के साथ न व्यापार होगा, न बातचीत और उसने आतंकवाद नहीं रोका तथा सैन्य दुस्साहस किया तो हम इससे ज्यादा शक्ति से कार्रवाई करेंगे। पाकिस्तान इस्लाम या मजहब के नाम पर भी दुनिया में गलतफहमी न पैदा कर सके न कोई देश या वैश्विक संगठन आरोप लगाये कि भारत सभी को नजरअंदाज कर स्वयं ताकत यानी दादागिरी की तरह कार्रवाई कर रहा है। व्यापक प्रतिनिधिमंडल विश्व के विस्तृत क्षेत्रों में जाने का अर्थ ही है कि भारत भविष्य में आतंकवाद को जड़ मूल से नष्ट करने तक पाकिस्तान के विरुद्ध लंबी सतत कार्रवाई की तैयारी कर चुका है। इस यात्रा के उद्देश्यों को समझने की दृष्टि से कांग्रेस सांसद शशि थरूर द्वारा न्यूयॉर्क में दिए गए विस्तृत वक्तव्य के कुछ बातों का उल्लेख प्रासंगिक है। उदाहरण के लिए हम अर्थव्यवस्था को बढ़ाने के लिए अकेले रह सकते हैं लेकिन पाकिस्तान भारत के नियंत्रण वाले क्षेत्र को लेने की लालसा रखता है और चूंकि युद्ध से नहीं जीत सकता तो आतंकवाद के द्वारा कोशिश कर रहा है। इस तरह किसी को रत्ती भर भी संदेह नहीं होना चाहिए कि प्रतिनिधिमंडल भेजने के पीछे भारत की वर्तमान तथा भविष्य में होने वाली कार्रवाइयों के लिए व्यापक आधार बनाना है जिसमें पाकिस्तान को अलग-अलग करने की भी स्थिति पैदा हो। प्रधानमंत्री ने बीकानेर के भाषण में साफ रहा है कि आतंकवादी हमले हुए तो पाकिस्तान की सेवा और अर्थव्यवस्था को भी नुकसान उठाना पड़ेगा। भारत का उद्देश्य सभी देशों में कार्यपालिका व विधायिका के सदस्यों, बड़े थिंक टैंकों, प्रभावशाली विदेश नीति विशेषज्ञों, मीडिया, जनता और राजनीतिक विचारों के विभिन्न वर्गों से बात कर उनको सहमत कराने के लिए पूरी घटना के आगे-पीछे का विवरण और वैश्विक आतंकवाद की स्थिति से अवगत कराते हुए बताना है कि आतंकवाद विश्व की साझी समस्या है और मिलकर इससे लड़ना होगा।

सीमा पर मूल समस्या बरकरार

आप न्यूयॉर्क में यह बोलते हैं तो लोगों की समझ में आता है। जिन देशों ने आतंकवादी हमले झेले, उनकी टीस कुरेदकर स्थिति से अवगत कराने की रणनीति है। अगर विश्व मान रहा है कि भारत पाकिस्तान की सीमा पर शांति है तो उसे यह भी याद दिलाना होगा कि मूल समस्या बनी हुई है। पाकिस्तान मजहब आधारित आतंकवाद के माध्यम से भारत को तोड़ना चाहता है।

अपनी ताकत का एहसास कराए भारत

दो टूक

रवि शंकर
वरिष्ठ पत्रकार

भारत-पाकिस्तान तनाव के बाद पाकिस्तान को बेनकाब करने के लिए भारत का सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल विदेश दौरे पर है। इस दौरे पर कई मुस्लिम देश भी शामिल हैं। यह कदम जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के जवाब में सेना के ऑपरेशन सिंदूर के बाद उठाया गया है। इस दौरे का मकसद आतंकवादी गतिविधियों और पाकिस्तान की नीतियों के विरुद्ध भारत की एकजुटता को प्रदर्शित करना भर ही नहीं, अपितु पाकिस्तान को वैश्विक राजनीति के पटल पर अलग-थलग करना और उसके समर्थकों को भी बेनकाब करना है। साथ ही दुनिया को यह बताना भी है कि पाकिस्तान की रीति-नीति और आतंकियों को समर्थन और संरक्षण न सिर्फ भारत के लिए, बल्कि दुनिया के लिए खतरा है। साथ ही, इन समूहों की 33 देशों की यात्रा का मकसद यह संदेश देना भी है कि भारत अब अपने राष्ट्रीय हितों से किसी प्रकार का समझौता या खिलवाड़ स्वीकार नहीं करेगा। मतलब साफ है, भारत के सामने चुनौती दुनिया को यह बताने की है कि चूंकि पाकिस्तान भारत केंद्रित आतंकवाद को संरक्षण एवं बढ़ावा देने में लगातार जुटा हुआ है, इसलिए आतंकवादी ठिकानों को खुद नष्ट करने के अलावा हमारे पास कोई और विकल्प नहीं था या है। साफ है,भारत का लक्ष्य न केवल पाकिस्तान को बेनकाब करना है, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक सहमति बनाना और अपनी कूटनीतिक स्थिति को मजबूत करना भी है। इन 33 देशों में से अधिकांश संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी)के वर्तमान या भविष्य के सदस्य हैं, या फिर भारत के साथ उनके आर्थिक,रक्षा,और सांस्कृतिक संबंध हैं।

आतंक का गढ़ है पाकिस्तान

उदाहरण के लिए,गुयाना में भारतीय समुदाय की महत्वपूर्ण उपस्थिति है और वह यूएनएससी का अस्थायी सदस्य भी है। इस तरह देखा जाए तो भारत ने इन 33 देशों का चयन इसलिए किया क्योंकि ये देश वैश्विक और क्षेत्रीय मंचों पर प्रभावशाली हैं और यूएनएससी के सदस्य हैं या भारत के रणनीतिक साझेदार हैं। पाकिस्तान आतंकवाद का अड्डा है,यह कोई नई सूचना नहीं है। दुनिया इस तथ्य से परिचित है कि गुजरे तीन-चार दशकों में दुनियाभर में हुए बहुत से आतंकवादी हमलों की साजिश पाकिस्तान में रची गई या पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों ने उन्हें अंजाम दिया। भारत के खिलाफ पाकिस्तान की सेना और खुफिया एजेंसियों ने नीतिगत रूप से आतंकवाद को प्रश्रय दिया है, जिसमें अक्सर वहां की सरकारों की सहमति भी रही है। यह जानकारी भी तमाम देशों के पास मौजूद है। इसके बावजूद अफसोजनक सूरत यह है कि विश्व के शक्तिशाली देश पाकिस्तान को हर तरह की मदद देते रहे हैं। उनमें चीन और अमेरिका उसे आधुनिक हथियार भी देते रहे हैं।

रूस की तटस्थता ने चौंकाया

हाल के वर्षों में हथियार और एक हद तक कूटनीतिक समर्थन देने देने वाले देशों में रूस भी शामिल हो गया है। अमेरिका की जो भी नीति हो,

उसमें बाकी पश्चिमी देशों का सहज समर्थन रहता है। बदले विश्व समीकरणों के बीच पाकिस्तान और चीन के बीच सैन्य अंतर्संबंध और सहयोग तेजी से बढ़े हैं। उधर अपनी रणनीतिक जरूरतों के तहत पाकिस्तान के अमेरिका से सामरिक रिश्ते आज भी बने हुए हैं। इन समीकरणों का ही परिणाम है कि पहलगाम हमले के बावजूद, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पारित प्रस्ताव में पाकिस्तान या लश्कर-ए-तैयबा के नाम का उल्लेख नहीं हुआ। वहीं अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने पाकिस्तान के लिए ऋण की अगली किस्त जारी की, जो बिना अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों के समर्थन के नहीं हो सकता था। इस बीच चीन और तुर्किये जैसे देशों का खुला समर्थन पाकिस्तान के पक्ष में रहा,जबकि रूस तटस्थ बना रहा। उधर खाड़ी के धनी देश मध्यस्थता करने की कोशिश में जुटे रहे, ताकि लड़ाई सीमित रहे।

ये अहम सवाल है कि सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भारत का पक्ष मजबूती से रखने में कामयाब भी रहे, तो भू-राजनीतिक पहलुओं को कैसे प्रभावित किया जा सकेगा? अतः यह गंभीर आत्म-मंथन का विषय है कि नए बनते भू-राजनीतिक समीकरणों के बीच भारत क्यों अलग पड़ा दिख रहा है? यहां तक कि विकासशील दुनिया में, जिसे आज ग्लोबल साउथ कहा जाता है- भारत के लिए उस तरह का समर्थन और सहानुभूति क्यों नहीं देखने को मिली, जिसे अतीत में सुनिश्चित मानकर चला जाता था? क्यों? हमें नहीं भूलना चाहिए कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों में अपनी क्षमता से आगे बढ़कर प्रदर्शन करने का भारत का गौरवशाली अतीत रहा है। हममें से कुछ लोगों के जेहन में हमारे उत्तर-पश्चिमी पड़ोसी के साथ एक और चर्चित टकराव की यादें अब भी ताजा होंगी।

वह 1971 का साल था। उस युद्ध में, भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता करने वाली किसी भी महाशक्ति की बात तो दूर, संयुक्त राज्य अमेरिका का रुख नई दिल्ली के प्रति पूरी तरह से वैर-भाव वाला था। इसने भारत को पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) को आजाद कराने से रोकने के लिए बंगाल की खाड़ी में एक खतरनाक नौसैनिक बेड़ा तक भेज दिया था। लेकिन मॉस्को के साथ भारत की मैत्री संधि सुनिश्चित कर रही थी कि सोवियत बेड़े ने अमेरिकियों का पीछा किया और उन्हें रोककर रखा। इतिहास गवाह है कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन को किस साहस और दूरदर्शिता के साथ शिकस्त दी थी। भारत ने एक पेशेवर, संयम बरतने वाला युद्ध लड़ा, जिसमें पाकिस्तानी अवाम पर गर्मजोशी या नफरत भरी बयानबाजी के लिए कोई जगह नहीं थी। असल में भारत को अपने बारे में बताने की जरूरत है कि हम अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बड़ी कार्रवाई कर सकते हैं। अच्छा यह होगा कि भारतीय प्रतिनिधिमंडल दुनिया के देशों को बताए कि भारत परमाणु ब्लैकमेलिंग का शिकार नहीं होगा, भारत राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापार रोकने की धमकी में नहीं आएगा और भारत को इस बात की परवाह नहीं है कि चीन पाकिस्तान की संप्रभुता की रक्षा करने का दम भर रहा है। अगर भारत ऐसा करता है तो वह विश्व शक्ति वाली बात होगी।

आतंकवाद मिटाने का हो रोडमैप

भारत बता रहा है तो ठीक है लेकिन उसके बाद उसका बरताव विश्व शक्ति वाला होना चाहिए। भारत दुनिया को बताए कि पाकिस्तान में आतंकवाद का ढांचा है, पाकिस्तान भारत के खिलाफ छद्म युद्ध छेड़े हुए है और भारत अब उसके खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करेगा। यह बताने के बाद भारत बिना किसी की परवाह किए कार्रवाई करे और आतंकवाद का ढांचा खत्म करे। अगर यह रोडमैप नहीं है तो इतना बड़ा प्रतिनिधिमंडल दुनियाभर के देशों में घुमाने का कोई मतलब नहीं है।

भारी बारिश और भूस्खलन से पूर्वोत्तर में तबाही

अब तक 19 की मौत, कई बेघर, 12 हजार लोग प्रभावित

मणिपुर, मिजोरम, असम, अरुणाचल प्रदेश व त्रिपुरा में मौसम का कहर

एजेंसी ▶▶ गुवाहाटी /नई दिल्ली

देश में समय से पहले आया मानसून पूर्वोत्तर में जमकर तबाही मचा रहा है। 3 दिन में पूर्वोत्तर के मणिपुर, मिजोरम, असम, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा में लगातार भारी बारिश, भूस्खलन और बाढ़ में 19 लोगों की मौत हो चुकी है। 12 हजार से ज्यादा परिवार प्रभावित हुए हैं। इन राज्यों में बड़ी संख्या में लोग बेघर हो गए हैं। नदियां उफान पर हैं। मौसम विभाग ने सभी राज्यों के लिए अलर्ट जारी किया है।

असम में 5 की मौत

असम के कामरूप मेट्रो जिले में पांच लोगों की मौत हो गई। 5 जिलों में 12,000 से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हुए। गुवाहाटी और सिलचर में बाढ़ से 10 हजार से अधिक लोग प्रभावित हुए। लखीमपुर में पानी ने रिंग बांध को तोड़ दिया। पिछले 24 घंटों में यहां 134 मिमी बारिश हुई है। आगे भी भारी बारिश का अनुमान है।

असम में बारिश से बिगड़े हालात

त्रिपुरा में युवक की मौत, 106 घर क्षतिग्रस्त

त्रिपुरा में भारी बारिश और आंधी के कारण जिरानिया में एक व्यक्ति डूब गया। 200 से अधिक लोग बेघर हो गए। यहां 106 घर क्षतिग्रस्त हो गए। लोगों को राहत शिविरों में शरण लेनी पड़ी। जवाहर पुल के नीचे अगरतला में हावड़ा नदी का जलस्तर 10.01 मीटर तक बढ़ गया।

मिजोरम में 3 इमारतें ढह गईं

मिजोरम के दक्षिण मिजोरम के लॉन्गतलाई शहर में भारी बारिश के चलते हुए भूस्खलन के कारण 5 घर और एक होटल ढह गया। इसमें कई लोग फंस गए। लॉन्गतलाई जिले के सबसे बड़े नागरिक सामाजिक संगठन यंग लाई एसोसिएशन के स्वयंसेवकों के साथ राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल और तीसरी भारतीय रिजर्व बटालियन के कर्मियों द्वारा बचाव अभियान चलाया जा रहा है। भूस्खलन के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग-54 अवरुद्ध हो गया है।

मणिपुर में बढ़ा नदियों का जलस्तर, रेड अलर्ट

मणिपुर में बारिश के चलते नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। नम्बुल, इरिल और नम्बोल नदी का जलस्तर भी चेतावनी स्तर तक पहुंच गया है। इंफाल पूर्वी जिले के कई इलाकों में इंफाल नदी के उफान पर होने के कारण कई इलाकों में पानी भर गया। आईएमडी ने रेड अलर्ट जारी किया है।

अरुणाचल में भूस्खलन में 9 लोगों ने तोड़ा दम रेड अलर्ट

अरुणाचलमें भी बारिश और भूस्खलन में 9 लोगों ने दम तोड़ दिया। बाना-सेप्पा खंड पर हुए भीषण भूस्खलन में 7 लोगों की मौत हो गई। जीरो-कामले मार्ग पर पाइन ग्रोव क्षेत्र के पास भूस्खलन के बाद 2 मजदूरों की मौत हो गई।

दिल्ली एनसीआर में भी झमाझम सड़कें डूबीं

दिल्ली-एनसीआर के लोगों को लंबे समय से झुलसा रही गर्मी से शनिवार को बड़ी राहत मिली। राजधानी सहित नोएडा, गुरुग्राम, गाजियाबाद और फरीदाबाद में तेज हवाओं और झमाझम बारिश का दौर शुरू हो गया। नोएडा और गुरुग्राम में जहां तेज बारिश के साथ धूलभरी हवाएं चलीं, वहीं गाजियाबाद और फरीदाबाद में लगातार बारिश ने सड़कों पर जलभराव भी कर दिया।

खबर संक्षेप

लैंड फॉर जॉब में लालू की याचिका खारिज

नई दिल्ली। बिहार के पूर्व सीएम और आरजेडी के प्रमुख लालू प्रसाद यादव को लैंड फॉर जॉब घोटाला मामले में झटका लगा है। दिल्ली हाईकोर्ट ने लालू की उस याचिका को खारिज कर दिया है जिसमें निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग की थी।घोटाले की जांच सीबीआई कर रही है। मामला रेल मंत्री के समय का है।

10 वर्षों में तेल-गैस खोज 76 फीसदी बढ़ी: पुरी

नई दिल्ली। भारत के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप पुरी ने बताया है कि देश के तलछटी बेसिन क्षेत में जितनी तेल और गैस की खोज हो रही है, उसका 76 प्रतिशत हिस्सा वर्ष 2014 के बाद सक्रिय खोज के दायरे में आया है। उन्होंने यह जानकारी सीआईआई वार्षिक बिजनेस समिट में दी। हमने जमीन को 10 प्रतिशत कर दिया है।

राहुल की सावरकर मामले में याचिका रद्द

पुणे। यहां की एक अदालत ने शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की वह याचिका खारिज कर दी जिसमें उन्होंने सावरकर के पोते सत्यकी सावरकर की मां की वंशावली से जुड़ी जानकारी मांगी थी। यह मामला वीडी सावरकर को लेकर राहुल गांधी द्वारा लंदन में दिए गए एक भाषण पर आधारित मानहानि की शिकायत से जुड़ा है।

दुराचार में निर्देशक सनोज को जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक महिला से बलात्कार के आरोपी फिल्म निर्देशक सनोज कुमार मिश्रा को जमानत देते हुए कहा कि यह मामला यौन अपराधों की झूठी शिकायतें दर्ज कराने की हालिया प्रवृत्ति को दर्शाता है। कोर्ट ने कहा कि महिला ने सहमति से संबंध बनाए थे।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोविड डैशबोर्ड पर दी जानकारी

कोविड-19 ने फिर पकड़ी रफ्तार

24 घंटे में ही देशभर में सामने आए 685 नए मामले, 4 की ले ली जान

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के कोविड डैशबोर्ड पर साझा की गई जानकारियों के अनुसार 22 मई को देश में कुल एक्टिव केस 257 थे जो 10 दिनों के भीतर ही अब बढ़कर 3,395 हो गए हैं।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कोविड-19 के सामने आ रहे मामलों ने देश को एक बार फिर परेशानी में डाल दिया है। ऐसा लग रहा है कि कोरोना ने फिर रफ्तार पकड़ ली है। पिछले एक महीने से दुनियाभर में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामले चिंता बढ़ाते जा रहे हैं। भारत में भी इसका जोखिम देखा जा रहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के कोविड डैशबोर्ड पर साझा की गई जानकारियों के अनुसार 22 मई को देश में कुल एक्टिव केस 257 थे जो 10 दिनों के भीतर ही अब बढ़कर 3,395 हो गए हैं। एक दिन के भीतर ही 685 नए सक्रिय मामले सामने आए हैं और 4 लोगों की मौत हुई है। केरल में मरीजों की संख्या बढ़कर1,336 हो गई है। महाराष्ट्र में सक्रिय मामले 467 जबकि दिल्ली में 375 हैं। इसी तरह देश के अन्य भागों में भी कोरोना के सामने दर्ज किए जा रहे हैं। कई राज्यों में तो एडवाइजरी भी जारी की गई है।

685 नए सक्रिय मामले एक दिन में मिले

3,395 हो गए 10 दिन में एक्टिव केस

1,336 हो गई केरल में मरीजों की संख्या

संक्रामकता बढ़ी पर गंभीरता नहीं

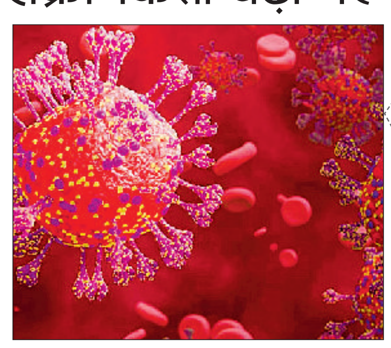

कोरोना जिस रफ्तार से देश में बढ़ रहा है वह निश्चित ही लोगों के लिए डर पैदा कर रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ पहले से ही कहते रहे हैं कि इस बार फैल रहा वैरिएंट अति संक्रामक है, हालांकि इसकी गंभीरता कम है। चिंताजनक बात ये है कि अगर ये संक्रमण किसी आबादी में फैलना शुरू होता है तो वहां लोग तेजी से इसकी चपेट में आ सकते हैं। ये स्थिति उन लोगों के लिए दिक्कतें बढ़ाने वाली और गंभीर भी हो सकती है जो 65 साल से अधिक उम्र के हैं, कोमोरबिडिटी (एक से अधिक क्रॉनिक बीमारियों का शिकार) हैं या फिर गर्भवती हैं।

क्रॉनिक बीमारी से पीड़ित ज्यादा शिकार हो रहे

कोरोना के मामले इस बार जानलेवा भी साबित हो रहे हैं। संक्रमण से मरने वाले ज्यादातर लोग वे हैं जिन्हें पहले से कोई क्रॉनिक बीमारी रही है या फिर जिन लोगों की प्रतिरोधक क्षमता कमजोर रही है। जिन राज्यों में मौतें दर्ज की गईं, उनमें महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा दो लोगों की जान गई है।

राजधानी में 3 की गई जान

दिल्ली में कोरोना की रफ्तार तेजी से बढ़ती जा रही है। अब तक इस साल जनवरी से कोरोना तीन लोगों की जान ले चुका है। आज ही 71 वर्षीय व्यक्ति की मौत हुई है जो पहले से निमोनिया से ग्रस्त था। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने आंकड़ों के मुताबिक इस साल दिल्ली में कोरोना से यह पहली मौत हुई है। राजधानी में 56 नए मामले पिछले 24 घंटे में दर्ज किए गए हैं। दिल्ली में कोरोना के कुल 294 सक्रिय मामले हो गए हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने सभी लोगों को संक्रमण से बचाव की सलाह दी

कोरोना के बढ़ते जोखिमों को देखते हुए स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने सभी लोगों को संक्रमण से बचाव करते रहने की सलाह दी है। भले ही आप युवा हैं और इम्युनिटी सिस्टम ठीक है फिर भी कोरोना से बचाव के लिए निरंतर प्रयास करते रहें। पुणे स्थित एक अस्पताल में क्रिटिकल केयर के डॉक्टर उपेंद्र सिंह कहते हैं, देश में फैल रहे ओमिक्रॉन और इसके सब-वैरिएंट्स में कुछ अतिरिक्त म्यूटेशन देखे गए हैं, जो इसे शरीर में बनी प्रतिरक्षा को चकमा देकर आसानी से संक्रमित करने के योग्य बनाते हैं।

प्रतिरोधक क्षमता बढ़ानी चाहिए

जिन लोगों की प्रतिरोधक क्षमता अच्छी है उनमें इस संक्रमण का असर नहीं हो रहा है, पर चिंताजनक बात ये है कि संक्रमित व्यक्ति वायरस का वाहक जरूर हो सकता है, जिससे उन लोगों मे संक्रमण फैलने का खतरा रहता है जो पहले से बीमार हैं या बुजुर्ग हैं। सभी लोग संक्रमण से बचने के उपाय करते रहें। डॉक्टर सिंह कहते हैं, संक्रमण होस्ट और पैथोजन के तौर पर बढ़ते हैं, कोरोनापैथोजन है और हम होस्ट। वायरस हमारी इम्युनिटी के खिलाफ म्यूटेशन करता है।

गृहमंत्री शाह के बंगाल दौरे से सियासत गरमाई

आगामी चुनाव के लिए 'ऑपरेशन बंगाल' की रणनीति की चर्चा गरम

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के 2 दिनी कोलकाता दौरे ने पश्चिम बंगाल की राजनीति में हलचल मचा दी है। यह दौरा 2026 में होने वाले विधानसभा चुनावों की पृष्ठभूमि में बेहद अहम माना जा रहा है। शाह शनिवार को कोलकाता पहुंचे। रविवार को शाह सबसे पहले सेंट्रल फॉरेंसिक साइंस लैबोरेटरी की एक नई सुविधा का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद वे नेताजी इंडोर स्टेडियम में एक बड़े राजनीतिक रैली को संबोधित करेंगे। वे इस दौरान आगामी विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी की रणनीति का खाका पेश कर सकते हैं। इस दौरान बंगाल भाजपा के नए अध्यक्ष के चयन पर भी चर्चा संभव है। वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सुकांत मजूमदार का कार्यकाल पहले ही बढ़ाया जा चुका है। राजनीतिक कार्यक्रमों के अलावा, अमित शाह स्वामी विवेकानंद के शिमला स्ट्रीट स्थित आवास पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि भी अर्पित करेंगे। रविवार शाम को ही वे दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे।

सेंट्रल फॉरेंसिक साइंस लैबोरेटरी का उद्घाटन करेंगे

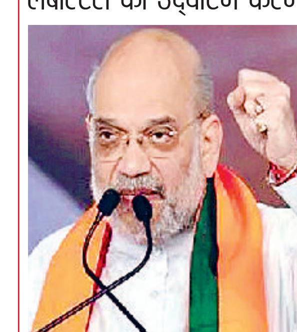

टीएमसी ने बताया मौसमी नेता

शाह के दौरे को लेकर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और भाजपा के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। टीएमसी मंत्री शशि पांजा नेभाजपा नेताओं को मौसमी आगंतुक बताया और कहा कि वे बिना किसी वास्तविक जुड़ाव के बंगाल के मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा महिलाओं के मुद्दों को लेकर संवेदनशील नहीं है और इस कारण राज्य की जनता उन्हें नकार देगी।

यह चुनाव की दिशा तय करेगा: मजूमदार

इन आरोपों का जवाब देते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सुकांत मजूमदार ने कहा कि अमित शाह का दौरा पार्टी के लिए 2026 की चुनावी दिशा तय करेगा। उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र करते हुए भाजपा की रणनीति को 'ऑपरेशन बंगाल' करार दिया और इसे बंगाल की महिलाओं के सम्मान की रक्षा का मिशन बताया। मजूमदार के अनुसार शाह पार्टी के मंडल अध्यक्षों और वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात करेंगे, जिससे जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूती मिलेगी।

एमएसपी में मामूली सी बढ़ोतरी किसानों के साथ मजाक जैसा : कुमारी सैलजा

कहा, कुछ ऐसी फसलों की एमएसपी बढ़ाई जो अधिकतर राज्यों में होती नहीं

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि एक ओर केंद्र की भाजपा सरकार किसान हितेषी होने का दावा करती है, वहीं एमएसपी के नाम पर बार बार किसानों के जख्मों पर नमक छिड़क रही है। न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में असमान वृद्धि को लेकर सरकार ने फिर किसान हितों की अनदेखी की है। किसानों के साथ मजाक वाली यह सरकार स्वयं की पीठ थपथपा कर वाह वाह कर रही है जबकि देश का किसान और मजदूर आर्थिक तंगी में कराह रहा है।

मीडिया को जारी बयान में केंद्र सरकार ने 2025-26 के लिए खरीफ फसलों के एमएसपी की घोषणा की है। प्रमुख खाद्यान्न धान (सामान्य और ए ग्रेड) की एमएसपी में मामूली बढ़ोतरी की गई है जो ऊंट के मुंह में जीरे जैसी है। जहां सामान्य धान की कीमत 2,300 से सिर्फ 2,369 हुई है और ए ग्रेड धान की कीमत 2,320 से 2,389 हुई है, वहीं दूसरी ओर कुछ फसलों की एमएसपी में 400 से 800 रुपए तक की वृद्धि की गई है, जो अधिकतर वे फसलें हैं जो हरियाणा और पंजाब जैसे अन्नदाता राज्यों में होती ही नहीं हैं। जबकि देशभर में मजदूरी की दरों और कृषि लागत में औसतन 20 से 25 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई है। ऐसे में केवल मामूली एमएसपी बढ़ाना किसानों के साथ अन्याय है। खासकर उन राज्यों के किसानों के लिए जो धान जैसी प्रमुख फसलों पर निर्भर हैं। सांसद कुमारी सैलजा ने सरकार से पूछा है कि धान जैसी प्रमुख फसल की एमएसपी में इतनी नगण्य बढ़ोतरी क्यों की गई है? क्या सरकार यह मानती है कि महंगाई, बढ़ती खाद-बीज की कीमतें, ट्रैक्टर/डीजल आदि के खर्च और श्रमिक मजदूरी के अनुपात में एमएसपी वृद्धि नाकाफी है? क्या यह सच नहीं है कि सरकार एमएसपी बढ़ोतरी की झूठी वाहवाही सिर्फ उन फसलों के नाम पर लूट रही है, जो अधिकतर राज्यों में बोई ही नहीं जाती? सांसद ने कहा कि न्यायसंगत और क्षेत्रीय संतुलन के आधार पर एमएसपी बढ़ोतरी की आवश्यकता है। धान उत्पादक किसानों को निराश करने वाली यह नीति तुरंत वापस ली जाए और पुनः विचार किया जाए। सांसद ने कहा कि कुछ किसान-मजूदर भूमि ठेके पर लेकर खेती करते है, बढ़ती महंगाई और बढ़ती मजदूरी दरों के खेत घाटे का सौदा बनती जा रही है, इनका ख्याल रखते हुए सरकार को विचार करना चाहिए था।

जयपुर में भाजपाध्यक्ष नड्डा ने किया 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र

पीएम मोदी के नेतृत्व में देश गौरव और सुरक्षित महसूस कर रहा, सेना की जय

लोकमाता के कार्यक्रम में की शिरकत

एजेंसी ▶▶ जयपुर

जयपुर के एक दिवसीय दौरे पर आए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने हवाई अड्डे पर कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस दौरान नड्डा ने 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र करते हुए कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश गौरवान्वित व सुरक्षित महसूस कर रहा है। उन्होंने कहा कि हम सब जहां पीएम मोदी को धन्यवाद देते हैं वहीं भारतीय सेना के शौर्य को भी बधाई व शुभकामनाएं देते हैं। याद रखना, ऑपरेशन सिंदूर रुका नहीं है। ये चलता रहेगा। जब तक पाकिस्तान की निगाहें गलत रहेंगी उसको जवाब दिया जाता रहेगा।

शर्मा को इसलिए मिली सीएम की कुर्सी

अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती समारोह में नड्डा और सीएम भजनलाल शर्मा ने शिरकत की। नड्डा ने कहा कि भजनलाल विचारधारा के सच्चे सिपाही हैं और दिन-रात पीएम मोदी के विजन को जन-जन तक पहुंचा रहे हैं। ऐसे समर्पित कार्यकर्ता को मुख्यमंत्री की कुर्सी दी गई है।

राजस्थान में सुधरा लिंग अनुपात

नड्डा ने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि हमारी सरकार जनसेवा के लिए काम करती है। मोदी सरकार के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण को नई ऊंचाइयां मिली हैं। राज्य सरकार लिंग अनुपात में सुधार और बालिकाओं के हित में ठोस कदम उठा रही है।

अवैध बांग्लादेशियों पर असम में बड़ी कार्रवाई

विदेशी नागरिकों को 'नो-मैन्स लैंड' में भेज रही हिमंत सरकार

49 लोगों को कथित रूप से धकेला, कोर्ट पहुंचा मामला

एजेंसी ▶▶ गुवाहाटी

असम की भाजपा सरकार ने उन लोगों की पहचान और वापसी की प्रक्रिया तेज कर दी है जिन्हें फॉरेनर्स ट्रिब्यूनल ने 'अवैध विदेशी' घोषित किया है। सरकार इन घोषित विदेशी नागरिकों को भारत-बांग्लादेश सीमा के नो-मैन्स लैंड (निर्जन क्षेत्र) में जबरन धकेल रही है। 27 और 29 मई को असम के पश्चिमी और दक्षिणी हिस्सों से कम से कम 49 लोगों को कथित रूप से धकेला गया। इसके बाद कम से कम तीन याचिकाकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट और गुवाहाटी हाई कोर्ट में याचिकाएं दाखिल की हैं, जिनमें उनके परिजनों की जानकारी मांगी गई है और इस अभियान पर रोक लगाने की मांग की गई है।

मुख्यमंत्री सरमा ने कार्रवाई तेज की

विदेशी घोषित किए गए 30,000 लोग 'गायब'

सीएम सरमा ने कहा कि अब तक ट्रिब्यूनलों द्वारा विदेशी घोषित किए गए 30,000 लोग 'गायब' हो चुके हैं। अब हमने इसे तेज करने का निर्णय लिया है। जैसे ही हमें कोई घोषित विदेशी मिलता है, हम कार्रवाई कर रहे हैं। आने वाले दिनों में इस तरह की कई 'पुश-बैक' कार्रवाई होंगी। उन्होंने कहा कि कोई भी घोषित विदेशी हाई कोर्ट या सुप्रीम कोर्ट में अपील कर सकता है। यदि किसी ने अपील नहीं की है, तो भारत में रहने का उसका अधिकार समाप्त हो जाता है। लेकिन यदि वह दिखा सके कि उसने अपील की है, तो हम उसे नहीं छेड़ते।

आज से वित्तीय लेन-देन में हो रहे कई बड़े बदलाव

एटीएम और यूपीआई से भी पीएफ खातों से पैसे निकाल सकेंगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

हर महीने की तरह ही जून का महीना भी कई बड़े बदलाव लेकर आ गया, जो सीधे आपकी जेब और वित्तीय लेन-देन को प्रभावित कर सकते हैं। यूपीआई और पीएफ से लेकर एलपीजी सिलेंडर के दामों तक कई नियम बदल जाएंगे। इन बदलावों से जहां कुछ सुविधाएं बढ़ेंगी, वहीं कुछ मामलों में आपको अतिरिक्त शुल्क भी चुकाना पड़ सकता है। सरकार कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) का नया और एडवांस वर्जनलॉन्च करने की तैयारी में है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भविष्य में आप एटीएम और यूपीआईके माध्यम से भी अपने पीएफ खातों से पैसे निकाल पाएंगे।

सुविधाओं के साथ ही कुछ मामलों में बढ़ेगा अतिरिक्त शुल्क

एनपीसीआई ने यूपीआई को लेकर एक नया नियम लागू किया

एनपीसीआई ने यीपीआईको लेकर एक नया नियम लागू किया है, जिसके तहत यूपीआई पेमेंट करते समय यूजर्स को अब केवल 'अल्टीमेट बेनिफिशियरी' यानी असली प्राप्तकर्ता का बैंकिंग नाम ही दिखेगा। क्यूआर कोड या एडिट किए गए नाम अब दिखाई नहीं देंगे। यह नियम 30 जून तक सभी यूपीआई एप्स को लागू करना होगा।

महिंद्रा बैंक के क्रेडिट कार्ड धारकों का चार्ज बढ़ेगा

यदि आप कोटक महिंद्रा बैंक का क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल करते हैं, तो बैंक अब ऑटो-डेबिट लेनदेन फेल होने पर 2फीसदी का बाउंस चार्ज लगाएगा। यह न्यूनतम 450 और अधिकतम 5000 रुपए तक हो सकता है।

एफडी पर ब्याज दर

जून में बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट और लोन की ब्याज दरों में बदलाव कर सकते हैं। रिजर्व बैंक ने रेपो रेट में कटौती की है और आगे भी इसमें और कटौती की उम्मीद की जा रही है।

एलपीजी सिलेंडर के दाम में बदलाव संभव

एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में हर महीने की पहली तारीख को बदलाव होता है। जून की पहली तारीख को भी इनमें बदलाव होने की संभावना है। मई में 14 किलोवाले घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतें स्थिर रहीं।

म्यूचुअल फंड व हेज फंड, दोनों निवेश के विकल्प

- ▶▶ दोनों के उद्देश्यों और रणनीतियां काफी अलग-अलग
- ▶▶ म्यूचुअल फंड सुरक्षित और आम लोगों के लिए सही
- ▶▶ हेज फंड जोखिम भरा, लेकिन हाई रिटर्न वाला विकल्प

हेज फंड उन लोगों के लिए होता है जो थोड़े ज्यादा जोखिम लेकर ज्यादा मुनाफा कमाना चाहते हैं। अगर आप भी ये जानना चाहते हैं कि म्यूचुअल फंड और हेज फंड में क्या फर्क है और आपके लिए कौन सा बेहतर रहेगा, तो आइए इस रिपोर्ट में हम आपको दोनों के बारे में बताते हैं।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड और हेज फंड-दोनों निवेश के तरीके हैं, लेकिन अलग-अलग सोच और जोखिम के साथ आते हैं। म्यूचुअल फंड को सुरक्षित निवेश के तरीकों में और आम लोगों के लिए जाना जाता है, जबकि हेज फंड जोखिम भरा है, लेकिन यह हाई रिटर्न वाला ऑप्शन बताया जा रहा है। इसलिए इनके बीच में काफी गहरा फर्क है। जब बात निवेश की आती है, तो म्यूचुअल फंड और हेज फंड जैसे शब्द अक्सर सुनने को मिलते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये दोनों निवेश के तरीके हैं, लेकिन बिलकुल अलग अंदाज में काम करते हैं? म्यूचुअल फंड आम निवेशकों के लिए होता है, जो अपने पैसे को सुरक्षित और समझदारी से बढ़ाना चाहते हैं। वहीं हेज फंड उन लोगों के लिए होता है जो थोड़े ज्यादा जोखिम लेकर ज्यादा मुनाफा कमाना चाहते हैं। अगर आप भी ये जानना चाहते हैं कि म्यूचुअल फंड और हेज फंड में क्या फर्क है और आपके लिए कौन सा बेहतर रहेगा, तो आइए इस रिपोर्ट में हम आपको दोनों के बारे में बताते हैं।

होता क्या है म्यूचुअल फंड

म्यूचुअल फंड एक तरह का निवेश का ऑप्शन होता है, जिसमें एक प्रोफेशनल फंड मैनेजर कई निवेशकों से इकट्ठा किए हुए पैसे को है और उसे बॉन्ड, स्टॉक्स और अन्य सिक्योरिटीज जैसे विविध प्रकार की संपत्तियों में निवेश करता है। म्यूचुअल फंड का उद्देश्य इंडिविजुअल इन्वेस्टर्स को ऐसे डायवर्सिफाइड और प्रोफेशनल तरीके से मैनेज पोर्टफोलियो तक पहुंच प्रोवाइड करना होता है, जिन्हें वे अकेले नहीं खरीद पाते हैं। म्यूचुअल फंड खासकर शुरुआती निवेशकों या उन लोगों के लिए उपयुक्त होते हैं जो निवेश में ज्यादा शामिल होना नहीं चाहते। यदि आपकी निवेश अवधि लंबी है और जोखिम लेने की क्षमता कम है, तो म्यूचुअल फंड आपके लिए फाइनेंशियल मार्केट में शामिल होने का आसान तरीका है, भले ही आपको इस सेक्टर में ज्यादा जानकारी न हो।

क्या होता है हेज फंड

हेज फंड एक तरह का खास इन्वेस्टमेंट ऑप्शन होता है, जिसमें केवल अमीर और अनुभवी निवेशक पैसा लगाते हैं। यह फंड अलग-अलग और थोड़ी कॉम्प्लेक्स स्ट्रेटजी से ज्यादा फायदा कमाने की कोशिश करता है। हेज फंड वाले ज्यादा जोखिम उठाते हैं और वे उधार लेकर या मार्केट में शॉर्ट सेलिंग जैसी तरकीबों का इस्तेमाल करते हैं, ताकि ज्यादा मुनाफा कमाया जा सके। ये फंड ज्यादा नियमों से बंधे नहीं होते और इसलिए इनके काम करने का तरीका म्यूचुअल फंड से अलग होता है। हेज फंड उन लोगों के लिए है जो बड़ा पैसा लगाना चाहते हैं और जोखिम लेने को तैयार हैं।

म्यूचुअल फंड्स और हेज फंड्स में अंतर

- ▶▶ **ऑब्जेक्टिव :** म्यूचुअल फंड्स का मकसद निवेशकों को सुरक्षित और लगातार रिटर्न देना होता है। इसके लिए वे पैसा कई कंपनियों में लगाते हैं। हेज फंड्स का मकसद ज्यादा मुनाफा कमाना होता है, भले ही इसके लिए जोखिम उठाना पड़े।
- ▶▶ **इनवेस्टर बेस :** म्यूचुअल फंड्स में कोई भी आम व्यक्ति निवेश कर सकता है। हेज फंड्स में सिर्फ ज्यादा पैसा वाले या अनुभवी निवेशक ही पैसा लगा सकते हैं।
- ▶▶ **मैनेजमेंट :** म्यूचुअल फंड्स को नियमों के अनुसार प्रोफेशनल लोग संभालते हैं। हेज फंड्स को ज्यादा आजादी होती है और इन्हें कम निगरानी में चलाया जाता है।
- ▶▶ **इनवेस्टमेंट स्ट्रैटेजी :** म्यूचुअल फंड्स में पैसा सुरक्षित और अलग-अलग जगहों पर लगाया जाता है। हेज फंड्स जोखिम लेकर जटिल और आक्रामक तरीके अपनाते हैं।
- ▶▶ **लिक्विडिटी :** म्यूचुअल फंड्स से आप किसी भी दिन पैसा निकाल सकते हैं। हेज फंड्स में अक्सर लॉक-इन पीरियड होता है, यानी कुछ समय तक पैसा नहीं निकाल सकते।
- ▶▶ **फीस :** म्यूचुअल फंड्स में फीस कम होती है और पहले से तय होती है। हेज फंड्स में फीस ज्यादा होती है और मुनाफे पर बेस्ड भी हो सकती है।
- ▶▶ **रेग्युलेशन :** म्यूचुअल फंड्स पर सख्त सरकारी नियम लागू होते हैं और ट्रांसपेरेंसी बनी रहती है। हेज फंड्स पर कम नियम होते हैं और जानकारी कम मिलती है।
- ▶▶ **निवेश रणनीति :** म्यूचुअल फंड आमतौर पर अधिक पारंपरिक निवेश रणनीतियों का उपयोग करते हैं, जबकि हेज फंड अधिक आक्रामक और उच्च जोखिम वाले रणनीतियों का उपयोग करते हैं।
- ▶▶ **जोखिम स्तर :** म्यूचुअल फंड आमतौर पर कम जोखिम वाले होते हैं, जबकि हेज फंड उच्च जोखिम वाले हो सकते हैं।
- ▶▶ **निवेशक योग्यता :** म्यूचुअल फंड अधिक निवेशकों के लिए उपलब्ध होते हैं, जबकि हेज फंड अक्सर उच्च नेटवर्थ वाले निवेशकों के लिए आरक्षित होते हैं।
- ▶▶ **अंततः,** म्यूचुअल फंड और हेज फंड दोनों में निवेश करने से पहले अपने निवेश लक्ष्यों, जोखिम सहनशीलता, और वित्तीय स्थिति का मूल्यांकन करना महत्वपूर्ण है।

एसआईपी में ज्यादा रिटर्न चाहिए तो पांच चीजों पर कर लें फोकस

- ■ एसआईपी पोर्टफोलियो की नियमित समीक्षा करना बेहद जरूरी
- ■ आप कभी निवेश करके 'भूल जाने' की आदत न डालें
- ■ अपनी ज़रूरत के हिसाब से पोर्टफोलियो में बदलाव करते रहे

जानकारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी एक निवेशक हैं या निवेश करने जा रह रहे हैं तो कुछ बातें अपने पल्ले बांध लें। इससे आप आसानी से अपने पैसे को बढ़ा सकेंगे। कहते हैं तुरंत पैसा बढ़ाने का कोई शॉर्टकट नहीं है, लेकिन धैर्य और संयम के साथ निवेश किया जाए तो आप बेहतर रिटर्न प्राप्त कर मोटा पैसा बना सकते हैं। यदि आप सीधे शेयर बाजार में इन्वेस्ट करने का जोखिम नहीं लेना चाहते, तो म्यूचुअल फंड आपके लिए एक अच्छा विकल्प हो सकता है। यहां आपका जोखिम कुछ हद तक कम हो जाता है। अगर आप एकमुश्त बड़ी रकम निवेश करने में सक्षम नहीं हैं, तो सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश कर सकते हैं। एसआईपी में आप हर महीने एक छोटी रकम निवेश कर सकते हैं। आज हम आपको 5 ऐसी बातें बताने जा रहे हैं, जिनका ध्यान रखकर आप एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड से अच्छा रिटर्न कमा सकते हैं।

निवेश में देरी न करें

एसआईपी का एक सबसे बड़ा फायदा कंपाउंडिंग (चक्रवृद्धि ब्याज) की पावर है। आप जितनी जल्दी निवेश करना शुरू करेंगे, उतना ही बड़ा फंड बना पाएंगे। इससे आप छोटे निवेश से भी समय के साथ बड़ी पूंजी जमा कर सकते हैं। देरी से शुरुआत करने का मतलब है कंपाउंडिंग का पूरा फायदा न ले पाना। इसलिए समय रहते निवेश की प्लानिंग करें। जितना जल्दी हो सके निवेश की प्लानिंग करें और उसे बढ़ाते जाएं। इससे आप आसानी से अपना पैसा बढ़ा पाएंगे।

हमेशा अनुशासित रहें

अक्सर बाजार में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं, जो निवेशकों को परेशान करने वाले हो सकते हैं, लेकिन एसआईपी में सफलता की कुंजी अनुशासित रहना है। बाजार में गिरावट के दौरान भी अपने निवेश को जारी रखने से आप कम कीमतों पर अधिक यूनिट खरीद सकते हैं, जिससे समय के साथ आपकी खरीद लागत का औसत निकल जाता है (इसे रुपया लागत औसत भी कहते हैं)। घबराकर निवेश बंद न करें। बाजार में उतार-चढ़ाव से परेशान न हों, बल्कि जब बाजार में गिरावट आए तो अपने निवेश को और बढ़ाने का प्रयास करें। उससे भागने का प्रयास न करें। एसआईपी के जरिये निवेश आपके लिए काफी लाभकारी साबित हो सकता है।

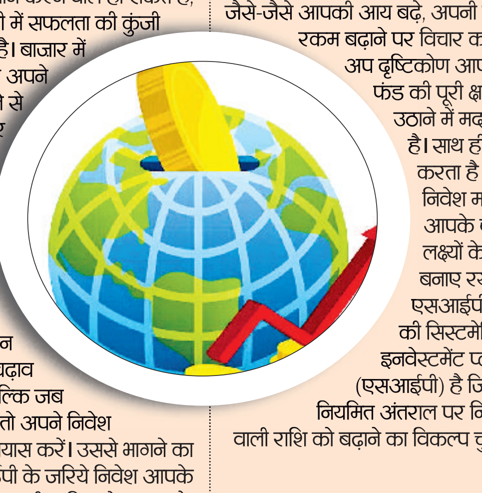

धीरे-धीरे एसआईपी की रकम बढ़ाएं (स्टेप-अप एसआईपी)

जैसे-जैसे आपकी आय बढ़े, अपनी एसआईपी की रकम बढ़ाने पर विचार करें। यह स्टेप-अप दृष्टिकोण आपको म्यूचुअल फंड की पूरी क्षमता का लाभ उठाने में मदद कर सकता है। साथ ही, यह सुनिश्चित करता है कि आपका निवेश महंगाई और आपके बढ़ते वित्तीय लक्ष्यों के साथ तालमेल बनाए रखे। स्टेप-अप एसआईपी एक प्रकार की सिस्टमेटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) है जिसमें निवेशक नियमित अंतराल पर निवेश की जाने वाली राशि को बढ़ाने का विकल्प चुन सकते हैं।

स्टेप-अप एसआईपी के फायदे

- ■ **वृद्धि के साथ निवेश :** स्टेप-अप एसआईपी में निवेशक अपनी आय में वृद्धि के साथ निवेश की जाने वाली राशि को बढ़ा सकते हैं।
- ■ **लंबी अवधि के लिए उपयुक्त :** स्टेप-अप एसआईपी लंबी अवधि के लिए उपयुक्त है, क्योंकि इसमें निवेशक अपने निवेश को बढ़ाते हुए लंबी अवधि में अधिक रिटर्न प्राप्त कर सकते हैं।
- ■ **नियमित निवेश :** स्टेप-अप एसआईपी में निवेशक नियमित अंतराल पर निवेश करते हैं, जिससे उन्हें अनुशासन में रहने में मदद मिलती है।

सही फंड का चुनाव करें

देखा जाए तो सभी म्यूचुअल फंड एक जैसे नहीं होते। सबका प्रदर्शन और रिटर्न अलग-अलग होता है। ऐसे में आपको पिछले प्रदर्शन, एक्सपेंस रेश्यो (फंड चलाने का खर्च) और फंड मैनेजर की विशेषज्ञता के आधार पर विभिन्न फंडों पर रिसर्च करनी चाहिए। ऐसे फंड चुनें जो आपके जोखिम लेने की क्षमता और निवेश लक्ष्यों से मेल खाते हों, चाहे वे इक्विटी (शेयर), डेट (ऋण) या हाइब्रिड (दोनों का मिश्रण) फंड हों। इससे आप बिना किसी रिस्क के निवेश कर पाएंगे और बेहतर रिटर्न प्राप्त कर पाएंगे।

अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा करें

निवेश करके 'भूल जाने' की आदत न डालें। अपने एसआईपी पोर्टफोलियो की नियमित समीक्षा करना बहुत जरूरी है। इससे आपको अपने पोर्टफोलियो में ज़रूरत के हिसाब से बदलाव करने में मदद मिलेगी। ऐसे फंड्स पर नज़र रखें जो लगातार अपने बेंचमार्क (तुलना के लिए निर्धारित सूचकांक) से बेहतर प्रदर्शन कर रहे हों। यदि आपके मौजूदा निवेश खराब प्रदर्शन कर रहे हैं, तो फंड निकालकर किसी बेहतर विकल्प में निवेश करने पर विचार करें। अ

शेयर मार्केट में उतार-चढ़ाव के टेंशन से बचना है तो बॉन्ड में निवेश फायदेमंद

● निवेश का एक सरल नियम यह है कि अपनी उम्र को 100 में से घटाएं ● इसमें जो संख्या बचे, उतना प्रतिशत इक्विटी में और बाकी बॉन्ड में निवेश करें ● बॉन्ड निवेशकों को एक सुनिश्चित और नियमित रिटर्न दे रहे हैं

तैयारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी शेयर बाजार की उतार-चढ़ाव से परेशान रहते हैं, तो बॉन्ड एक बेहतर और स्थिर निवेश विकल्प साबित हो सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं, महंगाई और अमेरिकी ब्याज दरों को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच बॉन्ड निवेशकों को एक सुनिश्चित और नियमित रिटर्न दे रहे हैं। यही वजह है कि बॉन्ड निवेश खासकर उन लोगों के लिए आकर्षक बनता जा रहा है जो जोखिम से बचना चाहते हैं और स्थिर आय की तलाश में हैं। पिछले तीन महीनों में निफ्टी 50 में 5.4% की गिरावट आई है, जबकि सरकारी और कॉरपोरेट बॉन्ड स्थिर रिटर्न दे रहे हैं।" सरकारी बॉन्ड फिलहाल सालाना 6.2% से 6.8% का रिटर्न दे रहे हैं, जबकि उच्च रेटिंग (एएए) वाले कॉरपोरेट बॉन्ड 6.8% से 7.5% का सालाना रिटर्न दे रहे हैं। दीर्घकालिक निवेशकों के लिए, खासकर वे जो जोखिम से बचना चाहते हैं, बॉन्ड एक सुरक्षात्मक निवेश के तौर पर काम करते हैं। साथ ही, निवेश पोर्टफोलियो में विविधता लाने के लिए भी यह एक अहम साधन है, जिससे बाजार की अस्थिरता करीब 30% तक कम की जा सकती है।

बॉन्ड रिटर्न में भरोसा बढ़ रहा

इंडिया बॉन्ड्स के सह-संस्थापक विशाल गोयनका के मुताबिक, जब बाजार भू-राजनीतिक तनावों, केंद्रीय बैंक की नीतियों और वैश्विक घटनाओं से प्रभावित हो रहा हो, उस वक्त बॉन्ड निवेश एक स्थिर नकदी प्रवाह और पूंजी संरक्षण प्रदान करता है। इसलिए बॉन्ड निवेशकों के लिए भरोसे का सौदा है। इसमें भले रिटर्न दूसरे विकल्पों से कुछ कम हो, लेकिन कभी भी नुकसान नहीं पहुंचाता। इसलिए भी बॉन्ड में निवेशकों का भरोसा लगातार बढ़ा जा रहा है खाकर उन लोगों में जो जोखिम से बचना चाहते हैं और सुनिश्चित और नियमित रिटर्न चाहते हैं। इसलिए आप भी सुरक्षित निवेश करना चहते हैं तो बॉन्ड आपके लिए बेहतर विकल्प हो सकते हैं।

आंकड़ों पर एक नजर

2020-2025 के दौरान निफ्टी 50 का कुल रिटर्न 19.8% रहा, लेकिन उतार-चढ़ाव अधिक था। वहीं, सोना ने इसी अवधि में 16.32% का सालाना रिटर्न दिया। 10 साल के सरकारी बॉन्ड का औसत रिटर्न 6.19% और एएए कॉरपोरेट बॉन्ड्स का सालाना औसत रिटर्न 6.9% रहा। 2024-25 में, निफ्टी ने सिर्फ 7.44% रिटर्न दिया, जबकि सोने ने 41.5% और एएए रेटेड कॉरपोरेट बॉन्ड्स ने 8.03% का स्थिर रिटर्न दिया।

जागरूकता की कमी

आज भी बॉन्ड, खासकर युवाओं के बीच, उतने लोकप्रिय नहीं हैं। इसका कारण है अपेक्षाकृत कम रिटर्न, कम प्रचार, और वित्तीय ऐप्स व मीडिया में कम उपस्थिति। युवाओं में ज्यादा रिटर्न की चाहत उन्हें इक्विटी या म्यूचुअल फंड की ओर खींचती है। हालांकि आरबीआई रिटेल डायरेक्ट और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स जैसे इंडिया बॉन्ड्स के माध्यम से अब यह स्थिति बदल रही है।

बॉन्ड बाजार का विकास

भारत में बॉन्ड बाजार तेजी से विकसित हो रहा है। भारत का कुल बॉन्ड बाजार अब $2.69 ट्रिलियन तक पहुंच चुका है। हालांकि अमेरिका जैसे विकसित बाजारों की तुलना में अभी भी तरलता और पहुंच में सुधार की ज़रूरत है, लेकिन सेबी और अन्य संस्थानों के प्रयासों से यह बदलाव तेजी से हो रहा है।

कितना पैसा बॉन्ड में लगाएं

एक सरल नियम यह है कि अपनी उम्र को 100 में से घटाएं और जो संख्या बचे, उतना प्रतिशत इक्विटी में और बाकी प्रतिशत बॉन्ड व निश्चित आय वाले साधनों में निवेश करें। उदाहरण के लिए, यदि आपकी उम्र 40 है, तो 60% आप इक्विटी में और 40% बॉन्ड जैसे स्थिर निवेश में रख सकते हैं।

क्या है बॉन्ड

बॉन्ड एक प्रकार का वित्तीय साधन है जिसमें निवेशक एक निश्चित अवधि के लिए अपने पैसे उधार देते हैं और बदले में नियमित ब्याज और मूलधन की वापसी प्राप्त करते हैं।

बॉन्ड की विशेषताएं

- ● **निश्चित आय:** बॉन्ड निवेशकों को नियमित ब्याज की आय प्रदान करते हैं।
- ● **निश्चित अवधि:** बॉन्ड की निश्चित अवधि होती है, जिसके अंत में मूलधन की वापसी होती है।
- ● **कम जोखिम:** बॉन्ड आमतौर पर कम जोखिम वाले निवेश विकल्प होते हैं।
- ● **विविधीकरण:** बॉन्ड पोर्टफोलियो में विविधीकरण लाने में मदद कर सकते हैं।

बॉन्ड के प्रकार

- ● **सरकारी बॉन्ड:** सरकारी बॉन्ड सरकार द्वारा जारी किए जाते हैं और इनमें निवेश करने से सरकार को उधार मिलता है।

बचत 5 साल में घर खरीदना चाहते हैं या बच्चों की शिक्षा के लिए कर रहे निवेश, फंड एकत्रित कर करना चाहते हैं अपनी रिटायरमेंट प्लानिंग

ये टिप्स आपकी पूंजी भी बढ़ाएंगे और आपको हाथ नहीं फैलाने देंगे

निवेश के कुछ टिप्स अपनाएं, बना देंगे आपको आत्मनिर्भर शुरुआत करने से पहले अपने वित्तीय लक्ष्य को स्पष्ट करें

समझदारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी निवेश करे खुद को आत्मनिर्भर बनाने चाहते हैं या रिटायरमेंट प्लानिंग कर रहे हैं तो निवेश के कुछ अहम टिप्स आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं। बस आपको पहले तय करना है कि आप निवेश क्यों कर रहे हैं यानी इस निवेश के पीछे आपका लक्ष्य क्या है। क्या आप 5 साल में घर खरीदना चाहते हैं,बच्चों की शिक्षा के लिए निवेश कर रहे हैं या फंड एकत्रित कर रिटायरमेंट प्लानिंग करना चाह रहे हैं। जैसे ही आप अपना लक्ष्य तय कर लें तो निवेश के कुछ टिप्स अपनाएं। ये आपकी पूंजी भी बढ़ाएंगे और आपको हाथ नहीं फैलाने देंगे। आज के इस समय में हर कोई आर्थिक रूप से मजबूत बनना चाहता है। अक्सर लोग इंटरनेट पर सवाल पूछते हैं कि अमीर कैसे बने? आप केवल मेहनत से ही नहीं बल्कि स्मार्ट निवेश और वित्तीय अनुशासन में रहकर भी अमीर बन सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपके लिए निवेश के कुछ ऐसे टिप्स लेकर आए हैं, जिससे जिससे ना केवल आपकी पूंजी बढ़ेगी, बल्कि इससे आप आत्मनिर्भर भी बनेंगे।

सबसे पहले निर्धारित करें लक्ष्य

निवेश की शुरुआत करने से पहले आपको अपने वित्तीय लक्ष्य स्पष्ट होने चाहिए। जैसे कि आप 5 साल में अपना घर खरीदना चाहते हैं, बच्चों की शिक्षा के लिए फंड एकत्रित करना चाहते हैं या फिर रिटायरमेंट प्लानिंग करना चाहते हैं। आपको अपने लक्ष्य के अनुरूप निवेश की शुरुआत करनी चाहिए। आपको अपने छोटे-छोटे वित्तीय गोल और लंबी अवधि के गोल तय करने चाहिए। जैसे 1 से 3 साल के लिए, 3 से 7 साल के लिए और 7 साल से अधिक। इसके बाद ही निवेश करना शुरू करेंगे तो आपके निवेश की चीजें पूरी तरह से स्पष्ट रहेंगी।

बचत को दें प्राथमिकता

यदि आप अमीर बनना चाहते हैं तो अपने वित्तीय गोल बनाने के बाद बचत की शुरुआत करें। इसके लिए हर महीने का बजट बनाएं। अनावश्यक खर्च करने से बचें। बाजार में जाकर चीजों को देखकर ललचाएं नहीं। आपको हर महीने अपनी आय का काम से कम 20 से 30% बचाना है। आप 50 -30-20 नियम के अनुसार बचत कर सकते हैं। इस नियम के अनुसार अपनी आय का 50% हिस्सा जरूरतों पर खर्च करें, 30% को अपनी इच्छाओं और मनोरंजन जैसे शौक के लिए खर्च करें, बचे हुए 20% से बचत करके उसका निवेश करें। हर महीने निवेश हो सके इसके लिए आप अपने खाते से ऑटोमेटिक निवेश की सुविधा को शुरू कर सकते हैं।

पहले निवेश को समझना जरूरी

आजकल निवेश के कई विकल्प मौजूद हैं, जिनमें से आप अपनी आय और जोखिम लेने की क्षमता का आकलन करके फिर निवेश करें। आप चाहे तो म्युचुअल फंड के एसआईपी में निवेश करके लॉन्ग टर्म में बड़ा फंड जोड़ सकते हैं। इसके अलावा डीमैट खाते में भी निवेश किया जा सकता है, रियल एस्टेट, सरकारी योजनाएं, फिक्स्ड डिपॉजिट आदि विकल्प में निवेश किया जा सकता है।

अपने निवेश को करें डायवर्सिफाई

निवेश के लिए अक्सर विशेषज्ञ भी यह सलाह देते हैं कि निवेश कभी भी एक जगह नहीं किया जाना चाहिए। अपने पैसे को अलग-अलग एसेट क्लास जैसे इक्विटी, डेट, गोल्ड और रियल स्टेट में बांटे। ताकि किसी एक में भी अगर आपको नुकसान हो तो दूसरे विकल्प से उसे समायोजित किया जा सके और आपका निवेश लाभ दे सकें और आपके गोल को पूरा कर सके।

लॉन्ग टर्म निवेश को दें प्राथमिकता

यदि आप अपने निवेश पर बड़ा रिटर्न हासिल करना चाहते हैं तो इसके लिए जरूरी है कि लॉन्ग टर्म के लिए निवेश करें। क्योंकि लॉन्ग टर्म में चक्रवृद्धि ब्याज का ज्यादा लाभ मिलेगा। आप जितनी जल्दी निवेश की शुरुआत करेंगे उतना ज्यादा आपको लाभ मिलेगा। लॉन्ग टर्म में चक्रवृद्धि ब्याज पैसा बढ़ाने का सबसे बढ़िया तरीका है।

वित्तीय शिक्षा बढ़ाएं

यदि आप चाहते हैं कि आप निवेश की दुनिया में सफल हो पाए तो उसके लिए लगातार सीखते रहें। वित्तीय किताबें, वित्तीय ब्लॉग पढ़ने के साथ ही विशेषज्ञ से भी सलाह ले सकते हैं। रोजाना अखबार भी पढ़ें और न्यूज सुनें। अपने निवेश की समीक्षा भी करते रहें।

इमरजेंसी फंड को ना करे नजरअंदाज

आपके निवेश के साथ-साथ टैक्स बचत और इमरजेंसी फंड बनाने पर भी फोकस करना चाहिए। आपके पास काम से कम 6 से 12 महीने के खर्च के बराबर का इमरजेंसी फंड होना चाहिए। इससे आप आपात स्थिति से निपट सकते हैं।

अनुशासित रहें और धैर्य रखें

यदि आप वित्तीय स्वतंत्रता हासिल करना चाहते हैं बड़ा गोल हासिल करना चाहते हैं तो इसके लिए जरूरी है कि निवेश के प्रति अनुशासित और धैर्यवान रहें। अपने निवेश को हर साल बढ़ाते जाएं। इससे आप कम समय में ही अपना पैसा बढ़ाकर आत्मनिर्भर बन सकते हैं।

अपने और परिवार के लिए खरीदे इंश्योरेंस

भारत में आज भी कई लोगों के पास मेडिकल इंश्योरेंस नहीं है, जिसके कारण मेडिकल इमरजेंसी की स्थिति में कई लोगों का पूरा बैंक अकाउंट और निवेश खाली हो जाता है। यहां तक की कई बार कर्ज लेने की भी नौबत आ जाती है। ऐसी स्थिति से बचने के लिए अपने और अपने परिवार के लिए मेडिकल इंश्योरेंस जरूर लें।

आईपीएल: दूसरा क्वालीफायर मुकाबला आज शाम 7.30 बजे

पांच बार की चैंपियन मुंबई से आज पंजाब का मुकाबला, जो जीता वो खेलेगा फाइनल

एजेंसी ▶▶| अहमदाबाद

अपने पहले खिताब की कवायद में लगी पंजाब किंग्स की टीम को इंडियन प्रीमियर लीग के दूसरे क्वालीफायर में रविवार को यहां पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस की टीम की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली पंजाब किंग्स को पहले क्वालीफायर में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के हाथों करारी हार का सामना करना पड़ा जिससे निश्चित तौर पर उसका आत्मविश्वास डिग गया होगा।

पंजाब किंग्स को अगर पहली बार चैंपियन बनना है तो उसे इस मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। दोनों टीमों के लिए यह मैच सेमीफाइनल जैसा है। मुंबई इंडियंस ने एलिमिनेटर में खिताब की प्रबल दावेदार गुजरात टाइटन्स को हराकर छठे खिताब की ओर एक और कदम बढ़ाया। इस जीत से मुंबई का निश्चित तौर पर आत्मविश्वास बढ़ा होगा।

आरसीबी और पंजाब किंग्स की तुलना में मुंबई इंडियंस की टीम नॉकआउट चरण में जीत दर्ज करने का अधिक अनुभव रखती है। उसके मुख्य कोच माहेला जयवर्धने के सामने चुनौती अपनी टीम को संगठित रखने की होगी। श्रीलंका के पूर्व कप्तान ने हालांकि अभी तक यह भूमिका अच्छी तरह से निभाई है। पिछले सत्र में सबसे निचले पायदान पर रही मुंबई इंडियंस को प्लेऑफ में पहुंचाने में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

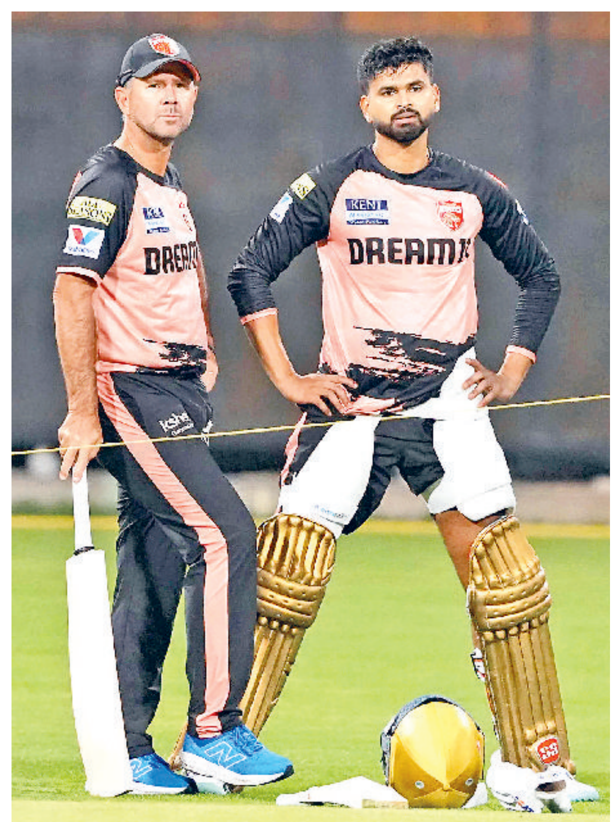

हार का भुलाना चाहेंगे पंजाब किंग्स के खिलाड़ी

पंजाब किंग्स में कप्तान श्रेयस अय्यर और मुख्य कोच रिकी पोंटिंग की जोड़ी के लिए चुनौती यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके खिलाड़ी पिछले मैच में मिली करारी हार को भूल जाएं और अपनी ऊर्जा को उन चुनौतियों से लड़ने में लगाएं जो विशेषकर गेंदबाजी विभाग में कुछ खिलाड़ियों के बाहर हो जाने से सामने आई हैं। इससे उसके मुख्य तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह पर अतिरिक्त दबाव बन रहा है। मार्को यानसन की अनुपस्थिति और आईपीएल में सर्वाधिक विकेट लेने वाले युजवेंद्र चहल की अनुपलब्धता टीम के लिए परेशानी का सबब बन गई है क्योंकि उसने इन खिलाड़ियों की जगह पर जो विकल्प आजमाए वे अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर सके।

फार्म में हिटमैन रोहित

जहां तक मुंबई इंडियंस का सवाल है तो अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने शुरू में मिले दो जीवनदान का फायदा उठाकर गुजरात टाइटंस के खिलाफ बड़ी पारी खेली। रोहित फिर से लय में लौट आए हैं और पंजाब किंग्स के गेंदबाजों के लिए उन पर अंकुश लगाना आसान नहीं होगा। अगर समग्र तौर पर देखा जाए तो मुंबई इंडियंस की टीम में कोई कमी नजर नहीं आ रही है क्योंकि उसने खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया है।

पिच बल्लेबाजों के अनुकूल

फाइनल में पहुंचने के लिए उसकी टीम काफी हद तक रोहित, जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा और कप्तान हार्दिक पंड्या पर निर्भर रहेगी। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने वाले इस मैच का नतीजा काफी हद तक गेंदबाजों के प्रदर्शन पर निर्भर करेगा क्योंकि यहां की पिच बल्लेबाजों के लिए अनुकूल मानी जाती है जिस पर काफी बड़े स्कोर बने हैं।

खास बाते

शाह ने की यूईएफए अध्यक्ष से मुलाकात

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष जय शाह ने इंटर मिलान और पेरिस सेंट जर्मेन के बीच एलियांज एरिना में खेले जाने वाले चैंपियंस लीग फाइनल से पहले म्यूनिख में यूरोपीय फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था यूईएफए के अध्यक्ष अलेक्जेंडर सेफरिन से मुलाकात की। भारतीय क्रिकेट बोर्ड के पूर्व सचिव शाह ने शुक्रवार को सेफरिन से मुलाकात की। शाह ने शनिवार को एक्स पर पोस्ट किया, 'चैंपियंस लीग फाइनल से पहले म्यूनिख में क्रिकेट का प्रतिनिधित्व करने और यूईएफए के अध्यक्ष अलेक्जेंडर सेफरिन के साथ चर्चा करने का सम्मान मिला। हमारे खेल को विश्व स्तर पर पहुंचाने के लिए अन्य खेलों के प्रमुखों से मुलाकात करना हमेशा महत्वपूर्ण होता है।'

ध्यान 2026 एशियाड पर यूटीटी से तैयारी शुरू

अहमदाबाद। राष्ट्रमंडल खेलों में दो बार के चैंपियन हरमीत देसाई जापान में अगले साल होने वाले एशियाई खेलों में पोडियम फिनिश पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इसके लिए वह अल्टीमेट टेबल टेनिस के छठे सत्र को तैयारी की तरह लेंगे क्योंकि इसमें कई अनुभवी खिलाड़ी भाग लेंगे। विश्व रैंकिंग में 66वें स्थान पर काबिज देसाई ने 2018 गोल्ड कोस्ट और 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में पुरुष टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीते थे। उन्होंने गोल्ड कोस्ट में पुरुष युगल में कांस्य पदक और जकार्ता में 2018 एशियाई खेलों में पुरुष टीम स्पर्धा में कांस्य पदक भी जीता है।

इंटर काशी फिर खेल पंचाट में जाने को तैयार

नई दिल्ली। आई लीग क्लब इंटर काशी दूसरी बार खेल पंचाट का दरवाजा खटखटाने को तैयार है क्योंकि अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने नामधारी एफसी, रीयल कश्मीर और चर्चिल ब्रदर्स के फुटबॉलर मारियो बार्को के पुनः पंजीकरण को लेकर वाराणसी स्थित क्लब के खिलाफ अपील को बरकरार रखा है। एआईएफएफ अपील समिति के ताजा फैसले का मतलब है कि इंटर काशी के चार अंक काटे जाएंगे जबकि चर्चिल ब्रदर्स के अंक में दो अंक जुड़ जाएंगे और नामधारी को तीन अंक मिलेंगे।

ऑरेंज कैप	पर्पल कैप
साई सुदर्शन	प्रसिद्ध कृष्णा
759 रन	25 विकेट
गुजरात	गुजरात

खबर संक्षेप

युद्धवीर बने भारतीय टेस्ट टीम के मैनेजर

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ के अनुभवी प्रशासक युद्धवीर सिंह को आगामी इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम का मैनेजर नियुक्त किया गया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड के सूत्रों ने यह जानकारी दी। युद्धवीर यूपीसीए के आजीवन सदस्य हैं। वह इससे पहले संघ के सचिव और निदेशक के रूप में काम कर चुके हैं। भारतीय टीम इंग्लैंड में पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला खेलेगी जिसका पहला मैच 20 जून से लीड्स में शुरू होगा। रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के बाद युवा बल्लेबाज शुभमन गिल को टीम का कप्तान नियुक्त किया गया।

भारत की युवा टेस्ट टीम इंग्लैंड में छोड़ेगी छाप

मुंबई। दक्षिण अफ्रीका के धाकड़ बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने शनिवार को यहां कहा कि भारत के युवा खिलाड़ियों में इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला में कुछ खास हासिल करने की क्षमता है, बशर्ते वे खुद पर भरोसा रखें। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि नई पीढ़ी आगे आए। 25 वर्षीय शुभमन गिल की अगुवाई में भारत अगले महीने इंग्लैंड के पांच टेस्ट मैचों के दौरे के साथ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का नया चक्र शुरू करेगा। भारत को रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की सेवाएं नहीं मिलेगी।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट

अल्काराज की संघर्षपूर्ण जीत चौथे दौर में पहुंचे होल्कर रुने

एजेंसी ▶▶| पेरिस

गत चैंपियन कार्लोस अल्काराज़ ने चार सेट तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में जीत दर्ज करके होल्गर रुने के साथ फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के चौथे दौर में प्रवेश किया। अल्काराज ने रात के सत्र में खेले गए मैच में बोस्निया के 33 वर्षीय खिलाड़ी दामिर दजुमुर को 6-1, 6-3, 4-6, 6-4 से हराया।

यह पहला अवसर था जबकि स्पेन के दूसरी वरीयता प्राप्त अल्काराज बोस्निया के खिलाड़ी के खिलाफ खेल रहे थे। उन्होंने स्वीकार किया कि इस मैच में जीत हासिल करना आसान नहीं था। अल्काराज ने कहा, 'आज मुझे काफी परेशानी हुई। पहले दो सेट में मैंने नियंत्रण बनाए रखा था लेकिन इसके बाद उसने आक्रामक होकर खेलना शुरू कर दिया। यह मेरे लिए वास्तव में मुश्किल था।'

चौथे दौर में उनका सामना बेन शेल्टन से होगा। इस बीच डेनमार्क के 10वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी रुने ने फ्रांस के क्वेंटिन हेलिस को पांच सेट तक चले मैच में 4-6, 6-2, 5-7, 7-5, 6-2 से हराकर चौथे दौर में जगह बनाई। रुने ने इस दौरान एक दर्शक को बाहर करने की अपील भी की जो लगातार उन पर चिल्ला रहा था। चौथे दौर में उनका मुकाबला इटली के आठवीं वरीयता प्राप्त लोरेंजो मुसेट्टी से होगा।

चोटिल ओवरटन सफेद गेंदों की श्रृंखला से बाहर

लंदन। जेमी ओवरटन बृहस्पतिवार को वनडे श्रृंखला के पहले मैच में लगी उंगली की चोट के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ इंग्लैंड के बाकी बचे वनडे और टी20 मैचों से बाहर हो गए हैं। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ऑलराउंडर एजबेस्टन में इंग्लैंड की 238 रन की जीत के दौरान रिटर्न कैच लेने की कोशिश करते हुए उंगली में चोट लगा बैठे। इंग्लैंड क्रिकेट ने शनिवार को एक बयान में कहा, 'अब वह इंग्लैंड की मेडिकल टीम की देखरेख में रिहैबिलिटेशन करायेंगे। वनडे टीम में उनकी जगह कोई खिलाड़ी शामिल नहीं किया जाएगा।'वनडे श्रृंखला का तीसरा और अंतिम मैच मंगलवार को खेला जाएगा।

भारत ने जीते 24 पदक, सचिन सहित 3 को रजत

एजेंसी ▶▶| गुमी

एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप

भारत ने 26वीं एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में एक नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड, कई व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन और अंतिम दिन छह पदकों के साथ कुल 24 पदकों के साथ अपना अभियान खत्म किया। भारतीय खिलाड़ी प्रतियोगिता के आखिरी दिन शनिवार को स्वर्ण पदक जीतने में नाकाम रहे लेकिन उन्होंने शानदार प्रदर्शन से तीन रजत और इतने ही कांस्य पदक हासिल किए।

पारुल चौधरी ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए दूसरा रजत पदक जीता और भाला फेंक खिलाड़ी सचिन यादव भी दूसरे स्थान पर रहे जबकि धावक अनिमेष कुजूर ने राष्ट्रीय रिकार्ड तोड़ते हुए कांस्य पदक जीता। विथ्या रामराज और पूजा ने भी अपनी-अपनी स्पर्धाओं में कांस्य पदक जीते। अभिनया राजराजन, स्नेहा एसएस, श्राबनी नंदा और नित्या गंधे की चौकड़ी ने महिलाओं की चार गुणा 400 मीटर रिले में सत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 43.86 सेकंड के समय के साथ रजत पदक हासिल किया जो इस प्रतियोगिता में भारत का आखिरी पदक रहा। भारत का अभियान इस तरह आठ स्वर्ण, 10 रजत और छह कांस्य पदकों के साथ खत्म हुआ। भारतीय दल पिछले सत्र में 27 पदक जीते थे लेकिन जब स्वर्ण पदकों की संख्या छह थी। इससे पहले 3000 मीटर स्टीपलचेज में रजत पदक जीतने वाली पारुल चौधरी महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ में 15 मिनट 15.33 सेकंड का समय लेकर दूसरे स्थान पर रहीं। पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में उभरते सितारे 25 वर्षीय यादव ने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 85.16 मीटर तक भाला फेंका। वह मौजूदा ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम से पीछे रहे, जिन्होंने 86.40 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ स्वर्ण पदक जीता। इस स्पर्धा में भाग ले रहे भारत के एक अन्य खिलाड़ी यशवीर सिंह ने भी प्रभावित किया तथा 82.57 मीटर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए पांचवां स्थान हासिल किया।

नायर का दोहरा शतक, भारत-ए का 557 रन का विशाल स्कोर

एजेंसी ▶▶| कैंटरबरी

करुण नायर के शानदार दोहरे शतक से भारत ए ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ चार दिवसीय अनधिकृत टेस्ट के दूसरे दिन अपनी पहली पारी में 557 रन बनाए। नायर ने 281 गेंद का सामना करते हुए 26 चौके और एक छक्का जड़कर 204 रन बनाए। भारत ए ने सुबह तीन विकेट पर 409 रन से आगे खेलना शुरू किया और उनके दोहरे शतक से टीम ने मजबूत प्रदर्शन जारी रखा। नायर ने 186 रन से आगे खेलना शुरू किया और तेज गेंदबाज एडी जैक की गेंद पर कवर के ऊपर से चौका लगाकर 272 गेंद में 200 रन पूरे किए। इससे पहले भारत ए ने ध्रुव जुरेल (94) और नीतिश कुमार रेड्डी (07) के रूप में दो विकेट जल्दी गंवा दिए थे। नायर और जुरेल ने चौथे विकेट के लिए 195 रन जोड़े। इससे पहले सरफराज खान ने 119 गेंदों में 92 रन बनाए थे।

ऊंची कूद में रचा इतिहास

पराली की बोरी पर की ट्रेनिंग, अब 18 साल की उम्र में जीता स्वर्ण

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में स्वर्ण पदक जीतने वाली पूजा सिंह ने 2019 में ऊंची कूद में स्पर्धा करने का फैसला किया था। शुरुआत में पराली से भरी बारियों पर अभ्यास करती थी लेकिन शुक्रवार को इस 18 साल की एथलीट को आखिरकार अपनी मेहनत का फल मिल गया।

पूजा ने महिलाओं की ऊंची कूद में 1.89 मीटर की अपनी सर्वश्रेष्ठ कूद लगाकर स्वर्ण पदक जीता। पूजा ने भारतीय एथलेटिक्स महासंघ द्वारा आयोजित एक बातचीत में मीडिया से कहा, 'मैंने 2017 में शुरुआत की और 2019 तक मैं योग और जिम्नास्टिक कर रही थी। मैंने कई स्पर्धाओं में भी हिस्सा लिया। 2019 में मैंने ऊंची कूद को चुना। मैं कड़ी मेहनत और संघर्षों के बाद मैं यहां तक पहुंची हूं।'पूजा ने कहा कि पराली से भरे बोरों पर अभ्यास करने से उन्हें अंडर-16 स्तर पर राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ने में मदद मिली। उन्होंने कहा, 'जब मैंने ऊंची कूद शुरू की तो मेरे पास 'मैट' नहीं था और मैं पराली से भरे बोरों पर अभ्यास करती थी।

मैंने दो तीन साल तक ऐसा किया लेकिन फिर मुझे एक पुराना 'मैट' मिला, जिस पर अभ्यास करते हुए मैंने अंडर-16 रिकॉर्ड (1.76 मीटर) बनाया। इसके बाद से अंडर-18 में और अंडर-20 में सुधार हुआ है जिसमें मैं अभी हूं। मेरे कोच के साथ मुझे भी ऊंची कूद में अच्छा प्रदर्शन करने का भरोसा था।'

अगासरा ने भी जीता सोना

वहीं, हेप्टाथलॉन में स्वर्ण पदक जीतने वाली नंदिनी अगासरा ने कहा कि 34.18 मीटर दूर भाला फेंकने के दौरान उन्हें कोहनी में दर्द महसूस हुआ जहां उन्हें पहले भी चोट लग चुकी है। नंदिनी ने कहा, 'मैं 38-40 मीटर भाला फेंकने के बारे में सोच रही थी लेकिन कल चार स्पर्धाओं के बाद मुझे कोहनी में दर्द महसूस हुआ।' गुलवीर सिंह ने 10000 मीटर में सफलता के बाद 5000 मीटर में स्वर्ण पदक जीता और कहा कि उनका ध्यान 'टाइमिंग' पर नहीं बल्कि पदक जीतने पर था।

आईसीसी ने तीनों फार्मेट को रोमांचक बनाने किया फैसला

आज से टेस्ट, वनडे और टी20 के नियमों में बदलाव

एजेंसी ▶▶| दुबई

आईसीसी ने टेस्ट और वनडे के साथ टी20 फॉर्मेट को और रोमांचक बनाने के लिए अगले महीने जून से कुछ नए नियमों को बदलने का फैसला लिया है। इसमें वनडे में 2 नई गेंदों के इस्तेमाल के अलावा कन्कशन सब्स्टीट्यूट नियम में बदलाव के साथ बाउंड्री लाइन पर पकड़े जाने वाले कैच के नियमों में बदलाव किए जा रहे हैं। नियमों में हो रहे बदलाव का सबसे ज्यादा असर वनडे फॉर्मेट में देखने को मिलेगा जिसमें गेंदबाजों को अधिक फायदा होगा। वनडे फॉर्मेट में पिछले कुछ सालों में बल्लेबाजों का दबदबा पूरी तरह से देखने को मिल रहा है, जिसमें दोनों छोर से दो नई गेंद होने की वजह से गेंदबाजों को रिवर्स स्विंग हासिल करना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। रिपोर्ट के अनुसार आईसीसी ने वनडे में 2 गेंदों के प्रयोग को लेकर अब नियम में जो बदलाव किया है उसमें 17-17 ओवर्स तक 2 गेंदों का इस्तेमाल किया जाएगा, जिसके बाद अब 35 ओवर्स के बाद सिर्फ एक गेंद का प्रयोग किया जाएगा जिससे गेंदबाजों के लिए आखिरी ओवर्स में रिवर्स स्विंग हासिल करने में थोड़ी मदद मिलेगी जिससे बल्लेबाजों के लिए तेजी से रन बनाना थोड़ा मुश्किल काम जरूर होगा।

कप्तान करेगा फैसला

35वें ओवर से किस गेंद का प्रयोग करना है इसका फैसला फील्डिंग करने वाली टीम का कप्तान करेगा। वहीं यदि मुकाबला किसी वजह से 25 या उससे कम ओवर्स का खेला जाता है तो उस स्थिति में सिर्फ एक गेंद का प्रयोग किया जाएगा। वनडे में ये नया नियम 2 जुलाई से शुरू होने वाली श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच वनडे सीरीज से लागू होगा।

कन्कशन सब्स्टीट्यूट के नियम में भी होगा बदलाव

आईसीसी ने कन्कशन सब्स्टीट्यूट के नियम में भी बदलाव का फैसला किया है जिसमें अब टीमों को मैच शुरू होने से पहले ही कन्कशन रिप्लेसमेंट के लिए अपने पांच प्लेयर्स के नाम मैच रेफरी को देने होंगे। इसमें एक विकेटकीपर, एक स्पिनर, एक ऑलराउंडर, एक बल्लेबाज और एक तेज गेंदबाज का नाम होगा। ऐसे में यदि मुकाबले के दौरान कोई खिलाड़ी कन्कशन के चलते बाहर होता है तो उसी की ही तरह दूसरे प्लेयर को शामिल किया जाएगा। टेस्ट क्रिकेट में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025 के फाइनल के बाद ये नियम लागू होंगे जब श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच 17 जून से 2 मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज होगा।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109

रक्षा सचिव राजेश सिंह बोले

सरकार ने घटाई रक्षा खरीद की समयसीमा, इससे 69 हफ्तों का समय बचेगा

रक्षा सचिव ने कहा कि रक्षा खरीद प्रक्रिया 2020 में बदलाव किए जा रहे हैं। जिनके मुताबिक पारंपरिक नामांकन-आधारित लागत-प्लस खरीद से प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण मॉडल में स्थानांतरित किया जा रहा है, जहां सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्र ऑर्डर के लिए प्रतिस्पर्धा कर सकेंगे

1. पोत निर्माण और एएमसीए प्रोजेक्ट में सार्वजनिक और निजी क्षेत्र कर सकेंगे प्रतिस्पर्धा
2. भारत विश्व के शीर्ष 25 हथियार निर्यातकों में शामिल हुआ
3. 100 से ज्यादा भारतीय कंपनियां सैन्य उपकरण बना रही
4. 100 से ज्यादा देशों को सैन्य उपकरण निर्यात कर रहे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने बताया कि रक्षा मंत्रालय ने रक्षा खरीद की समयसीमा को काफी कम किया है, जिससे सैन्य उपकरणों की खरीद में अच्छा खासा समय बचेगा। रक्षा सचिव ने बताया कि रक्षा खरीद में व्यापक सुधारों और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने के उद्देश्य से ये सुधार किए गए हैं। राजधानी दिल्ली में एक रक्षा सम्मेलन में बोलते हुए रक्षा सचिव ने कहा कि इस पूरे सुधार से रक्षा खरीद की प्रक्रिया में 69 सप्ताह का समय बचेगा।

हथियारों के आयातक से निर्यातक बना देश

रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को साल 2047 में 32 खरब डॉलर बनाने के लिए भी रणनीतिक स्वायत्ता के लिए आत्मनिर्भरता जरूरी है। उन्होंने कहा कि बीते दशक में रक्षा क्षेत्र में शुरू हुए स्वदेशीकरण के चलते साल 2015 में जहां भारत हथियारों का सबसे बड़ा आयातक था, तो आज हमारा देश शीर्ष 25 निर्यातकों में शामिल हो गया है। 100 से ज्यादा भारतीय कंपनियां 100 से ज्यादा देशों को सैन्य उपकरण निर्यात कर रही हैं। सैन्य उपकरणों में ब्रह्मोस मिसाइल, रॉकेट लॉन्चर पिनाका, सिमुलेटर आर्मर्ड व्हीकल आदि शामिल हैं। सिंह ने कहा कि बीते साल हमने 23,622 करोड़ रुपये के हथियार निर्यात किए। घरेलू खरीद जहां साल 2014 में 43,746 थी, वो 2023-24 में 1,27,000 करोड़ रही।

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर दिया बल

राजेश कुमार सिंह का यह बयान ऐसे समय आया है, जब हाल ही में वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने सीआईआई बिजनेस समिट में रक्षा परियोजनाओं में देरी, अवास्तविक समयसीमा निर्धारण और व्यवस्थागत मुद्दों पर नाराजगी जताई थी। उन्होंने इस देरी से सेना की परिचालन तत्परता पर पड़ने वाले असर पर गंभीर चिंता जाहिर की थी। सिंह ने भारत की रणनीतिक स्वयात्ता को बनाए रखने की जरूरत और विकसित भारत के विजन को हासिल करने के लिए आत्मनिर्भरता की भूमिका पर बल दिया। वायुसेना प्रमुख ने निजी उद्योगों से घरेलू रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) और पूंजीगत उपकरणों में भारी निवेश करने का आग्रह भी किया।

रक्षा खरीद प्रक्रिया में हुए कई अहम बदलाव

रक्षा सचिव ने कहा कि रक्षा खरीद प्रक्रिया 2020 में बदलाव किए जा रहे हैं। जिनके मुताबिक पारंपरिक नामांकन-आधारित लागत-प्लस खरीद से प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण मॉडल में स्थानांतरित किया जा रहा है, जहां सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्र ऑर्डर के लिए प्रतिस्पर्धा कर सकेंगे। पोत निर्माण और एएमसीए (एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट) प्रोजेक्ट में पहले ही ये बदलाव कर दिए गए हैं।

एयर चीफ मार्शल ने जताई थी नाराजगी

सीआईआई बिजनेस समिट में बोलते हुए सिंह ने कहा था कि कई बार करार पर हस्ताक्षर करते वक्त ही हमें पता होता है कि ये सिस्टम समय पर नहीं मिलेंगे। फिर भी हम अनुबंध पर हस्ताक्षर कर देते हैं। मैं ऐसी कोई एक भी परियोजना नहीं बता सकता जो समय पर पूरी हुई हो। इसलिए हमें इस पर गौर करना होगा। हम ऐसा वादा क्यों करें जो पूरा नहीं हो सकता?

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में आजादी की मांग जोर पकड़ रही

बीएलए लड़ाकों ने सुराब शहर पर किया हमला, बैंक लूटा, घरों में लगाई आग

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

पाकिस्तान से आजादी मांग रही बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने बलूचिस्तान के सुराब शहर पर हमला किया। हमले में एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई। बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने यह जानकारी देते हुए कहा कि बीएलए के लड़ाकों ने एक वाणिज्यिक बैंक को लूट लिया। साथ ही कई अफसरों के घर में आग लगा दी। बीएलए ने दावा किया है कि उसने सुराब शहर पर कब्जा कर लिया। उन्होंने एक बैंक, लेवी स्टेशन और पुलिस स्टेशन पर कब्जे का दावा किया। क्वेटा-कराची और सुराब-गिदर राजमार्ग पर गश्त की जा रही है। हमलावरों ने अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) हिदायत बुलेदी के घर पर हमला किया। इसमें हिदायत बुलेदी की मौत हो गई। घटना के बाद फ्रंटियर कोर, पुलिस और लेवी सहित सुरक्षा बलों ने क्षेत्र में तलाशी अभियान शुरू किया। क्वेटा के कमिश्नर हमजा शफकत ने भी डिप्टी कमिश्नर बुलेदी की मौत की पुष्टि की।

बीएलए ने 39 जगहों पर हमले करने की जिम्मेदारी ली

इससे पहले बीएलए ने बलूचिस्तान में 39 अलग-अलग जगहों पर समन्वित हमले करने की जिम्मेदारी ली थी। बीएलए ने दावा किया था कि उन्होंने कुछ पुलिस स्टेशनों पर कब्जा कर लिया है और क्षेत्र की प्रमुख सड़कों पर नाकाबंदी कर दी है। बलूचिस्तान में लंबे समय से आजादी की मांग करने वाले अलगाववादी आंदोलन चल रहे हैं। कई वर्षों से चल रहे संघर्ष के कारण यहां बहुत से लोग मारे गए हैं। इसके अलावा, इन संघर्षों के चलते बहुत लोग विस्थापित भी हुए हैं।

तालिबान ने पाक का चेक पोस्ट उड़ाया

अफगानिस्तान के हेलमंद प्रांत में स्थित बहराम चह, जो पाकिस्तान के चगई जिले से सटा एक सीमावर्ती कस्बा है, फिर सशस्त्र संघर्ष का केंद्र बन गया है। पाक सुरक्षा बलों और तालिबान के बीच 3 फरवरी से शुरू हुई झड़पें अब तेज हो चुकी हैं। विवाद तब शुरू हुआ, जब तालिबान ने अपनी सीमा को सुरक्षित करने के लिए नई चौकी बनाने की कोशिश की। इसे पाक बलों ने समझौते का उल्लंघन बताते हुए गोलीबारी शुरू कर दी। जवाब में, तालिबान ने पाकिस्तान के चेकपोस्ट पर हमला बोला। मोर्टार दागने से चेकपोस्ट ध्वस्त हो गया। इस बढ़ते संघर्ष के चलते चगई जिले के ढाई लाख से ज्यादा लोगों को पाक की शहबाज सरकार ने तत्काल घर छोड़ने का आदेश दिया है। तालिबान ने भी अपने नागरिकों को क्षेत्र खाली करने को कहा है। इस स्थिति ने पहले से ही बिगड़े पाक-अफगान रिश्तों को और अधिक तनावपूर्ण बना दिया है।

सेना प्रमुख द्विवेदी ने बीएसएफ की महिला अधिकारी को सम्मानित किया

जम्मू। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की एक महिला अधिकारी को सम्मानित किया तथा 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान उनकी भूमिका के लिए अर्द्धसैन्य बल और पूर्व सैनिकों की प्रशंसा की। जनरल द्विवेदी ने गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के परगवाल सेक्टर में परिचालन तैयारियों की समीक्षा की और टाइगर डिवीजन का दौरा किया, जहां उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सैनिकों की सराहना की। भारतीय सेना के अतिरिक्त लोक सूचना महानिदेशालय (एडीजीपीआई) ने शनिवार को 'एक्स' पर लिखा कि सीओएएस ने सेना के साथ बीएसएफ के परिचालन तालमेल की भी प्रशंसा की और जम्मू के अखनूर सेक्टर में अग्रिम चौकियों की रक्षा के लिए सहायक कमांडेंट नेहा भंडारी और उनकी टीम की बहादुरी की भी सराहना की।

हार्वर्ड विश्वविद्यालय में मिली बड़ी जिम्मेदारी

अंजलि सूद गर्वनिंग बॉडी में सदस्य के तौर पर शामिल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय अमेरिकी बिजनेस एक्जीक्यूटिव अंजली सूद के कारण हार्वर्ड विश्वविद्यालय की चर्चा की जा रही है। दरअसल, अंजली सूद को इस विश्वविद्यालय का प्रशासन चलाने वाली गर्वनिंग बॉडी में से एक बोर्ड ऑफ ओवरसीज में मेंबर के तौर पर जिम्मेदारी मिली है। अंजली सूद एक अमेरिकी कंपनी की सीईओ के रूप में भी कार्यरत हैं। अंजली सूद को ओवरसीज बोर्ड में कनाडा के पीएम मार्क कार्नी की जगह दी गई है। कनाडा का पीएम बनने के बाद कार्ने ने हार्वर्ड में इस पद से इस्तीफा दे दिया था। अंजली सूद ने 30 मई को कार्यभार ग्रहण किया।

टुबी की सीईओ हैं

अंजली सूद टुबी की सीईओ हैं। ये एक अमेरिकी कंपनी है, जो मुफ्त टीवी और मूवी स्ट्रीमिंग का काम करती है। इस प्लेटफॉर्म के कुल 100 मिलियन से अधिक सक्रिय मासिक उपयोगकर्ता हैं। अंजली साल 2023 से इस कंपनी की सीईओ के तौर पर काम कर रही हैं। टुबी से पहले वह वीमियो की सीईओ हुआ करती थीं। अंजली को फार्च्यून की 40 अंडर 40 में नामित किया गया था। अंजली वर्तमान में न्यूयॉर्क में रहती हैं।

अमृतसर एयरपोर्ट पर 41,400 डॉलर जब्त

अमृतसर। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) अमृतसर की क्षेत्रीय इकाई ने विदेशी मुद्रा तस्करी के एक और बड़े मामले का भंडाफोड़ किया है। शुक्रवार को अधिकारियों ने खुफिया सूचना के आधार पर अमृतसर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट से दुबई से आए एक यात्री को रोका। उसकी तलाशी लेने पर उसके पास से 41,400 अमेरिकी डॉलर (करीब 35.40 लाख रुपए) की विदेशी मुद्रा बरामद हुई। यात्री अपने सामान में छिपाकर तस्करी के इरादे से विदेशी मुद्रा भारत लाया था।

Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj - Phase -II, New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or call our toll-free no.: 1800 266 0018 or visit us on www.HeroMotoCorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. **Finance offer is at sole discretion of the financer, subject to its respective T&Cs. Offers are valid in select states for a limited period or till stock lasts. For more details, please visit your nearest authorized Hero outlet. *Exshowroom prices of Splendor+ XTEC 2.0 Drum Brake and Destini Prime OBD2B are applicable in Delhi. *Terms & Conditions apply.

Authorised Dealers: South Delhi: Lajpat Nagar: Sapphire Hero: 9289923175, Adchini (Main Mehrauli Road)- Pashupati Hero- 9289922381, Pul Prahladpur Badarpur Singla Hero–9289922771, Okhla Phase II: A R C Hero - 9289922461, East Delhi: Durgapuri (Loni Road, Shahadra): Himgiri Hero: 9289922380, PushtaKartar Nagar: Aman Hero - 9289922735, Dilshad Garden: RK Hero- 9289923010, Patparganj Pandav Nagar: Singla Autoneeds Hero- 9289923222 North Delhi: Azadpur: Shraman Automobiles: 9289923185, Rithala (Rohini): Metro Hero - 9289922597, Budh Vihar: JMD Automotives - 7838685858, Central Delhi: Karol Bagh (Faiz Road): EssAay Hero - 9289922382, Upper India Hero – 9717198198, West Delhi: ROSHAN VIHAR (Najafgarh): Avni Hero - 9289922671, Paschim Vihar (Peeragarhi): Shivganga Hero- 9289922796, Palam Dabri Road (Dwarka): Singla Hero– 9289922530, Tilak Nagar: Khanna Hero - 9289922383, Bali Nagar: Khanna Hero - 9289924309, Nawada: Khanna Hero- 9289924310, Faridabad: Sehgal Hero- 9289922419, Sehgal Hero, NIT - 7217627327; Gurugram: Globe Agencies, Sec – 18, Noble Enclave - 9289233915, Himgiri Hero - 9289923046, Sharma Hero, Basai Road Sector 11- 9289923221, Autoneeds Hero - 9289922051, Jasodha Hero- 9289922495, Himgiri Hero (Wazirabad) - 9289924247, Himgiri Hero (Railway Road): 9289924248, Sohna: Auto Links Hero, No.160/2 Delhi Road, Sohna- 9289924089; Noida: Dhansri Hero, H-206A, Sector 63- 9289923044, Uppal Hero- B 124, Sector-5 - 9289922462, Singla Hero, C-70, Sector-58 - 9289923059; Ghaziabad: Globe Hero- Meerut, Delhi Road - 9289922073, Aman Hero - Shiv Puri, Vijay Nagar - 9289232123; Sahibabad: Sahib Hero- 9289922486 BulandShahr: Shri Durga Hero, Delhi Road - 9289922504; Krishna Hero, Raje Babu Road - 9289922410, Hapur: Globe Hero – 9289923209.

L&K | SAATCHI & SAATCHI